हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com
धनबाद, शुक्रवार 18 अक्टूबर, 2024, वर्ष : 33 अंक : 195, मूल्य : 2 रुपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal sambad news

झारखंड विस चुनाव : राज्य की 81 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में होगा मतदान

पहले चरण के लिए प्रत्याशियों की नामांकन प्रक्रिया आज से

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है. राज्य की 81 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा. पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर और दूसरे चरण का 20 नवंबर को होगा. वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे आयेंगे. झारखंड में चुनावी प्रक्रिया 18 अक्टूबर से शुरू हो जायेगी. पहले चरण के लिए शुक्रवार से झारखंड की 43 विधासभा सीटों पर नॉमिनेशन की प्रक्रिया शुरू होगी. 25 अक्टूबर को पहले चरण के नॉमिनेशन करने की अंतिम तारीख होगी. 28 अक्टूबर को नॉमिनेशन की स्क्रूटनि की जायेगी. वहीं 30 अक्टूबर को प्रत्याशियों के नॉमिनेशन वापस लेने का अंतिम दिन होगा. 13 नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा.

पहले चरण में इन 43 सीटों पर होगा मतदान

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 43 विधानसभा सीटों पर चुनाव होगा. इनमें कोडरमा, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसांवा, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, विशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मनिका, लातेहार, पांकी, डालटेनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा और भवनाथपुर शामिल हैं.

संक्षिप्त खबरें

अगले माह रिटायर हो रहे सीजेआई चंद्रचूड़ की जगह लेंगे जस्टिस खन्ना

नई दिल्ली(ईएमएस)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ 2 साल तक पद पर रहने के बाद 10 नवंबर 2024 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश कर दी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति आमतौर पर वरिष्ठता के सिद्धांत के अनुसार ही की जाती है। सीजेआई सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के प्रमुख होते हैं, जो सुप्रीम कोर्ट और देश के विभिन्न हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति की सिफारिश करता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना 11 नवंबर 2024 को 6 महीने के कार्यकाल के लिए मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे। वह 13 मई 2025 तक अपने पद पर बने रहेंगे। इसके बाद वह रिटार हो जाएंगे। जनवरी 2019 में उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से सर्वोच्च न्यायालय में प्रमोट किया गया था। वे वर्तमान में कंपनी कानून, मध्यस्थता, सेवा कानून, समुद्री कानून, नागरिक कानून और वाणिज्यिक कानून सहित अन्य के लिए रोस्टर पर हैं।अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना 358 पीठों का हिस्सा रहे हैं और 90 से अधिक निर्णय दिए हैं। 2023 में उन्होंने शिल्पा शैलेश में संविधान पीठ का फैसला सुनाया था। यूओआई बनाम यूसीसी में वे उस बेंच का हिस्सा थे जिसने भोपाल गैस त्रासदी पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग करने वाली याचिका पर फैसला सुनाया था।पिछले साल वह 3 जजों वाली पीठ का हिस्सा थे, जिसने एससी और एसटी के लिए प्रमोशन में आरक्षण पर सुनवाई की थी। 2019 में उन्होंने प्रसिद्ध आरटीआई जजमेंट में बहुमत से फैसला सुनाया था। 2022 में उन्होंने कहा कि मध्यस्थ एकतरफा अपनी फीस तय नहीं कर सकते।

नीरज सिंह मर्डर केस के आरोपी डब्ल्यू मिश्रा को मिली जमानत

रांची : धनबाद के हाई प्रोफाइल नीरज सिंह मर्डर केस के आरोपी डब्ल्यू मिश्रा को हाईकोर्ट ने गुरुवार को जमानत दे दी है. जस्टिस राजेश कुमार की अदालत ने डब्ल्यू मिश्रा को जमानत प्रदान की है. डब्ल्यू मिश्रा के वकील मो. जावेद ने बताया कि पूर्व विधायक संजीव सिंह की भी जमानत अर्जी कोर्ट में लगी हुई है. वे फिलहाल न्यायिक अभिरक्षा में हॉस्पीटल में इलाजरत हैं. धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर और कांग्रेस नेता नीरज सिंह और उनके तीन समर्थकों की हत्या 21 मार्च 2017 को कर दी गई थी. नीरज सिंह पर यह हमला उस वक्त हुआ, जब वे अपनी गाड़ी से स्टील गेट स्थित अपने आवास रघुकुल जा रहे थे. नीरज सिंह की गाड़ी जैसे ही स्टील गेट के पास पहुंची, उस वक्त हमलावरों ने तीन ओर से गाड़ी पर गोलियां चलाना शुरू कर दिया. इस हमले में नीरज सिंह के अलावा उनके निजी बॉडीगार्ड मुन्ना तिवारी और चालक अशोक यादव की मौके पर ही मौत हो गई थी.

डब्ल्यू मिश्रा पर नीरज सिंह की रेकी करने का आरोप है. वह शूटरों को नीरज सिंह की गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराता था. मिश्रा पर यह भी आरोप है कि वह घर किराये में लेकर शूटरों को ठहराया था. पुलिस ने डब्ल्यू मिश्रा को 11 अप्रैल 2017 को धनबाद के सरायढ़ेला थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया था.

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के नए अध्यक्ष बने राजेश गुप्ता

भोपाल,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के नए अध्यक्ष अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारी राजेश गुप्ता को बनाया गया है। गुप्ता सीएम सचिवालय, भोपाल सहित कई जिलों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं और वर्तमान में अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान में संचालक के पद पर कार्यरत हैं। वहीं भोपाल नगर निगम में अपर आयुक्त टीना यादव को संघ का महासचिव, किरण गुप्ता को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। जबकि आकाश श्रीवास्तव तथा मनोज प्रजापति को संघ का उपाध्यक्ष बनाया है। मुख्य संरक्षक के रूप में देवी सरन और संरक्षक के रूप में कविंद्र कियावत और जीपी माली का नाम तय हुआ है। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अधिकारियों द्वारा आम सहमति से गुप्ता का निर्विरोध निर्वाचन किया गया है। गुरुवार को ही संघ की कार्यकारिणी के बाकी सदस्यों का भी ऐलान किया जाएगा। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ की नई कार्यकारिणी का गठन करीब दस साल बाद किया गया है। इस कार्यकारिणी में नए अध्यक्ष के निर्वाचन के साथ संघ के नए पदाधिकारियों को लेकर भी सर्वसम्मति से फैसला किया गया है। मूलतः शहडोल निवासी राजेश गुप्ता नायब तहसीलदार के रूप में शासकीय सेवा में आए थे। 14 फरवरी 1995 को शासकीय सेवा ज्वाइन करने के बाद वे तहसीलदार बने और फिर प्रमोशन से 29 अक्टूबर 2014 को डिप्टी कलेक्टर बने। गुप्ता 30 दिसम्बर 2019 को संयुक्त कलेक्टर और फिर 8 मार्च 2024 को अपर कलेक्टर के पद पर पदोन्नत हुए हैं। गुप्ता सीएम सचिवालय में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के ओएसडी के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं।

पीएम मोदी के बाद शाह बने भाजपा के सक्रिय सदस्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पहला सक्रिय सदस्य बनकर सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत की। पीएम मोदी के सदस्य बनने के बाद भाजपा के तमाम नेता पार्टी की सक्रिय सदस्यता हासिल कर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बाद गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पार्टी की सक्रिय सदस्यता हासिल की। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी को पार्टी की सक्रिय सदस्यता दिलाते समय खुद भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी मौजूद थे। पार्टी की सक्रिय सदस्यता हासिल करने के बाद पीएम मोदी ने कहा, ''विकसित भारत बनाने के हमारे प्रयास को गति प्रदान करना !पीएम मोदी ने कहा कि पार्टी का सदस्यता अभियान एक ऐसा आंदोलन है, जो जमीनी स्तर पर भाजपा को और मजबूत करेगा तथा राष्ट्रीय प्रगति के लिए कार्यकर्ताओं का प्रभावी योगदान सुनिश्चित करेगा। इस बीच, गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी भाजपा की सक्रिय सदस्यता ली। पार्टी महासचिव विनोद तावड़े इस मौके पर मौजूद थे। इसके बाद शाह ने पोस्ट किया कि बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बनकर सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत की।

भारत बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुंबई (ईएमएस)। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने गुरुवार जारी अपनी रिपोर्ट में बताया कि भारत बेशक सबसे तेज अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या और पर्यावरण को लेकर चुनौतियां भी दरकिनार नहीं की जा सकती है। रिपोर्टों का कहना है कि भारत में कार्बन-उत्सर्जन संबंधी चुनौतियां बड़ी बाधाओं के रूप में उभर सामने आ रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि भारत 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर (30 लाख करोड़ डॉलर) की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है, अभी फिलहाल यह 3.6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है।

रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले तीन सालों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। एक अन्य रेंटिग एजेंसी ने कहा कि 2035 तक, उभरते बाजार ग्लोबल इकनॉमिक ग्रोथ का लगभग 65 प्रतिशत योगदान देगा, जिसमें भारत, चीन, वियतनाम और फिलीपींस जैसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देश प्रमुख भूमिका निभाएंगे। रेंटिग एजेंसी ने कहा, इस दौरान, भारत के तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। 2035 तक, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा,वहीं इंडोनेशिया आठवें और ब्राजील नौवें स्थान पर होगा। एजेंसी ने कहा 2035 तक एमर्जिंग देशों की औसतन जीडीपी ग्रोथ 4.06 प्रतिशत होगी, जबकि एडवांस अर्थव्यवस्थाओं यानी विकसित देशों के लिए यह 1.59 प्रतिशत होगी। रेंटिग एजेंसी को उम्मीद है कि 2024 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत और 2025 में 6.6 प्रतिशत रहेगी। इसके साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। एजेंसी की रिपोर्ट ने गुरुवार कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर और बढ़ती आबादी से उत्पन्न कार्बन-उत्सर्जन एक गहरी चिंता की बात है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और औद्योगीकरण से एनर्जी और कार्बन-उत्सर्जन वाले प्रोडक्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा होगा। 2022 में भारत का ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन 7.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, और यह अगले कुछ वर्षों में और बढ़ सकता है।

राज्य के 35 वर्ष से कम उम्र के दो पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा तैराकी का प्रशिक्षण

रांची : झारखंड के सभी जिलों के दो पुलिसकर्मी जिनकी आयु 35 से कम हो और शारीरिक रूप से सक्षम हों तथा अच्छे तैराक हों, को चिन्हित कर तैराकी का प्रशिक्षित करने का आदेश दिया गया है. यह आदेश गुरुवार को डायल 112 के कार्य से संबंधित समीक्षा बैठक के दौरान एडीजी अभियान ने जिले के एसपी को दिया. यह आदेश इसलिए दिया गया कि आपात स्थिति में किसी डूबते हुए व्यक्ति को बचाया जा सके. राज्य के छोट-छोटे एयरपोर्ट जैसे देवघर और जमशेदपुर की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ करने साथ ही सड़क सुरक्षा पर विशेष निर्देश दिया गया. डायल-112 से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर त्वरित और तार्किक कार्रवाई करने के लिए रिस्पॉन्स टाइम में अपेक्षित सुधार लाने, अल्प अवधि में शिकायतों को निष्पादित करने और सभी जिलों के एसपी को जिलों में आयोजित अपराध गोष्ठियों के दौरान डायल-112 के बारे में भी समीक्षा करने का निर्देश दिया गया.

मध्यप्रदेश के बेटी निकिता ने जीता फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल ने फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब जीता लिया है। दूसरे स्थान पर रेखा पांडे और तीसरे स्थान पर गुजरात की आयुषी ढोलकिया रहीं। 18 साल की निकिता ने अपने करियर की शुरुआत टीवी एंकर के रूप में की थी। उन्हें पिछले साल की विजेता नंदिनी गुप्ता ने ताज पहनाया, और नेहा धूपिया ने मिस इंडिया का सैश दिया। निकिता ने राजस्थान की नंदिनी की जगह ली, जिन्होंने 2023 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था।

कौन हैं निकिता पोरवाल?

उज्जैन निवासी निकिता का पालन-पोषण उस शहर में हुआ है, जो अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है।

इस विरासत ने निकिता को गहराई से सोचने और हर चीज को समझकर करने की आदत डाली। उन्हें कहानियां सुनाने और अपने आध्यात्मिक पहलुओं की खोज में गहरी रुचि है। निकिता ने अपनी स्कूली पढ़ाई कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से की और उच्च शिक्षा महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी, बड़ौदा से प्राप्त की।

अलका होंगी झारखंड की सीएस?

केंद्र ने प्रतिनियुक्ति से किया मुक्त भेजा मूल सेवा में

रांची,(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने अपर मुख्य सचिव रैंक की अधिकारी अलका तिवारी को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से मुक्त कर उन्हें वापस मूल सेवा में लौटने का निर्देश दिया है। इस आदेश के साथ राष्ट्रीय जनजातीय आयोग में सचिव रहीं अलका तिवारी वापस झारखंड कैडर में लौट आई हैं। इसके साथ ही अनुमान लगाया जा रहा है कि वह झारखंड की मुख्य सचिव बन सकती हैं। वर्तमान में जितने भी अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी हैं, उनमें सबसे वरीय अलका तिवारी ही हैं। 1988 बैच की आइएएस अलका तिवारी को 15 अक्टूबर को विमुक्त किया गया है। ज्ञात हो कि वर्तमान मुख्य सचिव एल. खियांग्ते 31 अक्टूबर को रिटायर्ड हो रहे हैं। उनकी सेवानिवृत्ति के साथ ही राज्य सरकार तीन अधिकारियों का नाम केंद्रीय कार्मिक विभाग को भेजेगी, जिसमें से किसी एक को मुख्य सचिव बनाया जाएगा। चुनाव होने के कारण इसकी जानकारी निर्वाचन आयोग को भी देना जरुरी है। अलका तिवारी 1988 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। वह रसायन और उर्वरक मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार के रूप में काम कर चुकी हैं। इसके अलावा जनजाति आयोग के सचिव रह चुकी हैं। बता दें मुख्य सचिव पूरे सचिवालय के काम को नियंत्रित करता है। वह सचिवालय संगठन का हेड होता है। मुख्य सचिव का काम सीएम के हर काम में मदद करना होता है। मुख्य सचिव राज्य प्रशासन से जुड़े सभी मामलों में सीएम के प्रधान सलाहकार के रूप में दायित्व निभाता है।

अधिकारियों को दिलाई मतदान की शपथ

वहीं झारखंड में होने वाले चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्वीप कार्यक्रम के तहत समाहरणालय सभागार में सभी प्रशासनिक-पुलिस पदाधिकारियों को मतदाता शपथ दिलाई और समावेशी चुनाव प्रक्रिया में सबकी सहभागिता तय हो इसे लेकर जन-जन तक मताधिकार के प्रयोग को लेकर जागरूकता लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सुदृढ़ लोकतंत्र के लिए प्रत्येक मतदाता की सहभागिता जरुरी है।

सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की नई मूर्ति का अनावरण

मूर्ति की आंखों से हटा दी गई पट्टी, हाथ में तलवार के स्थान पर है संविधान

नई दिल्ली : देश की सबसे बड़ी अदालत ने न्याय के प्रतीक को नए रूप में परिभाषित किया है। सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की नई मूर्ति का अनावरण किया गया। मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा दी गई है और अब उनके हाथ में तलवार के स्थान पर संविधान है। यह मूर्ति इसलिए लगाई गई है ताकि यह संदेश दिया जा सके कि देश में कानून सभी को एकसमान रूप से देखता है।

आइये जानते हैं कि न्याय की देवी की मूर्ति में क्या बदलाव हुआ है? यह फैसला क्यों लिया गया है? मूर्ति के प्रतीकों का मतलब क्या है? न्याय की देवी की मूर्ति का इतिहास क्या है?

मूर्ति में क्या बदलाव हुआ है और क्यों?

भारतीय संविधान लागू होने के 75वें वर्ष में न्याय की प्रतीक देवी की आंखों पर बंधी पट्टी हट गई है। हाथ में तलवार की जगह भी अब संविधान ने ले ली। जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बदलाव में खास भूमिका है। उनके निर्देश पर देवी की प्रतिमा बदली गई है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की लाइब्रेरी में नई प्रतिमा लगाई गई है। पहले देवी की आंखों पर पट्टी होती थी। एक हाथ में तराजू, दूसरे में सजा की प्रतीक तलवार थी। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ का मानना है कि भारत को अंग्रेजी विरासत से आगे निकलने की जरूरत है। कानून कभी अंधा नहीं होता। वह सभी को एकसमान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप भी बदला जाना चाहिए। हाथ में संविधान संदेश देता है कि न्याय संविधान के अनुसार किया जाता है। दूसरे हाथ में तराजू इस बात का प्रतीक है कि कानून की नजर में सभी समान हैं।

बदली हुई मूर्ति की विशेषताएं क्या हैं?

न्याय की देवी की नई मूर्ति सफेद रंग की है और इसमें देवी को भारतीय परिधान में दिखाया गया है। उन्हें साड़ी पहने दिखाया गया है। मूर्ति में देवी के सिर पर एक सुंदर मुकुट, माथे पर बिंदी और कानों और गर्दन पर पारंपरिक आभूषण भी हैं। इसके अलावा, देवी ने एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में संविधान धारण किया हुआ है।

किस प्रतीक का क्या महत्व?

पुरानी मूर्ति में आंखों पर पट्टी का मतलब था कि कानून सबके साथ समान व्यवहार करता है। उनके हाथ में तलवार कानून की शक्ति का प्रतीक है जो गलत काम करने वालों को दंडित करती है। हालांकि, नई मूर्ति में एक चीज जो नहीं बदली है, वह है तराजू। देवी के हाथ में तराजू इस बात का प्रतीक है कि अदालत फैसला लेने से पहले दोनों पक्षों की बात ध्यान से सुनती है। तराजू संतुलन का प्रतीक है।

कहां-कहां मिलती हैं ये प्रतिमाएं?

न्याय की देवी की प्रतिमा अलग-अलग रूप में दुनिया भर में पाई जाती हैं। मशहूर कनाडाई वास्तुकला कंपनी हीदर एंड लिटिल के अनुसार, ये कलाकृतियां पेंटिंग, मूर्तिकला, हथियारों के कोट या धातु की मूर्तियों के रूप में दुनिया भर में दिखती हैं। उत्तरी या दक्षिणी अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, मध्य पूर्व, दक्षिणी और पूर्वी एशिया और ऑस्ट्रेलिया में न्यायालयों, कानूनी कार्यालयों और कानूनी और शैक्षणिक संस्थानों में न्याय की देवी की मूर्ति देखने को मिलती है। हीदर एंड लिटिल के मुताबिक, इस प्रतिमा का इतिहास कई हजार साल पुराना है और वह आमतौर पर न्याय के प्रतीक होती है।

प्रतिमा का इतिहास क्या है?

न्याय की देवी की अवधारणा बहुत पुरानी है, जो प्राचीन ग्रीक और मिस्त्र के समय से चली आ रही है। ग्रीक देवी 'थीमिस' कानून, व्यवस्था और न्याय का प्रतिनिधित्व करती थीं, जबकि मिस्त्र में यह मात थीं, जो व्यवस्था का प्रतीक थीं और तलवार और सत्य का पंख दोनों रखती थीं। हालांकि, इन मूर्तियों की तुलना न्याय की रोमन देवी 'जस्टिसिया' से की जाती है। न्याय की महिला जैसी कुछ पहली मूर्तियां मिस्त्र की देवी मात से मिलती-जुलती हैं, जो उस प्राचीन समाज में सत्य और व्यवस्था का प्रतीक थीं। बाद में प्राचीन यूनानियों ने देवी थेमिस (ईश्वरीय कानून और रीति-रिवाज का प्रतीक) और उनकी बेटी डाइक की पूजा की। थेमिस ईश्वरीय कानून और रीति-रिवाज का प्रतीक थीं तो डाइक के नाम का अर्थ है न्याय। डाइक को हमेशा तराजू की एक जोड़ी लिए हुए दिखाया जाता था और ऐसा माना जाता था कि वह मानवीय कानून पर शासन करती थीं।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से मिला चैंबर का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

रांची(ईएमएस)।फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नवनिर्वाचित कार्यसमिति के सदस्यों ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की।इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के आर्थिक विकास, औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन के मुद्दे पर राज्यपाल के साथ चर्चा की।चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने राज्यपाल को ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में नये उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि की आसान उपलब्धता की आवश्यकता की ओर राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट कराया गया। बीमार होते उद्योगों के रिवाइवल के लिए केंद्र सरकार के स्तर से आवश्यक हस्तक्षेप करने की बात कही गई है।इसके आलावा प्रदेश की विधि व्यवस्था में मजबूती के लिए ठोस पहल करने, एचईसी के जीर्णोद्धार के लिए केंद्र सरकार से समन्वय बनाकर हस्तक्षेप कराने की पहल करने की मांग की गई।मतगणना का कार्य पंडरा कृषि मंडी की दुकानों की जगह किसी अन्य वैकल्पिक स्थान पर किये जाने का आग्रह किया गया।प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष ज्योति कुमारी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलंग, कार्यकारिणी सदस्य राम बांगड, प्रवीण लोहिया, संजय अखौरी, सुनिल सरावगी, डॉ. अभिषेक रामाधीन, अनिल अग्रवाल, साहित्य पवन, नवीन अग्रवाल, शैलेष अग्रवाल, आस्था किरण और पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा शामिल थे।

लातेहार में नल जल योजना का कार्य अधूरा, नहीं मिल रहा पेयजल

लातेहार(ईएमएस)।लातेहार जिले के गारू प्रखंड में हर घर नल जल योजना की स्थिति बेहद दयनीय है। प्रखंड के सभी छह पंचायतों में इस योजना का कार्य अधूरा है, जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल नहीं मिल रहा है।ग्रामीणों ने मायापुर और बारेसांढ़ पंचायत में आधा अधूरा तथा बेहद घटिया कार्य करने का आरोप संवेदक पर लगाया है। कलेश्वर राम, कमलेश यादव व दीपक यादव ने बताया कि योजना के दूसरे फेज के सर्वे के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता गांव आए थे। उस दौरान शिकायत की गई थी।इसके बावजूद कार्य में कोई सुधार नहीं किया गया।बारेसांढ़ पंचायत के डेढ़गांव में कई घरों तक नल नहीं पहुंचाया गया है। तेनटांड़ और ललमटिया में सोलर टंकी हाथी का दांत साबित हो रहा है।पूछे जाने पर विभागीय अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाते हैं।पीएचईडी के कनीय अभियंता राहुल कुमार ने योजना में अनियमितता के बाबत पूछे जाने पर कहा कि अगर कोई समस्या है तो लिखित शिकायत करें। तुरंत कार्रवाई करेंगे और समस्या का समाधान करेंगे।

जमीनी स्तर पर मतदाताओं को करें जागरूक : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

धनबाद(ईएमएस)।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने स्वीप (सिस्टेमैटिक वोटर एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) कोषांग की समीक्षा की।उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए हाउस टू हाउस स्वीप एक्टिविटी का आयोजन कर जमीनी स्तर पर मतदाताओं को जागरूक करें।लोकसभा चुनाव में जहां कम मतदान हुआ हैं, वहां विशेष ध्यान दें।नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने के लिए हैप्पी स्ट्रीट, दीपावली महोत्सव, हाफ मैराथन, मशाल जुलूस, फूड फेस्टिवल, मानव श्रृंखला, रैली आदि का आयोजन किया जाएगा।

रामगढ़ में गबन के मामले में सहायक शिक्षिका निलंबित

रामगढ़(ईएमएस)।भुरकुंडा बालिका उच्च विद्यालय की सहायक शिक्षिका रेणु कुमारी के प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर किए गए कार्यों के विरुद्ध प्राप्त शिकायत जांच में सही पाए जाने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया है। साथ ही गबन की राशि 28410 रुपये की वसूली शिक्षिका से की जाएगी। निलंबन अवधि का वेतन देय नहीं होगा।संख्यात्मक रूप से एक वार्षिक वेतन वृद्धि अवरोध रहेगी।इससे पहले अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी के जांच प्रतिवेदन को जिला शिक्षा स्थापना समिति की 4 सितंबर 2023 की बैठक में निर्णय लेने के लिए प्रस्तुत किया गया था। इसके आधार पर समिति द्वारा आदेश पारित किया गया कि रेणु तत्कालीन प्रभारी प्रधानाध्यापक सह शिक्षिका को विभागीय कार्रवाई के अधीन रखते हुए उनके विरुद्ध प्रपत्र क गठित किया जाए।जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय द्वारा प्रपत्र गठित करते हुए आरोपों की बिंदुवार जांच करने के लिए जांच पदाधिकारी नियुक्त किया गया।जांच पदाधिकारी ने अपने जांच प्रतिवेदन में स्पष्ट किया कि रेणु तत्कालीन प्रभारी प्रधानाध्यपीका सह शिक्षिका, बालिका उच्च विद्यालय, भुरकुंडा, रामगढ़ के विरुद्ध सभी आरोप सही है। 21 मई को हुई जिला स्थापना समिति की बैठक में रेणु को निलंबित करने का आदेश पारित किया गया।समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि शिक्षिका के ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी रामगढ़ से जांच कराकर साक्ष्य सहित स्पष्ट जांच प्रतिवेदन से जिला शिक्षा स्थापना समिति को संसुचित किया जाए।

प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक शुक्रवार को, उम्मीदवारों के चयन पर होगी चर्चा

रांची(ईएमएस)।झारखंड प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक 18 अक्टूबर को आहूत की गई है।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पूरी मजबूत नींव के साथ तैयारी प्रारंभ कर चुकी है और जीत की दिशा में आगे बढ़ने के लिए शुक्रवार को प्रदेश के विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार चयन हेतु चुनाव समिति की बैठक प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में बुलाई गई है।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर उलाका, सीरीबेला प्रसाद,स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष गिरीश चोडनकर,प्रकाश जोशी,पूनम पासवान वरीय पर्यवेक्षक सांसद तारीक अनवर,अधीर रंजन चौधरी,भट्टी विक्रमार्का मल्लू, वरीय कोऑर्डिनेटर बी के हरिप्रसाद,मोहन मारकम सहित चुनाव समिति के सभी सदस्य भाग लेंगे। बैठक में सभी विधानसभा से प्राप्त आवेदनों के आधार पर उम्मीदवारों की समीक्षा कर सभी सदस्यों का मंतव्य लेकर सूची बनाई जाएगी।इसके पश्चात शीर्ष नेतृत्व की सहमति हेतु प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

मुड़मा जतरा को लेकर तैयारी पूरी एनएच 39 का रूट डायवर्ट

रांची(ईएमएस)।रांची जिले के मांडर स्थित मुड़मा में 18 और 19 अक्टूबर को लगने वाले दो दिवसीय मुड़मा जतरा को लेकर तैयारी पूरी कर ली गयी है।वहीं एनएच 39 से आने जाने वालों के लिए प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर रूट डायवर्ट कर दिया है।रांची जाने वाले मांडर से बुढ़मू ठाकूरगाँव होते हुए काँठीटांड़ होते हुए जा सकते हैं।वहीं आनेवाले लोग नगड़ी से बेड़ो टाँगरबसली होते हुए मांडर आ सकते हैं। रूट डायवर्ट का मैप जारी कर दिया गया है। वहीं मेला में निगरानी को लेकर 9 वॉच टावर सहित 15 सीसीटीवी लगाया गया है।सुरक्षा को लेकर लगभग 500 की संख्या में पुलिस बल तैनात है। वहीं संभावना है कि 18 अक्टूबर को 3 बजे उद्घाटन समारोह में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल हो सकते हैं।

पाञ्चजन्य के संपादक के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी हाईकोर्ट ने की निरस्त

रांची : पांञ्चजन्य साप्ताहिक पत्रिका के संपादक हितेश शंकर एवं पत्रकार अरुण कुमार सिंह को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. हाइकोर्ट की एकल पीठ ने हितेश शंकर, पत्रकार अरुण कुमार सिंह एवंइस आर्टिकल को व्हाट्सएप पर प्रसारित करने वाले रामप्रवेश के खिलाफ लातेहार के महुआटंड में दर्ज प्राथमिकी 88/2022 को निरस्त कर दिया. आरोप था कि इनके द्वारा चर्च के खिलाफ एक्टिविटीज से संबंधित एक लेख पांञ्चजन्य में प्रकाशित किया गया था. मामले को लेकर संत जोसेफ स्कूल, महुआटंड के प्रिंसिपल एवं फादर दिलीप टोप्पो ने प्राथमिक की दर्ज कराई थी. उनकी ओर से दर्ज प्राथमिकी में कहा गया था कि इस आर्टिकल के माध्यम से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की कोशिश की गई है और लोगों के बीच उनकी छवि को खराब करने का प्रयास किया गया है.

ऊर्जा विभाग के पुनर्गठन के बाद अफसरों के कार्यों का हुआ बंटवारा

रांची : ऊर्जा विभाग का पुनर्गठन, विभिन्न नए प्रमंडल और पदों के सृजन के बाद अफसरों के कार्यों का बंटवारा कर दिया गया है. इसको लेकर ऊर्जा विभाग ने बीते 14 अक्टूबर को अधिसूचना जारी दिया.

कौन क्या कार्य करेंगे

अभियंता प्रमुख : अभिंयता प्रमुख, ऊर्जा विभाग का कार्य एवं शक्तियां झारखंड लोक निर्माण संहिता पीडब्लूडी कोड में निहित प्रावधानों एवं राज्य के अन्य कार्य विभागों के अनुरूप होगी. अभियंता प्रमुख, मुख्य अभियंता एवं मुख्य विद्युत निरीक्षक, ऊर्जा विभाग के कार्यों के निरीक्षण, पर्यवेक्षक एवं क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी होंगे. इनके द्वारा ऊर्जा विभाग के अंतगर्त कार्यरत सभी इकाईयां जैसे टीवीएनएल, विद्युत नियमों, ज्रेडा आदि से संबंधित नीति निर्धारण, विद्युत नियमों के अनुपालन में विभाग को तकनीकी परामर्श प्रदान करेंगे. इसके साथ ही सीईए रेगुलेशन के तहत 132 केवी क्षमता से अधिक एवं 50 एमवीए से अधिक क्षमता के विद्युत अधिष्ठापनों का निरीक्षण कार्य किया जाएगा.

मुख्य विद्युत निरीक्षक : विद्युत निरीक्षालय एवं उससे संबंधित कार्यों का निरीक्षण एवं क्रियान्वयन उत्तरदायी होंगे. मुख्य विद्युत निरीक्षक विद्युत निरीक्षालयों के प्रमुख होंगे. साथ ही साथ भारतीय विद्युत 2003 की धारा 127 के तहत ऐपीलेंट ऑथोरिटी के रूप में कार्य करेंगे. मुख्य विद्युत निरीक्षक द्वारा विद्युत निरीक्षक कार्यालयों के कार्यों के निरीक्षण एवं क्रियाकलापों के लिए उत्तरदायी होंगे. विद्युत निरीक्षक कार्यालय में पदास्थापित सहायक विद्युत निरीक्षकों के कार्य क्षेत्र का आवंटन विद्युत निरीक्षक के परामर्श से मुख्य विद्युत निरीक्षक द्वारा किया जाएगा.

मुख्य विद्युत अभियंता : मुख्य विद्युत अभियंता का पद मुख्य विद्युत निरीक्षक के पद से अलग होने के बाद विद्युत कार्य विभाग के लिए निर्धारित रहेगा. मुख्य विद्युत अभियंता सह मुख्य विद्युत निरीक्षक के सचिव (प्रावैधिक) का पद भी मुख्य अभियंता के सचिव (प्रावैधिक)के रूप में विद्युत कार्य विभाग के अंतर्गत होगा. ये पीडब्लूडी कोड एवं समय-समय पर निर्गत अधिसूचनाओं के अनुरूप विद्युत कार्य विभाग के संचालन एवं कार्यों के निर्वहन के लिए उत्तरदायी होंगे.

एसओआर सेल : यह सेल एसओआर सेल के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करेगा. अपने सभी अनुशंसा मुख्य अभियंता को भेजेंगे. यह सेल मुख्य विद्युत अभियंता के अधीन होगा. इससे संबंधित सभी वेतन एवं निकासी मुख्य विद्युत अभियंता कार्यालय से किया जाएगा.

विद्युत लाईसेंसिंग बोर्ड : विद्युत लाइसेंसिंग बोर्ड मुख्य विद्युत निरीक्षक, विद्युत निरीक्षालय के अधीन रहेंगे एवं इससे संबंधित वेतन एवं निकासी मुख्य विद्युत निरीक्षक कार्यालय से किया जाएगा. यह बोर्ड विद्युत निरीक्षणालय के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय होगा.

झारखंड में भी बढ़ रही लॉरेंस बिश्नोई गैंग की सक्रियता 27 सितंबर को लातेहार से गिरफ्तार हुए थे दो लोग

रांची : झारखंड में भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग की सक्रियता बढ़ रही है. इस बात की पुष्टि तब हुई जब बीते 27 सितंबर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हरियाणा के रहने वाले दो शार्प शूटर लातेहार में एक समाजसेवी की हत्या करने पहुंचे थे. हालांकि घटना को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया था. पकड़े गये अपराधियों में अश्विनी कुमार, प्रिंस कुमार, चंदवा के उमेश कुमार सिंह और सर्विस कुमार यादव शामिल हैं. पूछताछ में प्रिंस कुमार ने बताया है कि वह तिहाड़ जेल में बंद हशिम बाबा के कहने पर झारखंड आया था. बता दें कि अश्विनी और प्रिंस गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करता है.

रोहित, गोल्डी और संपत के जरिये लॉरेंस के संपर्क में आया था सुनील मीणा

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा सुनील मीणा को गिरफ्तार करना झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है. सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के घडसाना के नयी मंडी का रहने वाला है. सुनील लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है. जब वह वर्क वीजा पर भारत से मलेशिया गया था, तब वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और संपत नेहरा के जरिये लॉरेंस के संपर्क में आया था. इसके बाद सुनील मीणा मलेशिया से ही अपराध की दुनिया में अपनी जड़े जमाने लगा.

अमन साहू गैंग से भी जुड़ा है सुनील मीणा, झारखंड में दिला रहा घटना को अंजाम

सुनील मीणा लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अलावा झारखंड के डॉन अमन साहू के राइट हैंड माने जाने वाले मयंक सिंह से भी जुड़ा है. वह यहां भी आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलाने में लगा है. अमन साहू गैंग के इशारे पर सुनील मीणा ने ही झारखंड में कोल ट्रांसपोर्ट कर रही छत्तीसगढ़ की आरकेटीसी कंपनी के कोरबा स्थित ऑफिस में अधिकारियों पर फायरिंग करायी थी. सुनील मीणा ने इस कंपनी के डायरेक्टर सुशील सिंघल की हत्या के नियत से रायपुर स्थित कंपनी के हेड ऑफिस पर फायरिंग करावायी थी.

स्पीकर के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई पूरी

रांची : स्पीकर सह नाला विधायक रवींद्र नाथ महतो के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर गुरुवार को बहस पूरी हो गई. इसके बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया. बताते चलें कि यह याचिका संतोष हेंब्रम से दाखिल की थी. प्रार्थी की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान रवींद्रनाथ महतो ने पंपलेट के जरिए दुष्प्रचार किया, जिससे मेरे जनाधार पर असर पड़ा. इस कारण रवींद्रनाथ महतो का निर्वाचन रद्द किया जाना चाहिए. इस मामले में स्पीकर सह नाला विधायक रवींद्रनाथ महतो की ओर से 12 लोगों की गवाही हुई. जबकि प्रार्थी की ओर से तीन लोगों की गवाही हुई. रवींद्र नाथ महतो की ओर से अधिवक्ता अरविंद लाल और अनिल कुमार ने बहस की. वहीं प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता मुकेश कुमार दूबे ने पैरवी की.

प्रेमिका के लिए पति ने अपने पुत्र की हत्या की, 24 घंटे में प्रेमिका के साथ गिरफ्तार

पलामू(ईएमएस)।जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक पिता ने अपनी प्रेमिका के लिए अपने जवान बेटे को दर्दनाक मौत दे दी। बेटा पिता और प्रेमिका के बीच रोड़ा बन रहा था। इसी वजह से पिता ने भाड़े के अपराधियों के साथ मिलकर जवान बेटे की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। साथ ही शव को निर्माणाधीन मकान में फेंक दिया। दरअसल, 15 अक्टूबर को पलामू के सतबरवा थाना क्षेत्र के खामडीह के पुरनाडीह में सकेन्द्र साव नामक युवक का खून से लथपथ शव मिला था। शव मिलने के बाद पिता लाश के पास बैठकर घंटों रोता रहा। पूरे मामले की पुलिस ने जांच शुरू की। सकेन्द्र की मां ने अपने पति पर हत्या का शक जताया। पुलिस ने पूरे मामले में कई बिंदुओं पर जांच करने के बाद सकेन्द्र की हत्या के आरोप में सकेंद्र के पिता सरेश साव और उसकी प्रेमिका बेबी देवी को गिरफ्तार कर लिया।मेदिनीनगर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि सरेश और बेबी के बीच प्रेम संबंध था। इस संबंध की जानकारी सरेश के बेटे सकेन्द्र को थी। बेटा लगातार प्रेम संबंध का विरोध कर रहा था। प्रेम संबंध के कारण बेटे और पिता के बीच लगातार कहासुनी होती रहती थी। एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि प्रेम प्रसंग के कारण बेटे की हत्या की साजिश पिता ने नहीं रची थी। घटना के दिन पिता अपने साथ कुछ अन्य अपराधियों को लेकर गया। जहां उसका बेटा अपने निर्माणाधीन मकान में सो रहा था। इसी दौरान सुरेश उस स्थान पर गया और कुल्हाड़ी से वार कर बेटे की हत्या कर दी। वहीं घटना की सुबह शव मिलने के बाद सरेश अपने बेटे के शव के पास बैठकर घंटों रोता भी रहा।पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू की और खोजी कुत्तों का भी सहारा लिया। इसके बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में पिता और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार्रवाई में सतबरवा थाना प्रभारी अंचित कुमार समेत कई पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

उन्नीस अक्टूबर को रांची में कांग्रेस करेगी संविधान बचाओ सम्मेलन

राहुल गांधी होंगे शामिल

रांची(ईएमएस)।लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा 19 अक्टूबर को जैप वन,डोरंडा के शौर्य सभागार में सिविल सोसाइटी सहित समाज के सभी वर्गों के साथ संविधान बचाओ सम्मेलन के माध्यम से संवाद किया जाना है। इस कार्यक्रम की तैयारी के संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने विस्तृत जानकारी गुरुवार को रांची पहुंचने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव से प्राप्त की। तत्पश्चात कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने हेतु कार्यक्रम स्थल का दौरा कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।इस अवसर पर निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने समाज के आम लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। केंद्र में सत्तासीन ताकतें संविधान के द्वारा मिले आम लोगों के अधिकारों को छिनने का प्रयास कर रही है।दबे-कुचले,पिछड़े,दलित, अल्पसंख्यक अपने अधिकारों के प्रति वर्तमान केंद्र सरकार के रवैये सशंकित हैं। हमारा कर्तव्य है कि संविधान बचाने की लड़ाई कि इस मुहिम का हम एक मजबूत स्तंभ बने। आज पूरे देश में संविधान बचाओ सम्मेलन की मुहिम गैर राजनीतिक लोगों द्वारा चलाई जा रही है,इस लड़ाई का हिस्सा हमें बनना पड़ेगा। आज जिस तरह से संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है खुलेआम संविधान बदलने की बात भाजपा नेताओं द्वारा की जा रही है उससे लगता है कि अपनी इस मंशा को पूरा करने के लिए भाजपा लोगों के बीच वे वैमनस्यताय बढ़ाने की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

ओबीसी आरक्षण 27 से घटाकर 14% किया गयाः सूरज मंडल

रांची : झारखंड स्वशासी परिषद (जैक) के पूर्व उपाध्यक्ष एवं झारखंड मज़दूर मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. सूरज मंडल ने कहा है कि जयपाल सिंह मुंडा के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन शुरू हुआ था. यह आंदोलन इसलिए असफल रहा क्योंकि बिहार के नेता झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों को आपस में लड़वाते रहे, फूट डालने एवं उसका फायदा उठाने के लिए हमेशा ही साजिश रचते थे. ये बातें गुरुवार को प्रेस क्लब में मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन को नये सिरे से शुरू किया जाएगा. इसके लिए सभी झारखंड आदोलन कारियों को एकजुट किया जाएगा. इसके लिए पांच प्रमंडल में बैठक आयोजित किये जाएंगे.

24 में 19 साल आदिवासियों का ही शासन रहा

झारखंड गठन के बाद ओबीसी का आरक्षण 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया गया. जबकि अनुसूचित जनजाति का आरक्षण 14 प्रतिशत से बढा कर 27 प्रतिशत कर दिया गया. पिछले पांच साल में झारखंड के संसाधनों की लूट मची है. झारखंड में पिछले 24 साल में से 19 साल आदिवासियों का ही शासन रहा. ओबीसी और मूलवासियों की हक़मारी हुई है. झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा वैसे उम्मीदवारों को अपना समर्थन देगा, जो आंदोलनकारी रहे हैं.

पांच दिनों तक पांचों प्रमंडल में होगी बैठक

झारखंड आंदोलन कारी रहे प्रभाकर तिर्की ने कहा कि उच्च स्तरीय समिति का गठन कर लिया गया है. झारखंड के पांचों प्रमंडल में अलग अलग स्थानों पर बैठक की जाएगी.जो लगातार पांच दिनों तक चलती रहेगी. 20 से 24 अक्टूबर तक बैठक में अहम फैसले लिए जाएंगे. यह विधानसभा चुनाव झारखंड का वैसा चुनाव होगा. जो राज्य को निर्णायक दिशा और गति देने का काम करेगा. झारखंड के पुराने आंदोलनकारियों को एकजुट किया जाएगा.

उच्च स्तरीय समिति में ये हुए शामिल

सूरज मंडल, बहादुर उरांव, विनोद कुमार भगत, शफ़ीक़ आलम, जुबैर आलम, अब्दुल कलाम, अब्दुल खालिक, जयश्री दास, मानव घोष, सुखदेव, हेमराम, रामजी भगत, किनू हेमरोम, सुरेन्द्र राज, प्रभाकर तिर्की, पुष्कर महतो, ज्योतिष तिर्की एवं रवि नंदी शामिल हैं.

कांग्रेस का घोषणा पत्र तैयार

सहयोगी दलों-शीर्ष नेतृत्व से चर्चा कर की जाएगी जारी

रांची : प्रदेश कांग्रेस का विधानसभा चुनावी घोषणा पत्र तैयार कर लिया गया. अब इसे सहयोगी दलों के साथ चर्चा की जाएगी ताकि सहयोगी दलों के घोषणा पत्र में एकरूपता बनी रहे. इसके बाद शीर्ष नेतृत्व से चर्चा कर अंतिम रूप देने के बाद तिथि तय कर घोषणा पत्र जारी किया जाएगा. यह बातें प्रदेश मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक के दौरान चेयरमैन बंधु तिर्की ने दी. उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि चुनाव में हमारे घोषणा पत्र और सहयोगी दलों के घोषणा पत्र में एकरूपता हो इसके लिए सहयोगी दलों से घोषणा पत्र पर चर्चा की जाएगी ताकि हम समान मुद्दों को लेकर जनता के पास जाएं. कांग्रेस के घोषणा पत्र में झारखंडी भावना को समावेश करने का प्रयास किया गया है. यहां के विरासत,सभ्यता, संस्कृति,जल-जंगल,जमीन हमारे घोषणा पत्र का मूल आधार है. झारखंड में दशकों से रहने वाले लोगों के विकास के लिए रास्ते तय करने की प्राथमिकता घोषणा पत्र में की गई है हमने सभी समुदाय,भाषा भाषाई को ध्यान में रखकर झारखंड की समृद्धि के लिए घोषणा पत्र तैयार किया है.

सर्वजन हिताय मूल मंत्र रहेगा घोषण पत्र का

बैठक की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि बैठक में पूरे प्रदेश की आम जनता,सिविल सोसाइटी,समाज के प्रबुद्ध वर्ग, युवा,छात्र संगठन के लोगों से चौपाल लगाकर किये गए परामर्श के अनुसार तैयार मेनिफेस्टो के प्रारूप के प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई. आम जनता का निहितार्थ तैयार मेनिफेस्टो पर गहन चर्चा के पश्चात कुछ अन्य प्रमुख मुद्दों को शामिल करने का निर्णय लिया गया. पूरे प्रदेश से आए सुझावों के आधार पर इस बार का मेनिफेस्टो "सर्वजन हिताय"को सामने रखकर तैयार किया गया है और मुद्दों को समयबद्ध पूरा करने पर बल देने की कोशिश की गई है.

अपनी मां - भाई समेत तीन लोगों को गोली मारने वाला अपराधी गिरफ्तार

पिस्टल व जिन्दा गोली बरामद, आपराधिक घटना को अंजाम देने की बना रहा था योजना

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस ने एक बार फिर से अपराध की घटना कोई अंजाम देने की योजना बना रहे एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अपराधी का नाम रीतलाल यादव उर्फ रीतलाल महतो है जो बिरनी थाना क्षेत्र के भरकट्टा ओपी के पिपराडीह का रहने वाला है। यह वही अपराधी है जिसने चार दिन पूर्व अपने ही घर में अपनी मां - भाई समेत तीन लोगों को गोली मार दी थी।गिरफ्तार अपराधी के पास से

पुलिस ने एक देशी पिस्टल, 7.62 एमएम की एक जिन्दा गोली बरामद किया है। उक्त आशय की जानकारी गिरिडीह के एसपी डॉ. बिमल कुमार ने प्रेसवार्ता कर दी। एसपी श्री कुमार ने बताया गुरुवार की सुबह गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति पिस्टल के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से उद्देश्य उमवि गारागुरो भरकट्टा ओपी (बिरनी) के पास घुम रहा है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु एसडीपीओ बगोदर-सरिया धनंजय राम के नेतृत्व में पुअनि आकाश भारद्वाज थाना प्रभारी बिरनी, बिरजु राम एवं आरक्षी लोदो मुण्डा के साथ एक टीम बनाकर उमवि गारागुरु भेजा गया। पुलिस टीम को देखते ही संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा जिसे पुलिस बल के द्वारा खदेड़ कर पकडा गया। पकडाये व्यक्ति की जब तलाशी ली गई तो उसके पास से एक अवैध पिस्टल तथा पिस्टल में लगी एक मैगजीन से 7.65 एमएम का एक जिन्दा गोली बरामद हुई। पूछताछ के क्रम में यह पता चला की र यह अपराधी बिरनी (भरकट्टा ओपी) कांड सं. 175ध्24 दिनांक 13.10.2024 धारा 115 (2)/117(2) ध्118(1)/118 (2)/126(2), 109/351(2)/352 आर्म्स एक्ट में वांछित अपराधी है।

इस छापेमारी दल में पुअनि आकाश भारद्वाज थाना प्रभारी बिरनी, पुअनि प्रकाश रंजन ओपी प्रभारी भरकट्टा ओपी, आ. 72 बिरजु राम एवं आ 364 लोदो मुण्डा रिजर्व गार्ड भरकट्टा ओपी शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर तैयारियों को लेकर हुई बैठक

हज़ारीबाग। विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के सुगम और शांतिपूर्ण मतदान के लिए जिला प्रशासन तैयारियों को मुक्कमल करने में युद्ध स्तर पर जुट गईं है। इसी क्रम में आज 17 अक्टूबर को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में सभी सीओ, बीडीओ के साथ तैयारियों के बाबत समीक्षा बैठक की गईं।बैठक में उन्होंने कहा कि मतदान की तिथि में ज्यादा समय नहीं इसलिए मतदान दिवस के पूर्व चिन्हित किए गए जिन विद्यालयों में सीएपीएफ की टीम निर्वाचन कार्य को लेकर ठहराव करेगी उन विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं को बहाल किया जाना अतिमहत्वपूर्ण हैं, जिसके अंतर्गत उन्होंने केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानो के लिए आवासन, स्नानागार,शौचालय, बिजली, पंखा, मोबाईल चार्जर शॉकेट, पानी का टैंकर, जेनरेटर एवं भवन मरम्मती कार्य को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंडवार चिन्हित केंद्रों में सभी संबंधित अधिकारीयों को अविलंब भ्रमण कर सुविधाओं का आकलन कर रिर्पोट समर्पित करने को कहा।उपायुक्त ने बल देते हुए कहा कि सभी केंद्रो में आवश्यक सुविधाओ को लेकर जो भी कार्य किए जा रहे है उन्हें तत्काल पूर्ण करें। साथ ही उन्होंने सभी मतदान केंद्रों में एएमएफ सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों में निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक सुविधाओं को पूर्ण किया जाना है। मतदाताओं की सुविधा के लिए व्यवस्थित साइनेज,महिला पुरुष के अलग लाइन,गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों व दिव्यांग मतदाताओं के लिए वॉलिंटियर्स के माध्यम से सुविधा आदि की व्यवस्था की जायेगी। जिन क्षेत्रों में अनूसूचित जनजाति के लोग रहते है उन क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भी मतदान प्रक्रिया में शामिल करने हेतु प्रेरित करने को कहा। साथ वोटर स्लिप का वितरण जल्द से जल्द हो यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारीयों को समन्वय बनाकर प्राथमिकता के साथ कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा निर्देश दिया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद, प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे,सभी सीओ, बीडीओ उपस्थित रहे।

युवा संगम के पांचवे चरण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करें

रांचीः शिक्षा मंत्रालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत लांच किए गए देश के सबसे प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 'युवा संगम' में पंजीकरण कराने के लिए सिर्फ 4 दिन ही बचे हैं। 21 अक्टूबर 2024 तक पंजीकरण स्वीकार किए जाएंगे. देश भर के हजारों युवाओं को अपने राज्य/केन्द्रीय शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जा रहा है, और वे ऐसा कर सकते हैं शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत लांच किए गए एक अनूठे कार्यक्रम 'युवा संगम' के जरिए। यह युवा संगम का पांचवा चरण है और ऑनलाइन पंजीकरण 21 अक्टूबर 2024 तक खुला है। 18 से 30 वर्ष के आयु वर्ग के इच्छुक युवा अंतिम तारीख से पहले युवा संगम पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं; इन उम्मीदवारों में मुख्यतः विद्यार्थी, एनएसएस/एनवायकेएस वॉलंटियर, नौकरी/स्वरोजगार करने वाले आदि युवा ही शामिल हो सकते हैं। ऑफ-कैम्पस विद्यार्थियों से भी पंजीकरण करने का आग्रह किया जाता है जिन्होंने ऑनलाइन कोर्स, कौशल संस्थान आदि में दाखिला लिया है। विद्यार्थियों एवं युवा पेशेवरों के लिए यह बहुत उत्साहजनक अवसर है। इस 5-7 दिनों की परिवर्तनकारी यात्रा में वे अपने देश, देश के लोगों और यहां तक की खुद अपने बारे में भी बहुत कुछ नया जानेंगे व सीखेंगे।

बी एस एल के सतर्कता विभाग के द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान -2024 के अन्तर्गत स्कूली छात्रों के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो : सतर्कता विभाग के तीन माह के सतर्कता जागरूकता अभियान -2024 के अन्तर्गत आज 17 अक्टूबर को बी एस एल के सी एस आर विभाग के सौजन्य से महिला समिति के द्वारा संचालित स्कूल बाल मंदिर, कोआपरेटिव कॉलोनी के कुल 127 छात्रों के बीच एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं ए सी वी ओ श्री ज्ञानेश झा के साथ सतर्कता विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री शनि रंजन, श्री अंजनी कुमार सिंह , श्री दिव्यांशु पंत तथा बी एस एल के सी एस आर विभाग के वरीय प्रबंधक श्री नीरज कुमार त्रिपाठी उपस्थित थे. आज स्कूली छात्रों के बीच आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनके प्रारंभिक शिक्षा में नैतिक मूल्यों और अखंडता को विकसित करने के लिए जागरूकता फैलाना था. कार्यक्रम में प्री-नर्सरी से कक्षा 5 तक के छात्रों के लिए "राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति" विषय पर ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. कार्यक्रम के विजेताओं को दिनाँक 02.11.2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा. कार्यक्रम का सञ्चालन तथा धन्यवाद ज्ञापन बाल मंदिर स्कूल की प्रभारी श्रीमती नीतू , सहायक प्रभारी श्रीमती आशा राज मिश्रा एवं स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती सविता कुमारी के द्वारा किया गया.

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विशेष मतदाता जागरूकता कैंपेन चलाने के संबंध में की गई चर्चा

मतदाता जागरूकता से संबंधित विडियो, रील्स, पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, वाद-विवाद, मेहंदी प्रतियोगिता, फूड फेस्टिवल आदि कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को किया जाएगा जागरूक

गिरिडीहः- आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी, श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने स्वीप एक्टिविटी को लेकर स्वीप कोषांग की टीम/डिस्ट्रिक्ट आइकॉन व सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स के साथ अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में बैठक आयोजित की। इस दौरान चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए गिरिडीह जिले में जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर विशेष बल दिया गया। इसमें मुख्य रूप से स्वीप के तहत संचालित मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही स्वीप कोषांग द्वारा तैयार की गई कैलेंडर के अनुसार स्वीप एक्टिविटी करने के निर्देश दिए गए। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिला अंतर्गत विभिन्न प्रभावशाली माध्यमों से मतदाता जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। वर्तमान समय में सोशल मीडिया आमजनों तक पहुंचने का एक प्रभावशाली माध्यम है, ऐसे में जिले के सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स की भूमिका अहम है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म यथा फेसबुक, X, यूट्यूब एवं इंस्टाग्राम माध्यमों से मतदाताओं से सम्पर्क स्थापित कर उन्हें अपने मताधिकार के पूर्ण प्रयोग हेतु प्रेरित किया जाएगा ताकि हर एक मतदाता जागरूक दृष्टिकोण अपनाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। साथ ही मतदाता जागरूकता से संबंधित वीडियो, रील्स, पोस्टर एवं गीत के माध्यम से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित कर मतदाताओं को शिक्षित करने के प्रयास किये जाएंगे, इससे मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी होगी और एक सशक्त लोकतंत्र की ओर हमारा सक्रिय प्रयास सफल होगा। साथ ही लक्षित मतदाताओं तक पहुंच बनाने हेतु आवश्यक एवं प्रभावशाली प्रयास किए जाने के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान उप विकास आयुक्त, श्री स्मृता कुमारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, श्रीमती स्नेह कश्यप, उप निर्वाचन पदाधिकारी, श्री रंथु महतों, जिला कोषागार पदाधिकारी, श्री अनंत मिश्रा, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर, श्री सुमन कुमार, स्वीप कोषांग की पूरी टीम, निर्वाचन शाखा के अधिकारी, गोपनीय शाखा के अधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अपनी सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाने पर विवाद , हुई मारपीट

भागलपुर : भागलपुर विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र अंतर्गत साहेबगंज में अपनी सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाने पर पड़ोसीयों से जमकर विवाद हो गया है, मामला मारपीट से लेकर थाने तक पहुंच गया है ,मामला विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के साहेबगंज का है। जहां साहेबगंज के विभाष यादव अपने घरों में अपनी सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी कैमरा लगाया जहां पड़ोसी कृष्ण मोहन आजाद, राजकुमार भारती, विक्की कुमार,छोटू यादव ने सीसीटीवी कैमरा लगाने का विरोध किया, बाबजूद विभाष यादव द्वारा सीसीटीवी कैमरा लगाये जाने पर कृष्ण मोहन आजाद,राजकुमार भारती, विक्की कुमार,छोटू यादव सहित अन्य परिजनों ने मिलकर विभाष यादव एवं उनके पत्नी के साथ जमकर मारपीट किया, वहीं मारपीट के बाद विभाष यादव का आरोप है कि कृष्ण मोहन आजाद, राजकुमार भारती, विक्की कुमार,छोटू यादव सहित दस अज्ञात लोग दूसरे दिन देर शाम विभाष यादव के घर पहुंच कर विभाष यादव के घर में घूसकर जान मारने की धमकी दिया कुछ सामान भी लेकर चला गया।इस तरह का आरोप विभाष यादव ने पडोसीयों पर लगाया है। जबकि सारे वारदात की घटना सीसीटीवी कैमरा में कैद है। वहीं विभाष यादव ने कहा कि सीसीटीवी कैमरा लगाने का विरोध इसलिए है कि उपरोक्त सभी लोग हथियार और गांजा का तस्करी किया करता है इसलिए सभी लोग सीसीटीवी कैमरे का विरोध करता है। वहीं विश्वविद्यालय थाना जानकर बना अनजान कार्रवाई के नाम पर थाना लीपापोती कर रही है।

विश्व हिन्दू परिषद ने मनाया महाकाव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि जयंती

रामगढ़। विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ जिला कार्यालय में बृहस्पतिवार को महाकाव्य रामायण के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गयी। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया।सभी ने महर्षि वाल्मीकि के बताए पथ पर चलने का संकल्प लिया। बौद्धिक कर्ता विश्व हिन्दू परिषद के जिला मंत्री छोटू वर्मा ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि किसी एक जाति के नहीं, बल्कि संपूर्ण हिंदू समाज के लिए श्रद्धा के केंद्र हैं। विश्व हिंदू परिषद किसी धर्म या संप्रदाय के विरुद्ध नहीं है, परंतु संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करने के प्रति कृत संकल्पित है। समाज में व्याप्त भेदभाव, छुआ-छूत और उच्च-नीच जैसी कुरीतियों को समाप्त कर संगठित और सशक्त समाज का निर्माण करने के लिए प्रयासरत है। विषमता इतनी विचित्र हो गई है कि हमने अपने संतों को, देवों को सबको बांट लिया। वाल्मीकि जयंती केवल वाल्मीकि बस्ती में ही क्यों हो? भगवान वाल्मीकि जी ने रामायण तो पूरे हिन्दू समाज के लिए लिखी है इसलिए वाल्मीकि और रविदास जयंती सब मिलकर मनाएं। सारे पर्व, त्योहार पूरा हिंदू समाज मिलकर मनाएं। दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका अनामिका श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान राम को भगवान बनाने वाले, जनसामान्य से परिचित कराने वाले, उनकी कलाओं और दैवीय शक्तियों से हम सब को रूबरू कराने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान तथा परमपिता परमात्मा के रूप में पहचान कराने वाले महर्षि वाल्मीकि हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत और हिंदू समाज के मुकुट हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जयंती, प्रकाश उत्सव पर सभी हिंदू समाज को उनके दिखाए और बनाए रास्ते पर चलने का संकल्प लेना होगा। संगठन और समाज को एकता के सूत्र में बांधना होगा।करुणा को धर्म का एक पैर माना जाता है। इसके बिना मनुष्य का ज्ञान, तपस्या किसी काम की नहीं होता है। महर्षि वाल्मीकि के मुख से जो श्लोक प्रकट हुए, उनको भी नहीं पता था। महर्षि वाल्मीकि ने भगवान राम को बताने के लिए रामायण की रचना कर दी। शस्त्र-शास्त्र की शिक्षा वाल्मीकि आश्रम में लवकुश को मिली। इस कार्यक्रम मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष रमा शर्मा, जिला मिलन केंद्र प्रमुख संतोष सिंह, दुर्गा वाहिनी जिला सह संयोजिका गीता मेहता,संजू प्रसाद, मुस्कान कुमारी , प्रियंका कुमारी, गीता कुमारी, संजना कुमारी, खुशी कुमारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

एचडीएफसी बैंक ने इलेक्ट्रिक वाहन एक्सपो का किया आयोजन

रांचीः एचडीएफसी बैंक ने रेडियो ऑरेंज के सहयोग से रांची में एक बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक वाहन एक्सपो का आयोजन किया जिसमें बजाज चेतक, ओला, एथर, टी.वी.एस., एम्पीयर और क्वांटम जैसे ब्रांडों ने अपने वाहनों के साथ भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रणामी समूह के संस्थापक और प्रमोटर बिजय कुमार अग्रवाल ने ग्राहकों और मीडिया की उपस्थिति में एचडीएफसी बैंक के जोनल प्रमुख कुमार अभिषेक और पर्यावरण विशेषज्ञ रणविजय रॉय के साथ किया। ग्राहकों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के बारे में शिक्षित करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा पर सत्र भी आयोजित किया गया। विजय कुमार ने कहा कि यह बैंक की एक शानदार पहल है और यह युवाओं और पर्यावरण के अनुकूल लोगों को प्रेरित करेगी।

मतदाता जागरूकता हेतु इंडोर स्टेडियम, गिरिडीह में एकदिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन

जिला निर्वाचन पदाधिकारी, श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने एकदिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया

युवा मतदाताओं को मतदान के महत्व, निर्वाचन प्रणाली, वोटर हेल्प लाइन ऐप, 1950, सुविधा ऐप, सी-विजिल ऐप व निर्वाचन से संबंधित अन्य जानकारियां साझा की गई

गिरिडीहः झारखंड विधानसभा निर्वाचन-2024 में मतदाता भागीदारी बढ़ाने, नैतिक मतदान एवं निर्वाचन संबंधी जागरूकता संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज मतदाता जागरूकता हेतु इंडोर स्टेडियम, गिरिडीह में एकदिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी, श्री नमन प्रियेश लकड़ा ने एकदिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। बैडमिंटन टूर्नामेंट में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारीगण/अधिकारी/कर्मी/खिलाड़ी, प्रेस के बंधु आदि शामिल हुए। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मीडिया बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य युवा मतदाताओं को जागरूक करना तथा उन्हें मतदान के महत्व, निर्वाचन प्रणाली, वोटर हेल्प लाइन ऐप, 1950, सुविधा ऐप, सी-विजिल ऐप व निर्वाचन से संबंधित अन्य जानकारी उपलब्ध कराना है। साथ ही सभी लोगों से लोकतंत्र के महापर्व विधानसभा चुनाव में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की गई। उपायुक्त ने कहा कि खेल को पूरा आनंद के साथ खेले और इसी सकारात्मक ऊर्जा के साथ लोकतंत्र के पर्व में हिस्सा लें और बढ़ चढ़ कर योगदान दें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में कोषांगो के द्वारा किए जा रहे कार्यों की हुई समीक्षा

गिरिडीहः समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी, श्री नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में विधानसभा चुनाव 2024 के निमित गठित किए गए सभी कोषांग के कार्यों के अलावा अन्य बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक समीक्षा किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने समीक्षा करते हुए सभी कोषांगों के कार्यों की जानकारी लेते हुए प्रतिनियुक्त किए गए पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अपने कर्तव्यों का जिम्मेवारीपूर्वक निर्वहन करें। निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। साथ ही कलस्टर, मतदान केन्द्रवार मूलभत सुविधाएं (AMF), मतदान केन्द्रवार रूट चार्ट/मैप, वाहनों की उपलब्धता, कम्युनिकेशन प्लान, मतदान कर्मियों की रहने की सुविधा से जुड़े बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में सी विजिल कोषांग, ट्रेनिंग कोषांग, मीडिया कोषांग, स्वीप कोषांग, एमसीसी, एमसीएमसी, लॉ एंड ऑर्डर, कंप्लेन मॉनिटरिंग सेल, इलेक्शन एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग सेल, आईटी सेल, पोस्टल बैलट, मेटेरियल डिस्ट्रीब्यूशन सेल, कंट्रोल रूम व हेल्पलाइन सेल, ऑब्जर्वर सेल, ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सेल, स्ट्रॉंग रूम आदि कोषांगों के संबंधित नोडल ऑफिसर से किए जा रह कार्यों की जानकारी ली। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग से उनके कोषांग से संबंधित जारी किए गए मैन्युअल को अच्छी तरह से पढ़ लेने एवं कार्यों के दौरान निर्वाचन आयोग से जारी सभी दिशा निर्देशों के अनुपालन का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सभी अधिकारियों को किसी भी प्रकार की कोई दुविधा होने पर अपने वरीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने के उपरांत ही कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतपत्र कोषांग के वरीय एवं प्रभारी पदाधिकारियों को लोकसभा आम निर्वाचन के दौरान मत पत्र के माध्यम से किए जाने वाले मतदान एवं इस दौरान ध्यान देने योग्य सभी जानकारियां सही तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मियों को देने एवं सभी विधानसभा चुनाव के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग करने के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने विधानसभा चुनाव 2024 के तहत सभी चुनावी प्रक्रियाओं को साफ-स्वच्छ, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर संपन्न कराने की बात कही। एफएसटी एवं एसएसटी को एक्टिवेट करने तथा सूचना मिलने पर निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी कोषांग के कार्यों की समीक्षा की, इनमें कार्मिक कोषांग एवं गठित मेडिकल बोर्ड को आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा प्रशिक्षण कोषांग को सेक्टर, मतदान कर्मियों एवं सेक्टर पोलिस पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित कराने एवं प्रशिक्षण मॉड्यूल को लेकर निर्देशित किया गया। साथ ही वाहन कोषांग, मतदाता सूची कोषांग, ईवीएम कोषांग को दिशा - निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कंट्रोल रूम को 24 × 7 उचित संचालन एवं रजिस्टर संधारण को लेकर निर्देश दिए। इस दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, उप नगर आयुक्त, उप निर्वाचन पदाधिकारी, सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

चुनाव ऐलान के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपनी अपनी तैयारियां तेज की

संजय श्रीवास्तव

बोकारो । झारखंड में आसन्न विधान सभा चुनाव के ऐलान के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपनी अपनी तैयारियां तेज कर दी है । भाजपा की अगुवाई वाली राजग गठबंधन जहां एक बार फिर बोकारो में कमल खिलाने को लेकर आशान्वित नजर आ रही है ।

वहींगठबंधन में शामिल दलों की मानें तो इस बार जिले के चारों विधानसभा सीटों पर परिवर्तन की बयार बह रही है । और कांग्रेस बेरमो की अपनी परंपरा गत सीट बचाने के साथ ही अन्य सीटों पर भी अपना परचम लहरायेगी । इंडी गठबंधन के नेताओं का तो यहां तक कहना है कि केंद्र की कथित जन विरोधी नीतियों की वजह से बढती महंगाई और बेरोजगारी से तंगो तबाह क्षेत्र की जनता और युवा वर्ग व्यवस्था में बदलाव के लिए कांग्रेस और जेएमएम की ओर देख रहे हैं । ऐसे नेताओं का तो यहां तक कहना है झारखंड की वर्तमान हेमंत सरकार के जनकल्याणकारी नीतियों और समाज की आधी आबादी महिलाओं के हक में किये जाने वाले योगदान से सूबे सहित जिले की जनता अब परिवर्तन का मूड बना चुकी है । जबकि भाजपा की अगुवाई वाली राजग गठबंधन के नेताओं का कहना है कि झारखंड की वर्तमान हेमंत सरकार के घपले-घोटालों की वजह से सरकार की छवि आमजन के बीच धूमिल हुयी है । और पूरे सूबे में इस बार जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है । इसे लेकर राजग गठबंधन के तमाम छोटे बड़े नेता अभी से ही पसीना बहाने लगे हैं । इन नेताओं का कहना है कि केंद्र की राजग गठबंधन वाली सरकार के कार्यकलापों से आमजन में राजग गठबंधन को लेकर विश्वास बढ़ा है और इसका फायदा राजग गठबंधन को आसन्न विधान सभा चुनाव में मिलेगा । फिलवक्त दोनों गठबंधनों के नेताओं की ओर से दावों प्रति दावों का दौर शुरू हो चुका है । अब देखना होगा कि ऊंट किस करवट बैठेगा ।

राष्ट्रीय जनता दल 22 सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया

रांचीः झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय रांची में झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल संसदीय बोर्ड की आवश्यक बैठक संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री सुरेश पासवान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि झारखंड में हो रहे विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल 22 सीटों पर चुनाव लड़ने का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि सभी सीटों का चयन और प्रत्याशियों का चयन आदरणीय राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव जी करेंगे ।संसदीय दल के बैठक में सर्वसम्मत राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव,संसदीय बोर्ड के सदस्य और झारखंड सरकार के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, संसदीय बोर्ड के सदस्य डॉ मनोज कुमार, संसदीय बोर्ड के सदस्य श्रीमती अनीता यादव, संसदीय बोर्ड के सदस्य रंजन यादव,संसदीय बोर्ड के सदस्य रानी कुमारी, संसदीय बोर्ड के सदस्य विक्रम यादव, संसदीय बोर्ड के सदस्य चंद्रिका यादव, संसदीय बोर्ड के सदस्य राजकुमार यादव सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

7 अक्टूबर को पूर्व मध्य रेल में स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के समापन समारोह का आयोजन

हाजीपुर, (ईएमएस)। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय हाजीपुर के महाप्रबंधक सम्मेलन कक्ष में गुरुवार दिनांक 17 अक्टूबर को अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, सुरेश कुमार पासवान की अध्यक्षता में विगत एक महीने से चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा तथा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने स्वच्छता को सबकी जिम्मेवारी बताया तथा मुख्यालय के सभी विभागों को इसमें सहयोग करने में तत्पर रहने को कहा तथा पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था विभाग, हाजीपुर द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की। पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था विभाग, हाजीपुर द्वारा इन कार्यों को आगे भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जतायी गयी तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करने हेतु, एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को प्रतिबंधित करने एवं सभी में जागरूकता फैलाने हेतु महिला सफाई कर्मचारियों के बीच जूट के थैलों का वितरण किया गया।इस कार्यक्रम में पूर्व मध्य रेल के सभी मंडलों में पखवाड़ा के दौरान दिन-प्रतिदिन स्वच्छता हेतु किये जाने वाले क्रियाकलापों यथा-स्वच्छता शपथ, स्वच्छता दिवस, स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ रेलगाड़ी, स्वच्छ रेल पटरी, स्वच्छ आहार, स्वच्छ नीर, स्वच्छ प्रसाधन तथा एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रतिबंध हेतु अभियान आदि का विवरण प्रजेंटेशन के माध्यम से किया गया। इसके अलावा स्वच्छता ही सेवा के दौरान स्वच्छता हेतु चिन्हित कुल 381 इकाइयों (सीटीयू) एवं ब्लैक स्पॉटस में कराये गये गहन सफाई कार्यों का विवरण भी दिया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान स्वच्छ स्पर्धा का आयोजन किया गया था, जिसके अंतर्गत सभी विभागों के कार्यालयों की सफाई का निरीक्षण कराया गया था। इस स्वच्छ स्पर्धा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए क्रमशः प्रशासन, इंजीनियरिंग तथा यांत्रिक विभाग को अपर महाप्रबंधक महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस बात की जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र द्वारा जारी विज्ञप्ति में दी गई है।

भूमि विवाद पर दो भाईयों पर तलवार से हमला, एक का हाथ कटा, दूसरा गंभीर

आरा,(ईएमएस)। भोजपुर जिले के बिशुनपुर गांव में भूमि विवाद को लेकर दो आमने-सामने आ गए। जिसमें एक पक्ष ने दो सगे भाइयों पर तलवार से हमला कर दिया जिसमें एक का हाथ कट गया और दूसरा गंभीर रुप से घायल हो गया। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। । तलवार के हमले में जय करण पासवान के (45) पुत्र दिलीप पासवान और धनंजय पासवान(40) घायल हुआ है। इसमें बड़े भाई दिलीप का एक हाथ कट गया। मारपीट में दिलीप की पत्नी मालती देवी को भी चोटें आई हैं।घायल की पत्नी ने बताया कि पट्टीदार धर्मेंद्र पासवान से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। बाढ़ आने के कारण उनकी मवेशी को गांव के दूसरे ग्रामीण सलाम पासवान द्वार बांधा गया था। पट्टीदार ने पगहा कटकर मवेशी को भगा दिया। इसे लेकर विवाद बढ़ गया। विरोध करने पर पट्टीदार के लोगों ने धारदार तलवार से हमला कर दिया जिसमें उसका पति और देवर घायल हो गए। इसके बाद दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायल महिला ने धर्मेंद्र पासवान समेत अन्य पर हमला करने का आरोप लगाया है।इधर, भोजपुर के एसपी राज ने तमाम अपराधियों की गिरफ्तारी व कांडों के निष्पादन को लेकर अभियान चलाने का निर्देश दिया है। पुलिस कार्यालय में आयोजित बैठक में अपराध नियंत्रण की समीक्षा की गई। पुलिस की मासिक उपलब्धियों का आकलन और भविष्य की रणनीतियों को तय किया गया। आफिस के जीर्णोद्धार के बाद एसपी की पहली क्राइम मीटिंग थी। बैठक में एसपी से लेकर एएसपी एवं डीएसपी मौजूद थे। बैठक के दौरान गंभीर अपराधों में त्वरित विचारण कराने एवं समय से गवाहों के उपस्थापन पर भी चर्चा की गई। नियमित रूप से वाहन एवं बाइक चेकिंग को लेकर भी निर्देश दिया गया।

जिंदा लोगों को बता दिया मृत, जीवित होने का प्रमाण देने लगा रहे चक्कर

कटिहार,(ईएमएस)। बिहार के कटिहार जिले के आजमनगर प्रखंड में दो जीवित व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया। छेदी चौधरी और कौशल्या देवी, जो पूरी तरह से स्वस्थ और जिंदा हैं को वोटर लिस्ट में मृत घोषित किया है। इसके चलते दोनों को प्राथमिक कृषि साख समिति चुनाव में मतदान करने से वंचित कर दिया।दोनों लोग अब अपने जीवित होने का प्रमाण देने के लिए प्रखंड कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। छेदी चौधरी ने कहा कि इस गलती के कारण उनका मतदान करने का अधिकार छीन लिया गया है, जबकि कौशल्या देवी ने कहा कि इस गलती से सरकारी योजनाओं में भी उन्हें असुविधाओं का सामना करना पड़ सकता है जो एक चिंता का विषय है। इस घटना से गांव के लोग नाराज हैं। उनका कहना है कि यदि यह किसी साजिश का हिस्सा है, तो यह बहुत ही निंदनीय है।उन्होंने प्रशासन से इसकी जांच की मांग की है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इस मामले पर गहरी चिंता जताई और उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द जांच की जाएगी। अगर यह जानबूझकर किया गया है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना प्रशासन और चुनाव प्रक्रिया में त्रुटियों को उजागर करती है, जिससे लोगों में असंतोष और गुस्सा है। इस मामले की जल्द निष्कर्ष पर पहुंचने की उम्मीद है, ताकि प्रभावित व्यक्तियों को उनका अधिकार मिल सकें।

कहर बरपा रही जहरीली शराब, 13 लोगों की मौत

पटना, (ईएमएस)। बिहार में भले शराबबंदी है लेकिन जहरीली शराब लगातार कहर बरपा रही है। आश्चर्य की बात ये है कि बिहार में 2016 से शराबबंदी है, इसके बावजूद अक्सर जहरीली शराब से मौतों के मामले सामने आते रहते हैं। अब सीवान और छपरा के अलग-अलग गांवों में जहरीली शराब पीने से 13 लोगों की मौत हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। इस घटना से हड़कंप मचा हुआ है वहीं गांवों में मातम पसरा हुआ है। लोगों की संदिग्ध मौतों का मामला मंगलवार-बुधवार को सामने आया। मृतक लोगों के परिजनों के मुताबिक उनकी मौत जहरीली शराब पीने से हुई है। इन सभी ने घटना से दो दिन पहले शराब पी थी। जिसके बाद 12 से ज्यादा लोग बीमार पड़े हैं। उनका इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। इनमे दो लोगों की आंख की रोशनी चली गई है। बहरहाल इस घटना की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया है, छापेमारी की जा रही है। अबतक 9 लोगों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने की खबर है। सिवान पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर जारी कर लोगों से जानकारी देने की अपील की है। स्वास्थ्य महकमे को अलर्ट रखा गया है। जो लोग बीमार हुए हैं उनका इलाज जारी है.

नकली शराब की फैक्ट्री का पर्दाफाश दो गिरफ्तार

पटना, (ईएमएस)। भले ही बिहार में शराबबंदी है लेकिन ऊँची कीमतों पर शराब का मिलना बादस्तूर जारी है। कहा तो ये भी जा रहा है कि शराब की तस्करी में कई सफेदपोश लोग शामिल हैं जो संबंधित विभाग तथा पुलिस को मैनेज कर इस गोरखधंधे में लगे हैं। इस बीच पटना में मद्य निषेध सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश के नेतृत्व में बुधवार शाम नकली अंग्रेजी शराब की फैक्ट्री पर छापा मारकर वहां बन रहे नकली शराब का पर्दाफाश किया गया। बताया गया है कि शराब के रैपर, बोतल, ढक्कन और सील करने के उपकरण बरामद किए गए। इस मामले में उत्पाद विभाग ने वैशाली के रहने वाले अमन कुमार और समस्तीपुर के रहने वाले मोहित दिनकर को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में 86 बोतल विदेशी शराब, 200 पीस ढक्कन, 600 रैपर पैकिंग मशीन और 800 पीस खाली शराब की बोतल बरामद हुई है।

15 साइबर ठगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवादा, (ईएमएस)। हम जितनी तेज़ी से डिजिटल दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं, ठीक उतनी ही तेज़ी से साइबर अपराध की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। पिछले कई महीनों से देशभर में साइबर फ्रॉड के मामलों में भारी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। सायबर ठगों ने सैकड़ों भोले भाले लोगों से करोड़ों रूपये की ठगी की है। साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों से ठगी करने में लगे हैं। इस बीच बिहार के नवादा में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 13 मोबाइल फोन बरामद किया है। साथ ही 56 पेज में डेटा मिला है जिसमें लोगों के मोबाइल नंबर और उनकी जानकारियां हैं। साइबर डीएसपी प्रिया ज्योति ने इस मामले की जानकारी मीडिया को दी। बताया गया है कि नवादा पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान के मार्गदर्शन में साइबर डीएसपी प्रिया ज्योति ने एसआईटी का गठन किया था। इसके बाद वारिसलीगंज प्रखंड के सोहरीपुर गांव में पुलिस ने छापामारी कर यह कार्रवाई की। जब टीम छापेमारी करने पहुंची तो ये सभी लोग अलग-अलग स्थानों पर बैठकर अपने काम में लगे थे।

प्रशांत किशोर द्वारा शराबबंदी कानून समाप्त करने की वकालत पर दिलीप जायसवाल ने किया तीखा व्यंग्य

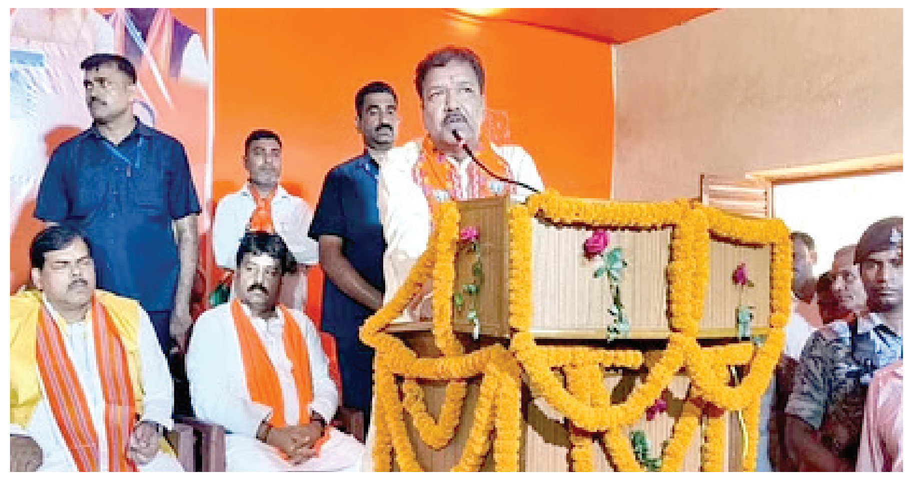

भोजपुर : बिहार बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष एवं बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल गुरुवार को भोजपुर पहुंचे। भोजपुर की सीमा में प्रवेश करते ही कार्यकर्ताओं ने अपने प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। स्वागत एवं सम्मान से अभिभूत प्रदेशाध्यक्ष ने इसके लिए जहां कार्यकर्ताओं का आभार जताया। वहीं, उसके बाद वह जिले के पिरो अनुमंडल के सहजानंद ब्रह्मर्षि महाविद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी के द्वारा आयोजित बूथ स्तरीय बैठक में शामिल हुए। पिरो पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष ने पीरों की अधिष्ठात्री देवी मां पीटन देवी का दर्शन किया और उनसे आशीर्वाद लिया। वहीं, कार्यकर्ताओं के साथ कॉलेज में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जहां एक तरफ विपक्ष के लोग देश का नमक खाकर विदेश का गुणगान करते हैं। वहीं, भाजपा के कार्यकर्ता और नेता देश और राष्ट्र की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। वहीं, कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद सभा स्थल पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने प्रशांत किशोर पर तंज करते हुए कहा कि तरारी विधानसभा में पार्टी ने उम्मीदवार दिया है, जिस पार्टी के संयोजक ने गांधी जयंती के मौके पर बंद शराबबंदी को खोलने की बात कही थी। क्योंकि पैसा कमाने का जरिया उनको यहीं दिखाई दे रहा है। जबकि कोई कोठा पर भी जाकर पैसा कमा सकता है। वहीं, आगे बातचीत के क्रम में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस बार जो उपचुनाव हो रहे हैं। वही आगामी विधानसभा चुनाव की दशा और दिशा तय करेंगे। साथ ही साथ उन्होंने तरारी विधानसभा में हो रहे उपचुनाव को लेकर कहा कि इस बार भाजपा और एनडीए के कार्यकर्ता पूरी तरह से तैयार हैं और पूरे तरारी में बदलाव की बयार बह रही है। पूरे जोश के साथ हमारे पार्टी के कार्यकर्ता लगे हुए हैं और यहां से भाजपा के उम्मीदवार को जिताकर विधानसभा में भेजने का काम करेंगे।वहीं, उन्होंने बिहार में शराब से हुई मौत पर कहा कि यह विपक्ष के लोग बेवजह मामले को तूल लेने में लगे हुए हैं। वहीं, सरकार इस मामले को देख रही है और शराब माफिया के विरुद्ध पहले भी कड़ी कार्रवाई की गई है और आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी सूरत में शराब माफियाओं को बक्सा नहीं जाएगा। क्योंकि शराबबंदी कानून से पूरे बिहार को फायदा है। इस बूथ स्तरीय बैठक में उनके साथ प्रदेश संगठन महामंत्री भिखूभाई दलसानिया, औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह और तरारी के पूर्व विधायक सुनील पांडे समेत हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सहरसा-लहेरिया सराय ट्रेन में महिला ने बच्चे को दिया जन्म

दरभंगा : सहरसा से लहेरिया सराय ट्रेन संख्या 05548 में सफर कर रही गर्भवती महिला यात्री ने ट्रेन में बच्चे को जन्म दिया है। बताया जाता है महिला यात्री मीना कुमारी को ट्रेन में यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा होना शुरू हो गया, जिसके बाद महिला ने चलती ट्रेन में ही एक शिशु को जन्म दिया। चलती ट्रेन में शिशु के जन्म की सूचना मिलते ही दरभंगा जंक्शन पर रेलवे अस्पताल में तैनात डॉ. ऋचा मिश्रा और सहायक कर्मी चिंटू महिला यात्री की मदद करते हुए ट्रेन से उतारकर अस्पताल लाया। जहां से जांच के बाद उसे डीएमसीएच भेज दिया गया है। इस बात की सूचना डीआरएम समस्तीपुर कार्यालय सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। इसमें डॉ. ऋचा मिश्रा और एक आरपीएफ की महिला सिपाही बच्चे को अपने गोद में लेकर खुश दिखाते नजर आ रही हैं। बताया जाता है, सहरसा से दरभंगा आ रही ट्रेन संख्या 05548 में सफर कर रही गर्भवती महिला मीना कुमारी का प्रसव ट्रेन में ही हो गया।

जनसुराज को झटका, भोरे प्रखंड अध्यक्ष सहित कई लोगों ने पार्टी छोड़ जदयू ज्वाइन की

गोपालगंज : बीते दो अक्तूबर को पार्टी गठन के बाद चुनावी मोड में उतरी जनसुराज को भोरे विधानसभा क्षेत्र (गोपालगंज) में बड़ा झटका लगा है। गोपालगंज के भोरे विधानसभा क्षेत्र में सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के 24 घंटे के अंदर ही एक बड़ी टूट हुई है। जनसुराज के प्रखंड अध्यक्ष, किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सहित उसके साथ रहे कई लोगों ने इसका दामन छोड़कर सुनील कुमार में अपना आस्था जताते हुए जदयू का दामन थाम लिया है। भोरे विधानसभा में यह एक बड़ा उलटफेर माना जा रहा है। बता दें कि बुधवार देर शाम भोरे के काली मोड़ पर एक सादे कार्यक्रम में चकरवां खास पंचायत के पूर्व मुखिया और जनसुराज के प्रखंड अध्यक्ष विजय कुमार तिवारी, हरदिया के पूर्व मुखिया राज किशोर शुक्ल उर्फ टुनटुन शुक्ल, बगहवा मिश्र के पूर्व सरपंच सह किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ददन तिवारी अपने-अपने समर्थकों के साथ जनसुराज को छोड़कर सुनील कुमार के सामने जदयू का दामन थाम लिया। ये सभी लोग प्रशांत किशोर की पदयात्रा से प्रभावित होकर जनसुराज से जुड़े थे। दो अक्तूबर को पार्टी का गठन होने के बाद भी वे लोग साथ ही थे। लेकिन भोरे विधानसभा में सदस्यता अभियान की शुरुआत करने जब जनसुराज के बड़े नेताओं में शुमार पूर्व आईएएस विजय कुमार चौबे भोरे पहुंचे और उनके समक्ष द्वारिका मिश्र के साथ 200 समर्थकों के साथ जनसुराज की सदस्यता ली। उसी समय से एक धड़ा नाराज हो गया था। इसकी जानकारी देते हुए चकरवां खास के पूर्व मुखिया विजय कुमार तिवारी ने बताया कि वे लोग जनसुराज में तब से जुड़े थे। जब से प्रशांत किशोर भोरे में पदयात्रा करने पहुंचे थे। इसके बाद जनसुराज के पार्टी गठन में भी उन्होंने हिस्सा लिया था। लेकिन नीतीश कुमार की शराबबंदी को प्रशांत किशोर द्वारा झुठलाया जा रहा था। इसके अलावे भोरे विधानसभा क्षेत्र में जब सदस्यता अभियान का कार्यक्रम किया गया, तो जनसुराज प्रखंड अध्यक्ष को ही दरकिनार कर वैसे लोगों को लाया गया जिनकी छवि काफी खराब रही है।वहीं, ददन तिवारी ने कहा कि मंत्री सुनील कुमार के साथ उनके संबंध पहले से ही मधुर रहे हैं। मेरी पूरी आस्था इनके साथ है। इनके द्वारा भोरे विधानसभा क्षेत्र में जो कार्य किए गए हैं। वह अब तक नहीं हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि यह सभी लोग हमारे पुराने साथी रहे हैं। बीच में इधर-उधर चले गए थे। लेकिन एक बार फिर यह हमारे साथ हैं, जो हमें काफी मजबूती प्रदान कर रहा है। सुनील कुमार ने सभी को अंग वस्त्र और माला पहनकर उनका स्वागत किया।

परवीन के लिए आजाद ने झा से आलम बनकर किया निकाह

पूर्णिया जिले में प्रेम-प्रसंग में हिंदू से मुस्लिम बने युवक ने ससुराल में आत्महत्या कर लिया। आत्महत्या के बाद गुरुवार को उसके ससुराल पक्ष और मायके पक्ष के बीच दाह संस्कार को लेकर विवाद हुआ। ससुराल पक्ष मुस्लिम रीति-रिवाज के साथ दाह संस्कार करना चाहता था। लेकिन मायके वाले चाहते थे कि उसका हिंदू रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार हो। फिलहाल, पुलिस ने शव को अपने पास 72 घंटे के लिए रख लिया है। मामला के. हाट थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी का है। दरअसल, लड़के ने साल 2008 में मुस्लिम महिला से लव मैरिज किया था। लड़के के मायके वालों ने इस शादी को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद वो अपने ससुराल में रहने लगा। उसने मुस्लिम धर्म अपना लिया था। मृतक की पहचान के. हाउसिंग कॉलोनी निवासी दिलीप कुमार झा के बेटे आजाद कुमार झा (35) के रूप में हुई है। उसने जब मुस्लिम लड़की रानी परवीन (32) से शादी की तो धर्म परिवर्तन कर आजाद झा से अपना नाम मो. आजाद आलम कर लिया था। मृतक के तीन बेटे हैं। घटना के संबंध में पत्नी रानी परवीन ने बताया कि दोनों एक ही मोहल्ले में रहते थे। साल 2008 में दोनों की पहली मुलाकात हुई। इसके बाद बातचीत शुरू हुई। धीरे-धीरे ये बातचीत प्यार में बदल गया। 16 साल पहले हम दोनों ने घर से भागकर लव मैरिज कर ली थी। इसके बाद वो मुझे लेकर अपने घर पहुंचा था। वहां पर आजाद के माता-पिता ने इस शादी को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद वो मेरे साथ मेरे घर आ गया। यहां हम दोनों एक साथ रहते थे। साल 2022 तक सब कुछ ठीक था। वो दूसरे का ऑटो चलाता था। इसकी वजह से 2022 में उसने अपनी मां से खुद का ऑटो खरीदने के लिए 50 हजार रुपये मांगे थे। लेकिन मां ने उसे पैसे नहीं दिए।इसके बाद से वो काफी तनाव में रहने लगा था। वो शराब का सेवन करने लगा था। इस दौरान उसने 2022 में ही एक बार जहर खाकर सुसाइड की कोशिश भी की थी। लेकिन किसी तरह से उसे बचा लिया गया था। अपने बेटे के स्कूल गई थी। वहां से आई तो कमरा खोल कर देखा तो आजाद फंदे से लटका मिला। हम लोग आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत से पहले आजाद ने छोटे बेटे आफताब से कहा था कि अगर मेरी मौत हो जाती है तो मेरा अंतिम संस्कार मुस्लिम रीति-रिवाज से करना।

जहानाबाद के घोसी में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या, इलाके में दहशत का माहौल

जहानाबाद : जहानाबाद के घोसी थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक व्यक्ति को चाकू से मारकर हत्या कर दिया गया है। शव की पहचान ओमप्रकाश (44) घोसी थाना क्षेत्र के ग्राम घोसी का बताया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हेतु जहानाबाद भेजा।

बताया जाता है कि बुधवार शाम ओमप्रकाश अपने घर से निकला था। लेकिन देर रात तक वह घर नहीं लौटा, घर वापस नहीं लौटने पर परिजन काफी खोजबीन किए। परंतु रात में कहीं पता नहीं चल सका। वहीं, गुरुवार सुबह गांव के लोग गांव से पश्चिम बधार में खेत देखने के लिए गए तो देखा कि एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है, जिसकी पहचान ओमप्रकाश के रूप में की गई। सूचना उसके परिवार जनों को दी गई। मौत की खबर सुनकर मृतक के परिजन दौड़े-दौड़े घटना स्थल पर पहुंचे तो शव देखते ही परिजनों में चित्कार मच गया। घटना की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दिया गया। मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं, मृतक का भाई उदयशंकर ने बताया कि मेरा भाई ओमप्रकाश शाम को घर से बाजार जाने के लिए निकला था। लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटा तो हम लोग काफी खोजबीन कर रहे थे कि गुरुवार सुबह हम लोगों को सूचना मिली कि गांव के पश्चिम बधार मेरी भाई का शव पड़ा हुआ है। जब हम लोग घटना स्थल पर आए तो देखा कि मेरे भाई की हत्या कर दी गई है। शरीर पर कई जगह चाकू से वार किया हुआ है। इससे प्रतीत होता है कि चाकू मारकर इसकी हत्या की गई है।

उसका कहना है कि मेरा भाई कुछ नशा करता था। कुछ लोगों द्वारा इस नशा के नाम पर बुलाकर इसकी हत्या की गई है। लेकिन अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है कि हत्या में कौन-कौन लोग शामिल हैं। थानाध्यक्ष ददन प्रसाद ने बताया कि घोसी गांव के बधार से घोसी निवासी ओमप्रकाश का शव बरामद हुआ है। पुलिस जांच में जुटी हुई है कि इसकी हत्या कैसे की गई है। इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद ही घटना के बारे में स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा। इसके परिजन द्वारा अज्ञात लोगों के खिलाफ आवेदन दिया है। पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है।

लापता युवक की तलाश को लेकर एनएच-20 पर लगाया जाम

नालंदा : नालंदा जिले के हरनौत थाना क्षेत्र में गुरुवार को तनावपूर्ण स्थिति देखने को मिली। जब सैकड़ों ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-20 पर आक्रोश प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का कारण पांच दिनों से लापता एक स्थानीय युवक की खोज में कथित पुलिस निष्क्रियता है। बता दें कि हरनौत के रामसंग डिहरा गांव के निवासी (22) वर्षीय रूपेश कुमार 12 अक्तूबर को दुर्गा पूजा मेला देखने हरनौत बाजार गए था। लेकिन वापस नहीं लौटा। उसके लापता होने की शिकायत तत्काल हरनौत थाना में दर्ज कराई गई थी। पांच दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। रूपेश के परिजन ने बताया कि हम रोज थाने के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। मुढारी गांव के पास ग्रामीणों ने टायर जलाकर राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे कई घंटों तक यातायात बाधित रहा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करनी पड़ी।सर्किल इंस्पेक्टर अनिल कुमार पांडे ने मौके पर पहुंचकर आश्वासन दिया कि मामले में त्वरित कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया कि युवक की खोज में सभी संभावित कोणों से जांच कर रहे हैं। परिवार की चिंताओं को समझते हैं और जल्द ही सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है। लगभग तीन घंटे के प्रदर्शन के बाद, पुलिस के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम हटा दिया। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे पुनः आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

33893 शिक्षकों को नीतीश सरकार ने दी सौगात

पटना : सक्षमता परीक्षा में पास होने के बाद भी जिन शिक्षकों का किसी न किसी कारण से काउंसलिंग नहीं पाया, वैसे काउंसलिंग से वंचित 33893 शिक्षकों को सरकार एक बार फिर से मौका दे रही है, ताकि वह अपना काउंसलिंग करा सकें। इस बात का निर्णय माध्यमिक शिक्षा के निदेशक की अध्यक्षता में 15 अगस्त 2024 को किये गये बैठक में लिया गया है। बैठक में नोडल पदाधिकारी विभागीय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर द्वारा जिलों में 13 सितंबर तक संपन्न काउंसलिंग का आंकड़ा प्रस्तुत किया गया, जिसमें यह बताया गया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 1,87,818 अभ्यर्थियों का काउंसलिंग किया जाना था, लेकिन काउंसलिंग में 1,84,452 अभ्यर्थी ही उपस्थित हो पाए। शेष 3366 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

इस वजह से नहीं हो पाया काउंसलिंग

उपस्थित 1,84,452 अभ्यर्थियों में से 1,73,527 अभ्यर्थियों का काउंसलिंग हो पाया। शेष 10,925 अभ्यर्थियों का काउंसिल नहीं हो पाया। काउंसलिंग नहीं हो पाने की वजह यह है कि उन अभ्यर्थियों में 10219 अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन तो हुआ लेकिन उनका आधार मिसमैच हो गया। 32 शिक्षक अभ्यर्थियों के आधार का सत्यापन हुआ, लेकिन उनके बायोमेट्रिक का मिलान नहीं हो पाया। 239 शिक्षक अभ्यर्थियों का न तो आधार मिला और न ही बायोमेट्रिक का सत्यापन हो पाया। 311 ऐसे शिक्षक अभ्यर्थी हैं जिनका बायोमेट्रिक और आधार सत्यापित हुआ लेकिन मोबाइल नहीं रहने के कारण ओटीपी नहीं जा सका। 124 ऐसे शिक्षक अभ्यर्थी हैं, जिनका बायोमेट्रिक और आधार सत्यापित हो गया लेकिन प्रमाण पत्र का सत्यापन नहीं हो पाया।

33,893 अभ्यर्थियों के लिए लिया गया निर्णय

13 सितंबर तक जिन 1,73,527 अभ्यर्थियों का काउंसलिंग हुआ उनमें से कुल 1,39,634 शिक्षक अभ्यर्थियों का काउंसलिंग सफलतापूर्वक हो गया। शेष 33,893 अभ्यर्थियों का काउंसलिंग कार्य सफल नहीं हो पाया। इस संदर्भ में बैठक में उपस्थित बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के पदाधिकारियों, विभागीय पदाधिकारी एवं समिति द्वारा चयनित परीक्षा एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ऐसे 3366 शिक्षक अभ्यर्थी जो काउंसलिंग में अनुपस्थित रहे उन्हें काउंसलिंग के लिए पुनः अवसर प्रदान किये जाए। साथ ही 124 ऐसे शिक्षक अभ्यर्थी जिनका बायोमेट्रिक एवं आधार सत्यापित होने के बावजूद प्रमाण पत्र का सत्यापन नहीं हो पाया है उनको भी काउंसलिंग के लिए बुलाया जाए। ऐसे 311 शिक्षक अभ्यर्थी जिनका बायोमेट्रिक एवं आधार दोनों सत्यापित हुआ परंतु मोबाइल नहीं रहने के कारण ओटीपी नहीं जा पाया उनको भी काउंसलिंग के लिए बुलाया जाए। ऐसे 32 शिक्षक अभ्यर्थी जिनके आधार सत्यापित हुए परंतु बायोमेट्रिक नहीं हो पाया तथा 239 ऐसे शिक्षक अभ्यर्थी जिनका ना तो आधार और ना बायोमेट्रिक सत्यापित हुआ, उनके लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से मंतव्य प्राप्त होने पर निर्णय लिया जाएगा।

जानिए इस स्थिति में अभ्यर्थी क्या करें

ऐसे 10219 शिक्षक अभ्यर्थी जिनका काउंसलिंग के दौरान बायोमेट्रिक सत्यापन हुआ परंतु नाम में अंतर, जन्म तिथि में अंतर, आधार संख्या की गलत प्रविष्टि इत्यादि के कारण उनके आधार का सत्यापन नहीं हो पाया है, उनके संबंध में यह निर्णय लिया गया है कि ऐसे शिक्षक अभ्यर्थी जिन्हें नाम, जन्म तिथि, लिंग आधार संख्या एवं मोबाइल नंबर में परिवर्तन कराना है, वह इसके लिए अपने आवंटित जिला के जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवेदन देंगे।

इसके बाद यह होगी प्रक्रिया

अभ्यर्थी द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर संबंधित जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) द्वारा संशोधित नाम, जन्मतिथि, लिंग, आधार संख्या एवं मोबाइल नंबर की प्रविष्टि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर पर किया जाएगा एवं अभ्यर्थी द्वारा दिए गए आवेदन को भी अपलोड किया जाएगा। अभ्यर्थी द्वारा पूर्व में आवेदन भरते समय अंकित किए गए नाम जन्म तिथि लिंग आधार संख्या एवं मोबाइल नंबर सॉफ्टवेयर में यथावत रहेगा और इस पर किसी प्रकार की ओवरराइटिंग नहीं की जाएगी। इस प्रक्रिया के संपन्न होने पर संबंधित शिक्षक अभ्यर्थी का बायोमेट्रिक सत्यापन कराया जाएगा।

विभाग ऐसे करेगी काम

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) द्वारा की गई कार्रवाई का सत्यापन जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से किया जाएगा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा उपयुक्त निर्णय के कार्यान्वयन हेतु दिनांक 19 अक्टूबर तक सॉफ्टवेयर में आवश्यक प्रविष्टि कराकर विभाग को संसूचित किया जाएगा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा सॉफ्टवेयर में आवश्यक परिवर्तन अनुसूचित करने के उपरांत जिलों को आवश्यक निर्देश निर्गत किया जाएगा कि 30 अक्टूबर तक प्राप्त आवेदनों के आधार पर सॉफ्टवेयर में आवश्यक प्रविष्टि करना एवं इसका सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी शिक्षा का व्यक्ति के आधार में अंकित नाम के टाइटल एवं मैट्रिक प्रमाण पत्र में अंकित नाम के टाइटल में परिवर्तन होने के कारण आधार सत्यापित नहीं होने की स्थिति में शिक्षा का अभ्यर्थी द्वारा न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष दायर किया गया शपथ पत्र प्रस्तुत करने पर उनके नाम एवं टाइटल को सही मानते हुए आधार सत्यापन किया जाएगा।

कार्रवाई भी होगी

13 सितंबर तक जिलों में संपन्न काउंसलिंग में 33,893 ऐसे शिक्षक अभ्यर्थी पाए गए जिनमें एक अथवा एक से अधिक प्रमाण पत्र में कोई ना कोई कमी पाई गई है। इन शिक्षक अभ्यर्थियों के संबंध में यह निर्णय लिया गया है कि ऐसे 96 शिक्षक अभ्यर्थी जिनका प्रमाण पत्र प्रथम दृष्टि में फेक पाया गया है, की सूची निकालकर मुख्यालय स्तर से गठित समिति द्वारा इन प्रमाण पत्रों की सत्यता की जांच कराई जाएगी एवं फलाफल से शिक्षक अभ्यर्थी से संबंधित निदेशालय को अवगत कराया जाएगा संबंधित निदेशालय द्वारा अग्रतार कार्रवाई की जाएगी। ऐसे 9996 शिक्षक अभ्यर्थी जो किसी न किसी प्रमाण पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत नहीं कर सके उन्हें इसके लिए पुनः अवसर प्रदान किया जाए। 23801 शिक्षक अभ्यर्थी जिनका एक या एक से अधिक प्रमाण पत्र संदिग्ध पाया गया है ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों के लिए सही प्रमाण पत्र अपलोड करने हेतु बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा सॉफ्टवेयर में विकल्प प्रदान किया जाएगा। संबंधित अभ्यर्थी द्वारा पूर्व में अपलोड किया गया प्रमाण पत्र यथावत रहेगा ताकि अभ्यर्थी द्वारा अपलोड किए गए दोनों प्रमाण पत्र को आवश्यकता अनुसार अवलोकन किया जा सके। उपरोक्त सभी कार्रवाई संपन्न होने के उपरांत इन शिक्षक अभ्यर्थियों के काउंसलिंग हेतु तिथि एवं स्लॉट का निर्धारण कर अलग से संसूचित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

कार खाई में गिरी, 62 वर्षीया महिला की मौत

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बंटवाल तालुका में कार के खाई में गिरने से 62 वर्षीया महिला की मौत हुई। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान भागीरथी के रूप में हुई, जो मंगलुरु के कोडियालबेल की रहने वाली थी। पुलिस के मुताबिक, भागीरथी अपनी बेटी सुचित्रा (36), दामाद रूपेश (39) और तीन साल के पोते धनविश के साथ तुमकुरु गई थीं औ मंगलुरु स्थित अपने घर लौट रही थीं। तभी कलवपडुरु गांव के बम्बिला के पास तड़के पांच बजे के करीब रूपेश को नींद आ गई और कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना में घायल रूपेश, सुचित्रा और भागीरथी को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन बुजुर्ग महिला ने दम तोड़ दिया।

बहराइच कांड में आरोपी सरफराज और मोहम्मद तालीम का एनकाउंटर

बहराइच (ईएमएस)। यूपी के बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हिंसा में राम गोपाल मिश्रा की हत्या के आरोपी सरफराज खान और मोहम्मद तालीम एनकाउंटर में बुरी तरह जख्मी हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे। पुलिस के मुताबिक एनकाउंटर नेपाल बॉर्डर से 20 किमी पहले नानपारा कोतवाली क्षेत्र में हांडा बसेहरी नहर के पास हुआ। एसटीएफ और बहराइच पुलिस सरफराज और तालीम को साथ लेकर डबल बैरल बंदूक और तमंचा बरामद कराने ले गई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बंदूक और तमंचा लोडेड रखा था। उन लोगों ने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस ने पहले उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन बाद में जवाबी कार्रवाई में सरफराज और तालीम को गोली लगी। यूपी पुलिस ने गुरुवार को सरफराज के भाई फहीम, पिता अब्दुल हमीद और मोहम्मद अफजल को भी पकड़ा है।

भारत माता की जय और राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने की अनोखी सजा

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के आरोपी एक व्यक्ति को जमानत दे दी है। लेकिन जमानत के साथ आरोपी को भोपाल के एक पुलिस स्टेशन में राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने और महीने के अंत तक महीने में दो बार भारत माता की जय का नारा लगाने का निर्देश दिया है। आरोपी की पहचान फैजल उर्फ फैजान के रूप में हुई है, इस मई में मिसरोद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि फैजान के कार्यों ने कलह को बढ़ावा दिया और देश की अखंडता को कमजोर किया। अदालत के फैसले में न्यायमूर्ति पालीवाल ने कहा कि फैज़ान को 50,000 रुपये के निजी बांड और इतनी ही राशि की एक सॉल्वेंट ज़मानत जमा करने पर रिहा किया जा सकता है। इसके अलावा, अदालत ने जमानत के हिस्से के रूप में कई अनूठी शर्तें लगाईं। फैजान को मुकदमा खत्म होने तक हर महीने के पहले और चौथे मंगलवार को मिसरोद पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करना होगा। इस दौरान पुलिस स्टेशन पर फहराए गए राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देनी होती है और दो बार भारत माता की जय का नारा लगाना होता है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि ये स्थितियाँ उनमें उस देश के लिए गौरव की भावना पैदा करने के लिए बनाई गई थीं जिसमें उनका जन्म और पालन-पोषण हुआ था।

विमानों में बम रखे होने की फर्जी धमकी छत्तीसगढ़ से युवक हिरासत में

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट के द्वारा से तीन विमानों में बम रखे होने की फर्जी धमकी देने के मामले में छत्तीसगढ़ के 17 वर्षीय एक लड़के को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस ने सोमवार और मंगलवार को विभिन्न एयरलाइन को जारी फर्जी बम धमकी के सिलसिले में तीन अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं। पुलिस उपायुक्त (जोन 8) मनीष कलवनिया ने स्पष्ट किया कि मंगलवार को दी गईं धमकियों के संदेश जारी करने में नाबालिग शामिल नहीं था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि कक्षा 11 के इस छात्र ने सोमवार को छत्तीसगढ़ से कथित तौर पर तीन पोस्ट किए और विमानों को बम से उड़ाने की धमकी दी।

सीबीआई, ईडी और आयकर को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों के बहाने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि सीबीआई, ईडी और आयकर जैसी केंद्रीय एजेंसियों को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में तीन विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में जीतने को तैयार है। सिद्धारमैया ने कहा कि प्रदेश में नवंबर में होने वाले उपचुनाव का कांग्रेस पार्टी प्रभावी ढंग से मुकाबला करेगी और सभी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र के अधीन आने वाले सीबीआई, ईडी और आईटी सहित सभी संगठनों को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए और किसी राजनीतिक दल के पक्ष में काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि नागेंद्र (पूर्व मंत्री बी नागेंद्र) ने कहा है कि उन पर ईडी ने दबाव डाला था। उन्होंने बताया कि उन पर मेरा और डी के शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री) का नाम लेने का दबाव डाला गया था। पूर्व कैबिनेट मंत्री बी नागेंद्र ने जेल से बाहर आने पर आरोप लगाया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) में करोड़ों रूपये के कथित घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का नाम लेने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन पर दबाव डाला था।

अमरावती में 22 अक्टूबर से दो दिन के ड्रोन सम्मेलन का आयोजन

अमरावती (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश राजधानी अमरावती में 22 और 23 अक्टूबर को ड्रोन शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। यह आयोजन नागर विमानन मंत्रालय और आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस सम्मेलन में ड्रोन कंपनियां, विदेशी इकाइयां और अन्य संबंधित लोग भाग ले रहे है। आंध्र प्रदेश सरकार के अवसंरचना एवं निवेश (आईएंडआई) विभाग के सचिव एस सुरेश कुमार ने कहा कि 22 अक्टूबर को 5,000 से अधिक ड्रोन के साथ एक ड्रोन प्रदर्शनी भी आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि अबतक सम्मेलन के लिए 1,000 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है।
नागर विमानन मंत्रालय के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार पीयूष श्रीवास्तव ने कहा कि मोदी सरकार ड्रोन क्षेत्र के लिए एक नई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर काम कर रही है और हितधारकों से सुझाव मांगे जा रहे हैं। ड्रोन के लिए वित्त वर्ष 2021-22 से तीन वित्त वर्ष के लिए शुरू हुई 120 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पहली पीएलआई योजना समाप्त हो गई है।

इमामी एग्रोटेक कंपनी की टैंक में दम घुटने से 5 कर्मचारियों की मौत

कच्छ| जिले के कंडलास्थित इमामी एग्रोटेक कंपनी में हुए एक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई| यह घटना मंगलवार की रात उस समय हुई जब कंपनी के टैंक की सफाई की जा रही थी| घटना के बाद मौके पर पहुंची कंडला मरीन पुलिस ने दुर्घटना मौत का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है| जानकारी के मुताबिक कच्छ जिले के कंडला स्थित इमामी एग्रोटेक कंपनी खाद्य तेल, बायोडीजल, रिफाइंड पाम, सोयाबीन और वनस्पति घी का उत्पादन करती है| कंपनी में मंगलवार की रात एक कर्मचारी टैंक में सफाई के लिए उतरा था, जो भीतर बेहोश हो गया| अन्य दो कर्मचारी उसे बचाने के लिए उतरे तो वह भी बेहोश होकर टैंक में गिर पड़े| जिसके बाद और दो लोग उतरे और वह भी बेहोश हो गए| एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में टैंक में उतरे पांचों कर्मचारियों की दम घुटने से मौके पर मौत हो गई| हांलाकि कंपनी के अन्य कर्मचारी सभी को तुरंत सरकारी अस्पताल ले गए| जहां डॉक्टर ने सभी को मृत घोषित कर दिया| मृतकों में एक टैंक ऑपरेटर, एक कंपनी सुपरवाइजर और तीन सहायक शामिल हैं| इनके नाम सिद्धार्थ तिवारी, अजमत खान, आशीष गुप्ता, आशीष कुमार और संजय ठाकोर बताए गए हैं|

मैरिटल रेप मामले की सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई : एनल सेक्स रेप नहीं

हम इसी को चुनौती दे रहे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई की है। याचिकाओं में कहा गया है कि क्या किसी व्यक्ति को अपनी पत्नी को संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के लिए कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है। सीजेआई ने सुनवाई करते हुए कहा, अपवाद 2 कहता है कि पत्नी के साथ एनल सेक्स रेप नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, हम इसी को चुनौती दे रहे हैं।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि, जब पत्नी 18 साल से कम की होती है, तब यह रेप है और जब यह 18 साल से अधिक की होती है, तब यह नहीं है। यही बीएनएस और आईपीसी में अंतर है। इस पर वकील नंदी ने कहा, यदि पति एनल सेक्स करता है, तब पत्नी को अपवाद 2 के तहत छूट दी जाती है, जबकि यह यौन क्रिया नहीं है। इस पर जबाव देकर सीजेआई ने कहा कि कानून कहता है कि चाहे वजाइनल सेक्स हो या एनल सेक्स। जब तक यह विवाह के भीतर किया जाता है, तब तक यह बलात्कार नहीं होगा। वकील नंदी की जिहर, धारा 63 ए यह भी कहती है कि यदि कोई पुरुष किसी अन्य पुरुष का लिंग किसी महिला की योनि, मुंह आदि में इंसर्ट कराता है तब वह भी बलात्कार होगा। इस पर सीजेआई, लेकिन यह अपवाद के अंतर्गत नहीं आएगा। सुनवाई में हिस्से लेते हुए जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यौन क्रिया शब्द को सही तरीके से परिभाषित नहीं किया गया है? मान लीजिए कि कोई पति पत्नी को किसी अन्य पुरुष के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है तब क्या वह अपवाद 2 के अंतर्गत आएगा? नहीं, वह नहीं आएगा। वकील नंदी अपनी बात रखते हुए, वह आएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नहीं, यह गलत व्याख्या है। वकील नंदी ने कहा कि यदि किसी महिला के साथ पति, अजनबी या तलाकशुदा पति द्वारा जबरन संबंध बनाया जाता है, तब यह रेप ही है। अगर लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला के साथ बिना सहमति सेक्स किया जाता है तब यह भी रेप है, लेकिन अगर किसी विवाहित महिला के साथ ऐसा होता है तब यह रेप क्यों नहीं? इस दलील पर सीजेआई ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि, पति-पत्नी के बीच बिना इजाजत के संबंध बनाने को अपराध घोषित करने विवाह संस्था अस्थिर होगी। इस पर आपका क्या कहना है? इस पर वकील नंदी ने बताया कि एक पुराने केस (केएस पुट्टुस्वामी मामले) में यह माना गया कि निजता की आड़ में महिलाओं के अधिकारों का हनन या लिंग आधारित हिंसा नहीं की जा सकती।

उत्तराखंड में सख्ती : खाने में थूकने वालों को भरना होगा एक लाख का जुर्माना

देहरादून(ईएमएस)। खाने में थूकने या थूक मिला खाना परोसने के तमाम मामले सामने आ चुके हैं। इसके कई बार वीडियो भी वायरल हुए है। जिसमें से कुछ फेक निकले हैं तों कुछ सही पाए गए और उन पर प्रकरण दर्ज भी किए गए। इसी बीच उत्तराखंड सरकार ने इन मामलों पर कसावट का फैसला किया है। यदि इस तरह की हरकत सामने आई तो एक का जुर्माना परना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा ऐसी घटनाओं पर चिंता जताए जाने के कुछ दिनों बाद राज्य पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने अलग-अलग दिशानिर्देश जारी किए और कहा कि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि होटल और ढाबों जैसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले लोगों का 100 प्रतिशत वैरिफिकेशन किया जाना चाहिए, साथ ही व्यापार प्रबंधकों को अपनी रसोई में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जिला पुलिस को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, खोखे और पुशकार्ट जैसी खुली जगहों पर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए वे स्थानीय खूफिया यूनिट की मदद ले सकते हैं।दिशानिर्देशों में कहा गया है कि गश्त के दौरान इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि स्वास्थ्य और खाद्य विभाग, नगर निगम/जिला पंचायत, नगर परिषदों और स्थानीय लोगों के समन्वय से एक जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाना चाहिए।स्वास्थ्य सचिव और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त आर राजेश कुमार ने एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी की, जिसमें अपराधियों के खिलाफ 25,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक के जुर्माने सहित सख्त कार्रवाई का आदेश दिया गया है।कुमार ने कहा कि देहरादून और मसूरी में होटलों और ढाबों जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों में थूकने की घटनाओं के वीडियो का संज्ञान लेते हुए और मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।इधर मंगलवार को, पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने कहा कि वह थूकने या किसी अन्य मानव अपशिष्ट को मिलाकर भोजन को प्रदूषित करने को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध बनाने के लिए दो अध्यादेश लाएगी।
बता दें कि हाल ही में मसूरी में दो लोगों को पर्यटकों को जूस परोसने से पहले गिलासों में कथित तौर पर थूकने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा देहरादून से एक वीडियो भी वायरल हुआ था जिसमें एक रसोइये को रोटी के लिए आटा बनाते समय कथित तौर पर थूकते हुए देखा जा सकता है।स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि आने वाले त्योहारी सीजन के दौरान खाने की सुरक्षा और शुद्धता उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रावत ने कहा, त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अशुद्धता या असामाजिक गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 19 अक्टूबर तक होंगे रजिस्ट्रेशन

मुंबई,(ईएमएस)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। इसके बाद महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मुंबई में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आयोग ने कहा कि राज्य के सभी मतदाताओं से आग्रह है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम जरुर देखें। यह घोषणा की गई कि पात्र नागरिक जिन्होंने अभी तक मतदाता के रूप में पंजीकरण नहीं कराया है, वे 19 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं।
लोकसभा चुनाव में कई मतदान केंद्रों पर फैली अव्यवस्था को देखते हुए संबंधितों को विधानसभा चुनाव में एहतियाती कदम उठाने के निर्देश जारी किए हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर पेयजल, बिजली आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, विकलांगों के लिए रैंप की व्यवस्था, व्हीलचेयर जैसे प्रावधान उपलब्ध कराए जाएंगे।
आयोग ने बताया कि 2011 की जनगणना के मुताबिक प्रति 1000 पुरुषों पर 929 महिलाएं थीं। इसकी तुलना में 2019 में मतदाता सूची में महिलाओं की संख्या 925 थी। आयोग के मुताबिक महिला मतदाता पंजीकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के बाद 2024 में प्रति 1000 पुरुषों पर 936 महिलाएं थीं। 1,181 आवासीय परिसरों में मतदान केंद्र पिछले साल आवासीय परिसर में शुरू किए गए मतदान केंद्र को लेकर चुनाव आयोग को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस साल राज्य में 1,181 हाउसिंग सोसायटी के परिसरों में मतदान केंद्र बनाए गए हैं। आयोग ने बताया कि स्लम इलाकों में 210 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे।

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में पड़ने लगी हल्की ठंड

दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में दिन में तेज धूप और शाम होने के साथ ही हल्की-हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। वहीं यूपी, बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा और पंजाब में सुबह-शाम ठंड पड़ने लगी है और हल्की धुंध भी छाने लगी है। हालांकि पंखे अभी भी चल रहे हैं।
मौसम विभाग का कहना है कि अगले हफ्ते दिन के तापमान में और गिरावट आएगी। गुरुवार को दिल्ली समेत उत्तर भारत में मौसम सामान्य रहेगा। सुबह-शाम ठंड का अहसास होगा। दिल्ली में 17 से 21 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री के आसपास रहेगा। वहीं दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में अभी भी कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें आंध्र प्रदेश के अलावा बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगर शामिल हैं। तमिलनाडु में चेन्नई समेत अन्य जगहों पर भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। कॉलोनियों से लेकर सड़कों तक पानी भर गया है। सड़क से लेकर ट्रेन और हवाई यातायात व्यवस्था चरमरा गई हैं। कई ट्रेनें और उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिन राज्य में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार को भी रानीपेट और वेल्लोर समेत अन्य उत्तरी जिलों में भी बारिश हो हो सकती है। चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों में गुरुवार को भारी बारिश की संभावना है।

फडनवीस, अजीत पवार और एकनाथ शिंदे आए साथ, महाराष्ट्र चुनाव से पहले विरोधियों को दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। महाराष्ट्र में एनडीए यानी महायुति में कोई खींचतान नहीं है ये संदेश देने के लिए महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम और बीजेपी नेता देवेंद्र फडनवीस और एनसीपी (अजीत पवार) एक साथ आए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि महायुति में सब कुछ ठीक है और महाराष्ट्र सरकार द्वारा किए गए काम गिनाए। इंडिया गठबंधन लगातार एनडीए से सवल पूछ रहा है कि उनका सीएम उम्मीदवार कौन है। यह सवाल अभी बीजेपी के लिए असुविधाजनक है। बीजेपी गठबंधन महाराष्ट्र में बिना सीएम उम्मीदवार के ऐलान के चुनाव लड़ेगा।

देवेंद्र फडनवीस ने कहा कि सीएम पद की दावेदारी को लेकर कोई विवाद नहीं है और चुनाव के बाद सहमति से इसका फैसला लिया जाएगा। उन्होंने ये भी कहा कि इंडिया गठबंधन का सीएम उम्मीदवार कौन हो शरद पवार बताएं। दरअसल पिछले कई दिनों से यह चर्चाएं चल रही हैं कि सीएम पद को लेकर बीजेपी के स्थानीय नेता चाहते हैं कि इस बार सरकार बनने पर सीएम बीजेपी का हो। फिलहाल तो महायुति में सीट बंटवारे को लेकर बातचीत जारी है।
बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे को विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे के संदर्भ में त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए जैसा कि बीजेपी ने गठबंधन को बरकरार रखने के लिए किया है।

जम्मू-कश्मीर में बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा : राहुल गांधी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार का गठन हो गया है। उमर अब्दुल्ला ने सीएम पद पर विरामान हो गए हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई बड़े नेता उनके शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। कांग्रेस का कहना है कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह सरकार में शामिल नहीं होगी।
जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद पहली निर्वाचित सरकार है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उमर अब्दुल्ला को सीएम बनने पर बधाई दी। राहुल गांधी ने कहा कि बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा लगता है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर के लोगों से लोकतंत्र छीन लिया गया था। उन्होंने वादा किया कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब

तक वह लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा-आज हम पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने तक अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराते हैं।
उमर अब्दुल्ला ने राहुल गांधी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के साथ राहुल गांधी की मौजूदगी से उन्हें और उनके परिवार को बहुत प्रोत्साहन मिला। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के लोग आपकी ओर देख रहे हैं। हमें अपना राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए आपके समर्थन की जरूरत है। प्रियंका गांधी के साथ आपकी उपस्थिति ने हमें बहुत प्रोत्साहन दिया और परिवार को वास्तव में आप दोनों के साथ कुछ समय बिताकर खुशी हुई। कांग्रेस के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस इस बात से नाखुश है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। हम नाखुश हैं, इसलिए हम फिलहाल सरकार में शामिल नहीं हो रहे हैं।
प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई। जम्मू-कश्मीर की जनता को आपके वोट की ताकत से न्याय और लोकतंत्र की आवाज बुलंद करने के लिए धन्यवाद। भविष्य के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा, इंडिया गठबंधन सरकार लोगों के लंबित अधिकारों को बहाल करने के साथ-साथ अपने सभी वादों और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम करेगी।

आचार संहिता के बावजूद लिए कई बड़े फैसले, शिंदे सरकार पर संकट

चुनाव आयोग ने लिया संज्ञान, वोट जिहाद शब्द की भी करेगा जांच

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र में महायुति सरकार ने सरकारी फैसलों की धज्जियां उड़ाई थीं। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता की घोषणा के बाद भी फैसलों का सिलसिला जारी रहा। घोषित किए गए 200 से ज्यादा सरकारी फैसलों में से कई आचार संहिता लागू होने के बाद जारी किए गए। अब इसे महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने घोषणा की कि इस संबंध में जांच कराई जाएगी। वहीं, आयोग महायुति की ओर से इस्तेमाल किए गए वोट जिहाद शब्द की भी जांच करेगा।
महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मुंबई में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बाद दिनभर राज्य सरकार की ओर से सरकारी फैसले जारी किए गए। आयोग ने बताया है कि इसमें विधायकों को फंड आवंटन से जुड़े अध्यादेश और कई अन्य प्रशासनिक स्वीकृतियां शामिल हैं। इसलिए दोपहर 3.30 बजे के बाद जो भी सरकारी फैसले घोषित किए गए, उनकी जांच की जाएगी कि क्या यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। वोट जिहाद जैसे सांप्रदायिक शब्दों के इस्तेमाल पर मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि मंगलवार से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। अगर कुछ नेता ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। यदि हमें कोई शिकायत मिलती है, तो हम कानूनी तंत्र के भीतर इसकी जांच करेंगे और रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।
बता दें विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता की घोषणा होने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से कई सरकारी फैसले किए गए। जैसे ही चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से इस बारे में पूछा तो सरकार ने सभी फैसले वेबसाइट से हटा दिए।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

हाथी के दांत की तरह दिखावे की होगी जम्मू कश्मीर की सरकार?

जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुए हैं। इस बार मतदाताओं ने खुलकर मतदान किया है। जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में निर्वाचित ने शपथ ले ली है। सरकार और उपराज्यपाल के अधिकार को लेकर सरकार बनने के साथ ही नई-नई चर्चाएं शुरू हो गई है। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म हो गया है। जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। केंद्र सरकार ने उपराज्यपाल के जो अधिकार बनाए दिए हैं। उसमें केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपालों के हाथ में जो अधिकार होते हैं। निर्वाचित सरकार के पास पूर्व राज्य के अधिकार नहीं होते हैं। केन्द्र शासित प्रदेशों की निर्वाचित सरकारों को हर बात के लिए उपराज्यपाल की अनुमति लेनी होती है। जिस तरह की स्थिति दिल्ली में बनी हुई है। उसी तरीके की वर्तमान स्थिति जम्मू-कश्मीर की नव निर्वाचित राज्य सरकार की होगी। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को पांच विधायकों के मनोनयन का अधिकार दिया है। जिन राज्यों में गैर भाजपा शासित राज्य सरकार होती है। वहां के उपराज्यपाल निर्वाचित सरकार को वह काम नहीं करने देते हैं, जो वहां की सरकार चाहती है। जिन राज्यों में गैर भाजपाई सरकारें होती हैं। वहां के राज्यपाल निर्वाचित सरकारों के कामकाज में अड़ंगा लगाते है। विधानसभा से जो बिल पास होते हैं। उनकी स्वीकृति नहीं देते है। राज्य सरकारों के कामकाज पर राज्यपाल अड़ंगा लगाते है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर केंद्र और राज्य के बीच में विवाद की स्थिति बनी हुई है। 35ए की वजह से अन्य राज्यों के नागरिक जम्मू-कश्मीर में अचल संपत्ति नहीं खरीद सकते थे। धारा 370 को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच में जिस तरह से विवाद देखने को मिल रहे हैं। जब तक जम्मू कश्मीर विधानसभा को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलता। तब तक यह विवाद जन्म लेते रहेंगे। पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में सहमति से है। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा कब मिलेगा, यह कहना अभी मुश्किल है। जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। तब तक जम्मू-कश्मीर में वास्तविक रूप से उपराज्यपाल का ही शासन होगा। निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री ट्रांसफर पोस्टिंग भी नहीं कर पाएंगे। हर काम के लिए उन्हें उपराज्यपाल पर निर्भर रहना पड़ेगा। मुख्यमंत्री को किस तरह से उपराज्यपाल सहयोग करते हैं या उप राज्यपाल अपने हिसाब से काम करते हैं। उपराज्यपाल सरकार को भरोसे में लेकर काम करते हैं। इसका पता बाद में चलेगा। जम्मू-कश्मीर में सरकार किस तरह से सरकार चलेगी, या ठीक उसी तरीके से रोजाना विवाद होंगे, जैसे दिल्ली में हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर सीमावर्ती राज्य है। पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण सुरक्षा बलों की भी पर्याप्त संख्या में तैनाती है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय का भी हस्तक्षेप भी लगातार बना रहता है। ऐसी स्थिति में नई सरकार के भविष्य को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। राज्य में काफी लंबे समय के बाद निर्वाचित सरकार आई है। उससे बाद आशा की जा सकती है, कि उपराज्यपाल और राज्य सरकार मिलजुल कर काम करेंगी। सीमावर्ती राज्य होने के कारण केंद्र सरकार भी संवेदनशीलता के साथ राज्य सरकार को विश्वास में लेते हुए निर्णय करेगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के रिश्ते बेहतर होंगे। उप राज्यपाल बॉस की तरह नहीं एक संवैधानिक प्रमुख के रूप में काम करके राज्य सरकार के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाएंगे। जिस तरह के विवाद रोजाना दिल्ली सरकार और वहाँ के उपराज्यपाल के बीच देखने को मिल रहे हैं। वह स्थिति जम्मू-कश्मीर में नहीं बनेगी। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार वर्तमान स्थिति को देखते हुए समन्वय बनाकरकाम करेंगे। यह आशा की जा सकती है।

23वाँ शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन

किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के हर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सबकी निगाहें अब भारत को ढूंढती है कि वहां से कौन आया है। एक ज़माना था जब भारत को संभवतः कोंनटा मिलता था, जो आज फ्रंट में तब्दील हो गया है ! आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस बार 23 वाँ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 15-16 अक्टूबर 2024 को संपन्न हुआ, जिसमें सभी देशों की निगाहें भारत पर थी देखा गया के एससीओ से अलग भारतीय व पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों में कुछ समय गुफ्तगू हुआ जो भारत पाकिस्तान दोनों के अधिकृत एजेंडे,बयानों में नहीं है परंतु मीडिया में इस तरह की खबरें जोर पकड़ रही है,यानें दोनों देशों के संबंध सुधारने की दिशा में शायद एक कदम उठ सकता है। चूँकि भारत नें पड़ोसी के घर में जाकर हुंकार भरी कि अच्छे पड़ोसी संबंधों व विश्वास में गिरावट की परिस्थितियों के करणों का विश्लेषण करना ज़रूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत का एससीओ की तीन बुराइयों आतंकवाद अलगाववाद व उग्रवाद का मुकाबला करनें का आगाज़ वाकई सराहनीय कदम है।
साथियों बात अगर हम इस्लामाबाद पाकिस्तान की मेज़बानी में 15-16 अक्टूबर 2024 को आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की करें तो, 23वां शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन हाल ही में समाप्त हुआ। यह शिखर सम्मेलन क्षेत्रीय सहयोग और विकास पर केंद्रित था, जिसमें सदस्य देशों ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। शिखर सम्मेलन के समाप्त होने के बाद, वह इस्लामाबाद से नई दिल्ली आ गए। इस बैठक में भारत और पाकिस्तान के संबंधों पर विशेष ध्यान दिया गया, साथ ही अन्य सदस्य देशों के साथ भारत के व्यापार और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। एससीओ शिखर सम्मेलन में अक्सर क्षेत्रीय स्थिरता, विकास, और सुरक्षा के मुद्दों पर बातचीत होती है, और इस साल के आयोजन ने इन विषयों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया।बता दें कि पाकिस्तान पहुंचे विदेश मंत्री ने 16 अक्टूबर को एससीओ समिट को संबोधित करते हुए पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। यह जरूरी है कि सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें, इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए, न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए।विदेश मंत्री ने सीपीईसी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर हम दुनियाँ की चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाएंगे खासकर व्यापार और व्यापारिक मार्गों के लिए तो एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। बता दें कि सीपीईसी को लेकर भारत की चिंता है कि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इस क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न अंग मानता है। बता दें विदेश मंत्री एस जयशंकर ऐसे पहले विदेश मंत्री हैं जो 9 साल में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर गए हैं।इससे पहले 2015 में सुषमा स्वराज ने विदेश मंत्री के रूप में पाकिस्तान का दौरा किया था।पाकिस्तान में एससीओ समिट ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव है। ऐसे में विदेश मंत्री का इस सम्मेलन में शिरकत के लिए जाना काफी अहम है। भारत के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में एससीओ की बैठक में हिस्सा लेकर बुधवार देर शाम तक नई दिल्ली लौट आए। जयशंकर तकरीबन 24 घंटे पाकिस्तान की राजधानी में रहे, इस दौरान उन्होंने दो बार पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से हाथ मिलाया, पीएम शरीफ की तरफ से आयोजित रात्रि भोज में हिस्सा लिया और दोपहर के भोज में जयशंकर की शरीफ के साथ अनौपचारिक बातचीत भी हुई। हालांकि, इसे दोनों देशों के बीच संबंध में बड़े सुधार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।
साथियों बात अगर हम भारत के संबोधन में चीन पाकिस्तान पर दो टूक की करें तो,शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पाकिस्तान दौरे पर गये विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी है।एससीओ समिट को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया है। विदेश मंत्री ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। यह जरूरी है कि एससीओ क्रे सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें। इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए, न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि हम दुनियाँ की चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाएंगे खासकर व्यापार और व्यापारिक मार्गों के लिए तो एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। बता दें कि सीपीईसी को लेकर भारत की चिंता है कि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इसे क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न हिस्सा मानता है।विदेश मंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा कि एससीओ का प्राथमिक लक्ष्य आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद का मुकाबला करना है। वर्तमान समय में ये और भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए ईमानदार बातचीत, विश्वास, अच्छे पड़ोसी और एससीओ चार्टर के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। एससीओ को इन तीन बुराइयों का मुकाबला करने में दृढ़ और संकल्पित होने की आवश्यकता है।
साथियों बात अगर हम शंघाई सहयोग संगठन में 16 अक्टूबर 2024 को भारतीय विदेश मंत्री के संबोधन की करें तो, दिन में इस्लामाबाद में एससीओ समिट की बैठक को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने ने पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बिना इशारों-इशारों में कहा कि सभी देशों को एक दूसरे की सीमाओं का सम्मान करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि अगर दोनों देशों के बीच दोस्ती में कमी आई है और पड़ोसी से संबंध बिगड़े हैं तो इस पर आत्मनिरीक्षण किया जाना चाहिए। अगर हमारे बीच भरोसे में कमी आई है तो हमें अंदर झांकने और विचार करने की जरूरत है सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्वीकरण और पुनःसंतुलन आज की वास्तविकताएं हैं। एससीओ देशों को इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। सहयोग, आपसी सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए।एससीओ समिट का शुरुआत करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा पाकिस्तान शांति, सुरक्षा और सामाजिक आर्थिक विकास चाहता है। अफगानिस्तान हमारे साथ जमीनी सीमा साझा करता है, इसलिए वहां शांति हमारे लिए जरूरी है। अफगानी जमीन का इस्तेमाल उसके पड़ोसियों के खिलाफ आतंकवाद के लिए नहीं होना चाहिए।
अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 23वाँ शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन15-16 अक्टूबर 2024- इस्लामाबाद पाकिस्तान में भारत की हुंकार।भारत की पड़ोसी के घर जाकर हुंकार- अच्छे पड़ोसी संबंधों व विश्वास में गिरावट की परिस्थितियों के कारणों का विश्लेषण करना ज़रूरीभारत का एससीओ को तीन बुराइयों, आतंकवाद अलगाववाद व उग्रवाद का मुकाबला करने का आगाज़ सराहानींय कदम।

न्याय की गांन्धारी की आँखों से पट्टी का हटना सुखद

राकेश अचल

| कहते हैं की जो होता है सो अच्छा ही होता है। भारत में न्यायपालिका का प्रतीक चिन्ह आँखों पर पट्टी बंधे हाथ में तलवार लिए एक स्त्री का चित्र था । इसे न्याय की देवी कहा और माना जाता है ,क्योंकि न्याय देने का काम शायद देवता नहीं कर पाते हैं। न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी शायद इसलिए बंधी गयी होगी ताकि वो नीर-क्षीर विवेक से न्याय कर सके,हाथ में तलवार शायद इसीलिए दी गयी होगी ताकि वो निर्ममता से दंड दे सके,लेकिन अब उसकी आँखों से पट्टी भी हटा दी गयी है और हाथ से तलवार भी छीन ली गयी है । न्याय की देवी के हाथों में उस संविधान की प्रति पकड़ा दी गयी है जो हाल के आम चुनाव में कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी और बाकी का विपक्ष लेकर घूम रहा था।

कहते हैं कि न्याय के प्रतीक को बदलने की सारी कवायद के पीछे देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ हैं। उनके निर्देशों पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। न्याय कि देवी कि नयी प्रतिमा सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है। पहले जो न्याय की देवी की मूर्ति होती थी. उसमें उनकी दोनों आंखों पर पट्टी बंधी होती थी. साथ ही एक हाथ में तराजू जबकि दूसरे में सजा देने की प्रतीक तलवार होती थी। ये बदलाव हालाँकि सांकेतिक ही है लेकिन है अच्छा। इस फैसले पर मौजूदा सरकार की सोच भी परिलक्षित होती है। आपको याद होगा कि हमारी मौजूदा सरकार को आजकल सब कुछ बदलने का भूत सवार है । शहरों,स्टेशनों के नाम ही नहीं बल्कि अंग्रेजों के जमाने के तमाम क़ानून भी बदले गए हैं। ऐसे में न्यायपालिका क्यों पीछे रहे ? इसीलिए अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश काल को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं ह। क़ानून को अंधा होना भी नहीं चाहिए ।दुर्भाग्य से देश में आज भी तमाम क़ानून अंधे हैं।
मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य नयायधीश को ये विचार या प्रेरणा पिछले दिनों गणेशोत्स्व पर प्रधानमंत्री जी के साथ गणेश पूजन के बाद मिली। शुरुआत अच्छी है।
हम सब इसका स्वागत करते है । इस समय जिस भी व्यवस्स्था की आँखों पर पट्टी बंधी हो उसे हटाने की जरूरत है। आँखों पर पट्टी का बंधा होना जहाँ नीर-क्षीर विवेक का प्रतीक माना जाता रहा है वहीं इसे जानबूझकर आअंखें बंद करने का प्रतीक भी माना जाता है। द्वापर में गांधारी ने अपनी आँखों पर पट्टी अपने पति प्रेम के चलते बाँधी थी ,लेकिन उसका क्या परिणाम हुआ ,पूरी दुनिया जानती है । दुनिया न भी जानती हो , लेकिन भारत का बच्चा -बच्चा जानता है। सुप्रीम कोर्ट के इस नवाचार का हम दिल खोलकर स्वागत करते हैं और चाहते हैं कि अब देश में न्यायप्रणाली की ऑखें न सिर्फ खुलीं हों बल्कि गंगाजल से धुली भी हो। अभी तक भारतीय न्यायपालिका में देश का भरोसा कायम है यद्दि्प न्यायपालिका तमाम आधे-अधूरे फैसलों की वजह से संदिग्ध हुई है तथापि उसे अनेक फैसलों की वजह से पूरा सम्मान भी हासिल है।
दुर्भाग्य ये है कि इस समय देश में कार्यपालिका हो या विधायिका,सभी की आँखों पार पट्टी और हाथों में तलवार है । पक्षपात की तलवार । अदावत की तलवार। हमारी सरकार के नियनत्रण में सब कुछ है । न्यायपालिका भी ,क्योंकि इस अंग की नियुक्ति,वेतन-भत्तों तक की व्यवस्था सरकार करती है। सरकार भी अपनी आँखों पर पट्टी बांधकर काम करती है । वो जिस मंजर को नहीं देखना चाहती उसे नहीं देखती । वो जहाँ तलवार चलाने की जरूरत होती है वहां तलवार को हाथ भी नहीं लगाती और जहाँ तलवार नहीं चलना होती वहां तलवार भी चलाती है और आँखों पर बंधी पट्टी भी हटा लेती है। इस बात के उदाहरण नहीं दूंगा,इसका विश्लेषण आपको भी करना चाहिए।
मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ का मानना है कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होना चाहिए; जिससे समाज में ये संदेश जाए कि वो संविधान के अनुसार न्याय करती हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ साहब का मानना है कि तलवार हिंसा का प्रतीक है। जबकि, अदालतें हिंसा नहीं, बल्कि संवैधानिक कानूनों के तहत इंसाफ करती हैं। दूसरे हाथ में तराजू सही है कि जो समान रूप से सबको न्याय देती है।
हमें उम्मीद करना चाहिए की जिस तरह से माननीय मुख्य नयायधीश ने अपनी सेवा निवृत्ति से कुछ दिन पहले न्यायपालिका के प्रतीक को बदला है उसी तरह वे जाते-जाते उन सभी संवैधानिक संस्थाओं की आँखों पर बंधी पट्टी और हाथों में ली गयी दृश्य और अदृश्य तलवारों को हटवाने का भी इंतजाम कर जायेंगे। ईडी हो,सीबीआई हो या केंद्रीय चुनाव आयोग हो सबकी आँखों पर पट्टी और हाथों में तलवार है । आज का युग आँखों पर पट्टी बांधकर काम करने का है भी नही। आज के युग में तलवार हाथ में लेकर दुनिया को नहीं चलाया जाता । आज कीदुनिया के हाथों में तलवार की जगह विनाशकारी बम आ गए हैं, मिसाइलें आ गयीं हैं ,जो सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं।
हमारे क़ानून के शिक्षक स्वर्गीय गोविंद अग्रवाल साहब हमें पढ़ते वक्त बताया करते थे कि -न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है. इनका नाम जस्टिया है. इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी। वैसे आपको भी पता है और मुझे भी पता है कि आँखों पर पट्टी बांधकर मोटर साइकल चलाना और चित्र बनाना जादूगरों का काम है,न्यायधीश ये नहीं कर सकते । नेता जरूर कर सकते हैं,कर भी रहे हैं। । बहरहाल मुख्य न्यायाधीश को इस तब्दीली के लिए तहेदिल से बधाई। कम से कम सेवनिवृर्ति से पहले वे भी एक नया इतिहास लिखकर जो जाने वाले हैं। अब पुरानी हिंदी फिल्मों में दिखाए जाने वाले अदालतों के इस प्रतीक चिन्ह का क्या होग। राम जाने ?

मौजूदा राजनीति- कहीं पे निगाहें... कहीं पे निशाना

ओमप्रकाश मेहता

जीने दो जालिम... बनाओं न दिवाना... !
आज जब देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान चल रहा है, इस दौर में मुझे एक बहुत पुराने फिल्मी नगमें की शीर्ष पंक्तियां याद आ रही है... वह नगमा था- 'कहीं पे निगाहें, कहीं पे निशाना... जीने दो जालिम बनाओं न दीवाना..' इस नगमें की प्रथम पंक्ति भारतीय जनता पार्टी के लिए है, तो दूसरी पंक्ति सदस्यता ग्रहण करने वाली जनता के लिए है, अर्थात् इस सदस्यता अभियान का मूल मकसद भाजपा को अपनी सत्ता को बरकरार रखना है, तो सदस्यता ग्रहण करने वाली जनता का कहना है कि इस कठिन दौर में जबकि जीना भी मुश्किल हो रहा है, ऐसे में ऐसी राजनीति किसके हित में है? क्योंकि सदस्यता अभियान तो एक सामान्य अभियान है, जो अनवरत जारी रहता है, फिर विशेष रूप से अभियान बनाकर चलाने की क्या जरूरत है। इसी दौर के सन्दर्भ में मुझे भाजपा के वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय गृहमंत्री श्रीयुत अमित शाह जी का वह कथन याद आ रहा है, जब उन्होंने कहा था कि- ''स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष अर्थात् 2047 तक देश पर भाजपा ही राज करेगी और उसे कोई भी उसके इस इरादे से डिगा नही पाऐगा।'' अब शाह साहब के इस कथन को जिस जरिये से भी देखना हो, जनता व अन्य राजनीतिक दल देखें, किंतु मौजूदा हालात में तो उनके इस कथन की सत्यता पर शंका नही की जा सकती, फिर यह तो कुलटा राजनीति है, कब किसका साथ दे दे, कुछ नही कहा जा सकता। आज मुझे सहज ही यह पुराना फिल्मी नगमा इसलिए भी याद आ गया, क्योंकि देश में भाजपा का सदस्यता अभियान जारी है और नए सदस्यों को सदस्यता ग्रहण करने के लिए कई तरह के रंगीन सपनें दिखाए जा रहे है, अब यहां सबसे अहम् सवाल यह है कि आखिर इसी समय यह अभियान चलाना जरूरी क्यों समझा गया? इसके पीछे की रहस्यमयी तथ्य यह है कि भाजपा ने पिछले दिनों ''मोदी राज के एक दशक'' को लेकर देश में एक गुप्त सर्वेक्षण करवाया था, जिसमें मोदी की लोकप्रियता का मीटर जानने की कौशिश की गई थी, इस सर्वेक्षण का परिणाम गोपनीय इसलिए रखा गया, क्योंकि भाजपा की आशा के अनुरूप परिणाम सामने नही आ पाया था, इसमें यह सामने आया की मोदी की लोकप्रियता दिनों-दिन घटती जा रही है, जो इन दिनों राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव परिणामों में स्पष्ट नजर आ रही है। अतः इस सदस्यता अभियान के माध्यम से एक ओर जहां मोदी की लोकप्रियता का सही आंकड़ा सामने आ जाएगा, वहीं भाजपा को अपने भविष्य के बारे में सही स्थिति भी पता चला जाएगी। इस सर्वेक्षण के परिणामों से अब भाजपा सचेत हो गई है और वह सदस्यता अभियान के माध्यम से यह जानना चाहती है कि देश की जनता का कितना प्रतिशत उसके साथ है तथा क्षेत्रीय दलों की राज्यों में क्या स्थिति है। अब इस सर्वेक्षण रूपि सदस्यता अभियान का परिणाम क्या सामने आता है? भाजपा उससे खुश होती है या उदास, यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु यह सही है कि भाजपा को अपनी ही नब्ज टटोलने में सफलता अवश्य मिल जाएगी और उसका भविष्य भी साफ-साफ नजर आ जाएगा। यहां यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि भाजपा का इस सर्वेक्षण के पीछे देश की सत्तारूढ़ पार्टी की सही नब्ज टटोलना और उसकी खामियां दूर करना भी है, क्योंकि मोदी जी के पहले डॉ. मनमोहन सिंह की एक दशक पुरानी सरकार थी, जो 2014 में पुनः सत्तारूढ़ नही हो पाई, यद्यपि भाजपा के लिए यह सुखद अवसर है, जब उसकी सरकार के एक दशक बाद भी वह पुनः सत्तारूढ़ है, किंतु भाजपा की इस जीत को उसकी स्वयं की लोकप्रियता से नही बल्कि मतदाता की मजबूरी से जोड़कर देखा जाना चाहिए, विकल्प के अभाव ने भाजपा को पुनः सत्तारूढ़ किया है, यह बात भाजपा को हमेशा ध्यान में रखना ही भाजपा के हित में होगा।

जम्मू - कश्मीर में अब्दुल्ला सरकार की राहें बड़ी कठिन

दिलीप कुमार पाठक

धारा 370 खत्म होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित बने जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री होंगे. हालांकि, उमर अब्दुल्ला के लिए राह उतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर का पावर गेम बहुत बदल गया है.. और जम्मू - कश्मीर की राजनीति के लिए यह सबसे अहम पहलू है. उमर अब्दुल्ला पहले भी जनवरी 2009 से जनवरी 2014 तक जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं. उन्हें मुख्यमंत्री होने का तजुर्बा भी है, लेकिन तब और अब में बहुत फर्क है. उमर अब्दुल्ला को एक स्वतंत्र राज्य का सीएम होने का अनुभव है, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश का सीएम होने का तजुर्बा नहीं है. जब उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य हुआ करता था और अब ये केंद्र शासित प्रदेश है. तब जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल 6 साल का था, अब बाकी राज्यों की तरह ही 5 साल होगा. तब राज्य से जुड़े फैसले लेने की सारी शक्तियां विधानसभा और मुख्यमंत्री के पास होती थीं, सारे के सारे कानून बनाने की शक्तियां सीएम के पास होती थीं, लेकिन अब काफी हद तक सारा कंट्रोल उपराज्यपाल के हाथ में होगा. और प्रमुख बात सारा का सारा कंट्रोल केंद्र सरकर के पास होगा, जो उमर अब्दुल्ला के लिए परेशानी का सबब बनने वाला है. मोदी सरकार का स्वभाव वैसे भी राज्यों में दखल देने का रहा है. जम्मू - कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा करने वाली मोदी सरकार ने आजतक बहाल नहीं किया है, जबकि यह निर्णय केंद्र सरकार के अधीन होता है. देखना दिलचस्प होने वाला है कि मोदी सरकार पूर्ण राज्य का दर्जा देती है या लटकाए रहती है, क्योंकि जम्मू - कश्मीर में हालात कैसे रहेंगे इस नव गठित सरकर के हाथ में भी रहने वाला है.
2019 में धारा 370 खत्म होने के बाद अब जब जम्मू-कश्मीर की स्थिति काफी बदल चुकी है, लेकिन यह भी तय है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल के बीच तनातनी होती रहती है, उसी तरह की तनातनी जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिल सकती है. तभी तो कुछ दिन पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक कटाक्ष किया था अगर हाफ स्टेट में सरकार चलाने में दिक्कत आए तो उमर अब्दुल्ला मुझसे सलाह ले सकते हैं. क्योंकि अरविंद केजरीवाल पिछले दस सालों से केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, सीएम केजरीवाल के कटाक्ष के मायने इसलिए भी हैं क्योंकि कोर्ट से कुछ शक्तियां मुख्यमंत्री को मिली थीं, लेकिन मोदी सरकार उसके विरुद्ध अध्यादेश ले आई थी.
ऐसे ही 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक संरचना भी पूरी तरह से बदल गई है और अब वहां सरकार से ज्यादा बड़ी भूमिका उपराज्यपाल की हो गई है. 2019 का कानून कहता है कि पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर जम्मू-कश्मीर विधानसभा बाकी सभी मामलों पर कानून बना सकती है. लेकिन एक पेच भी है. अगर राज्य सरकार राज्य सूची में शामिल किसी विषय पर कानून बनाती है तो उसे इस बात का ध्यान रखना होगा कि इससे केंद्रीय कानून पर कोई असर न पड़े. इसके अलावा, इस कानून में ये भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी बिल या संशोधन विधानसभा में तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक उपराज्यपाल ने उसे मंजूरी न दे दी हो. अब जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल ही एक तरह से सबकुछ है. सरकार को भले ही पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर बाकी मामलों में कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन उसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी जरूरी होगी. इतना ही नहीं, उपराज्यपाल का नौकरशाही और एंटी-करप्शन ब्यूरो पर भी नियंत्रण होगा. इसका मतलब हुआ कि उपराज्यपाल सरकारी अफसरों का ट्रांसफर और पोस्टिंग उपराज्यपाल की मंजूरी से होगा. इसके अलावा, उपराज्यपाल के किसी भी काम की वैधता पर इस आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता कि उन्हें ऐसा करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए था या उन्होंने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया था. उनके किसी फैसले को अदालत में इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि उन्होंने फैसला लेते वक्त मंत्री परिषद की सलाह ली थी या नहीं ली थी. अतः बदल चुके जम्मू - कश्मीर के मुख्यमंत्री की राहें आसान नहीं रहने वाली..
कांग्रेस की राजनीतिक चाल ने कश्मीर की नई सरकार के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं. कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन तो दिया है लेकिन समर्थन बाहर से दिया है, बाहर से समर्थन देने का मतलब है कि कांग्रेस मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगी. उमर अब्दुल्ला सरकार के शपथग्रहण में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित दिग्गज नेता राहुल गांधी - प्रियंका गांधी भी शामिल हुए हैं, लेकिन पार्टी ने अपने कोटे से सरकार में किसी को भी मंत्री नहीं बनवाया है. कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इसकी कई वजहें हो सकती है.
जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बावजूद कांग्रेस उमर अब्दुल्ला की सरकार में शामिल नहीं हुई है. कांग्रेस की तरफ से अब्दुल्ला कैबिनेट में कोई भी मंत्री नहीं बना है. वो भी तब, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुद श्रीनगर जाकर सरकार के शपथग्रहण में शामिल हुए हैं.कांग्रेस के इस फैसले की अब चर्चा हो रही है कि आखिर पार्टी ने उमर कैबिनेट में अपने कोटे से मंत्री क्यों नहीं दिए? कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी 4 बड़ी वजहें हैं- जम्मू कश्मीर के चुनावी इतिहास में पहली बार कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब है.
पार्टी 6 सीटों पर सिमट गई है. ऐसे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस हाईकमान ने पार्टी के किसी विधायक को कैबिनेट में न शामिल कर स्थानीय नेताओं को जमीन पर मेहनत करने का संदेश दिया है. जम्मू कश्मीर में कांग्रेस कोटे से एक भी हिंदू विधायक नहीं जीता है. ऐसे में पार्टी के सियासी समीकरण सध नहीं रहे थे. कश्मीर का मुस्लिम वोटबैंक पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में रहा है. उमर अब्दुल्लाह और उनकी पार्टी 370 को वापस लाने के पक्ष में है. कांग्रेस स्टेटहूड की सिर्फ मांग कर रही है. सरकार में पार्टी अगर शामिल होती तो अन्य राज्यों में उसके लिए सियासी बैकफायर कर जाता, इसलिए भी पार्टी ने सरकार में शामिल न होने का फैसला किया है नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस के 1-2 मंत्री पद देना चाह रही थी. कांग्रेस के दिल्ली में बैठे नेता सांकेतिक भागीदारी नहीं चाहते थे. 6 विधायक जीते, इनमें 3 दिग्गज कांग्रेस की तरफ से इस बार जम्मू कश्मीर में 6 विधायकों ने जीत हासिल की है.
इनमें पीरजादा मोहम्मद सईद, तारिक हामिद कर्रा, गुलाम अहमद मीर जैसे दिग्गज का नाम शामिल हैं. कर्रा घाटी में कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. कांग्रेस ने गुलाम अहमद मीर को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना है.कांग्रेस ने घाटी में 37 उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन जम्मू और चिनाब रीजन में पार्टी पूरी तरह साफ हो गई. अतः कॉंग्रेस रणनीति है कि इतना औसत प्रदर्शन के बावजूद नेताओं को मंत्री पद मिलना मतलब जमीन से दूर कर सकता है, इंडिया गठबंधन का धर्म निभाने के नाम पर कांग्रेस उमर अब्दुल्ला को समर्थन तो दे रही है, लेकिन सरकार में शामिल नहीं होना चाहती यह हैरान करने वाला है... बदल चुके जम्मू - कश्मीर के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की राहें आसान नहीं रहने वाली हैं.

संक्षिप्त ख़बरें

जोगता 11 नंबर में नुकड़ सभा का आयोजन किया गया

सिजुआ।जोगता 11 नंबर में गुरुवार को नुकड़ सभा का आयोजन किया गया।आयोजित नुकड़ सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बाघमारा के भावी विधायक प्रत्याशी शत्रुध्न महतो उर्फ शरद महतो उपस्थित हुए ,जहां सभा को सम्बोधित करते हुए शत्रुध्न महतो उर्फ शरद महतो ने कहा कि मै गरीब गुरबा का रहनुमा हूं,किसी भी परिस्थिति में हम और हमारे लोग आपके साथ खड़े रहते हैं।आने वाला विधानसभा चुनाव में अपना बहुमूल्य वोट मुझे देकर रांची विधानसभा भेजने का काम करें। और ऐसे लोगों से सावधान रहें जो चुनाव के समय बहुत तरह के प्रलोभन देंगे ,वादे करेंगे।लेकिन उनके जाल में फंसना नहीं है ,मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष जलाल अंसारी , भाजपा नेता पप्पू सिंह ,दिनेश पासवान ,सरोज, श्री भुइयां ,लखन भुइयां, सहित दर्जनाधिक लोग मौजूद थे।

आगामी विधानसभा निर्वाचन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने एनफॉर्समेंट एजेंसियों के साथ की बैठक

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव को लेकर कड़ी निगरानी एवं छापेमारी का दिया गया निर्देश

धनबाद, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में 17 अक्टूबर 2024 को समाहरणालय स्थित सभागार में एनफॉर्समेंट एजेंसियों के साथ बैठक की गई। यह बैठक आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान संपन्न कराने के उद्देश्य से की गई। बैठक के दौरान उन्होंने स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उड़न दस्ता दलों, स्टेटिक सर्विलांस दलों, उत्पाद छापामारी दलों आदि में प्रतिनियुक्त होने वाले विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारियों को विधानसभा आम चुनाव के दौरान किए जाने वाले कार्यों को लेकर कई महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि बॉर्डर पर बने चेकपोस्ट, चेकनाका, रेलवे स्टेशन, आसपास के बाजारों में चुनाव के दौरान संघन जांच करें । ताकि किसी तरह का कोई भी हथियार, बड़ी रकम, अवैध मादक पदार्थ, ज्वेलरी आदि ले जाते हुए व्यक्ति की पहचान की जा सके।इसी तरह बैंकों में भी छोटी से बड़ी हर रकम निकासी पर नजर रखे, संदिग्धों की जानकारी दें। उन्होंने सहायक उत्पाद आयुक्त को कहा कि अवैध शराब को लेकर लगातार छापेमारी करें । साथ हीं नारकोटिक्स के कोई मामले मिलते हैं, तो उस पर नजर बनाये रखें। वहीं सीआईएसएफ को भी लगातार छापेमारी करने हेतु निर्देशित किया गया।इस दौरान एसएसपी ने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव को लेकर धनबाद पुलिस पूरी तरीके से तैयार है। जिला के सभी बॉर्डर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। साथ ही साथ दूसरे राज्य एवं जिला से प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच भी की जा रही है। कार्य में लगे सभी पदाधिकारी एवं कर्मी तत्परता से कार्य करें, ताकि कोई भी किसी भी प्रकार से चुनाव को प्रभावित न कर सके। विशेष कर बंगाल से सटे बॉर्डर मैथन चेकपोस्ट में विशेष निगरानी रखें। साथ ही सभी एजेंसी आपसी समन्वय के साथ कार्य कर विधानसभा चुनाव को सफल बनाएं।मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक, आयुक्त, आयकर विभाग, नोडल पदाधिकारी, कस्टम डिपार्टमेंट, जिला वन प्रमण्डल पदाधिकारी, सहायक आयुक्त, उत्पाद, प्रबंधक, जिला अग्रणी बैंक, सी०आई०एस०एफ० के पदाधिकारी, रेलवे के पदाधिकारी, समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे ।

नगर आयुक्त ने स्वीप कार्यक्रम के तहत दिवाली मेला के आयोजन को लेकर की बैठक

धनबाद, आगामी विधानसभा आम चुनाव 2024 को लेकर स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह नगर आयुक्त, रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में स्वीप एक्टिविटी को लेकर समाहरणालय में बैठक आयोजित की गई। जिसमें 26 एवं 27 अक्टूबर को गोल्फ ग्राउंड में दिवाली मेले को लेकर विस्तृत चर्चा कर सफल आयोजन हेतु जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने बताया कि यह आयोजन विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि इस दिवाली मेले में रॉक बैंड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फूड स्ट्रीट, दीपावली की खरीददारी के साथ साथ अन्य कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सीएसआईआर-सिंफर संस्थान के स्टाफ सदस्यों के बीच क्विज प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

धनबाद, सीएसआईआर-सिंफर, बरवा रोड परिसर में संस्थान के स्टाफ सदस्यों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए कुल 15 प्रतिभागियों का चयन स्क्रीनिंग टेस्ट के द्वारा किया गया। चयनित 15 प्रतिभागियों को 5 समूह में बाँटा गया। प्रत्येक समूह में 3 - 3 प्रतिभागी थे।कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के सतर्कता अनुभाग के देखरेख में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन, कुमार राहुल प्रशासनिक अधिकारी, नवीन कुमार शर्मा, भण्डार एवं क्रय अधिकारी, राकेश कुमार, अनुभाग अधिकारी, रानु कुमार, अनुभाग अधिकारी, अमोद कुमार अनुभाग अधिकारी एवं आकाश कुमार कर्ण ने किया।

सेक्टर ऑफिसर व सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

चेक नाका शुरु, की जा रही है वेब कास्टिंग

धनबाद, विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में आज न्यू टाउन हॉल में सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर पुलिस ऑफीसर को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं त्रुटि रहित तरीके से चुनाव संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षण दिया गया और उनके दायित्व के बारे में बताया गया।
उपायुक्त ने कहा कि चुनाव में सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर पुलिस ऑफिसर की अति महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना उनकी जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण के दौरान दिए गए हर निर्देश को गंभीरता से सुने और उसके अनुसार अपने दायित्व का निर्वाहन करें। सभी अपनी शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराकर एवं शत प्रतिशत ध्यान देकर प्रशिक्षण ले।वहीं 27 अक्टूबर को इनके लिए पुनः प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें उनके मन में उठे किसी भी प्रश्न का समाधान किया जाएगा।

चेक नाका शुरू, की जा रही है वेब कास्टिंग

बैठक के समापन के बाद उपायुक्त ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जिले के सभी 11 इंटर स्टेट एवं 5 इंटर डिस्ट्रिक्ट चेक पोस्ट हर आने जाने वालों की जांच करने के लिए शुरू हो गए है। वहां पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति एवं सभी व्यवस्था पूरी कर ली गई है। सभी चेक पोस्ट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उसकी वेब कास्टिंग भी की जा रही है।साथ ही कहा कि भारी मात्रा में नगदी, शराब, ज्वेलरी, नशीले पदार्थ सहित मतदाताओं को प्रलोभन देने के उद्देश्य से बांटने वाली अन्य सामग्रियों पर विशेष नजर रखने और उसे जब्त करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा आज एनफोर्समेंट एजेंसियों के साथ बैठक कर सघन जांच करने का निर्देश दिया है। बैठक में उपायुक्त, माधवी मिश्रा, सिटी एसपी, अजीत कुमार के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगते ही मैथन बॉर्डर पर सघन जांच अभियान शुरू

चिरकुंडा (धनबाद), विधानसभा चुनाव के मतदान को लेकर मैथन पश्चिम बंगाल के बॉर्डर पर संघन्य जांच अभियान शुरू हो चुका हैं । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश के बाद स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान संपन्न कराने को लेकर बॉर्डरों पर बने चेक पोस्ट, चेक नाका, रेलवे स्टेशन आसपास के बाजारों में चुनाव के दौरान जांच अभियान चलाया जा रहा है।ताकि किसी तरह का कोई भी हथियार, मादक पदार्थ, ज्वेलरी , रुपया आदि ले जाते हुए व्यक्ति की पहचान की जा सके ।स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव को लेकर धनबाद पुलिस पूरी तरीके से तैयार है। जिला के सभी बॉर्डर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है । साथ ही साथ दूसरे राज्य एवं जिला से प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच भी की जा रही है।कार्य में लगे सभी पदाधिकारी सघन जांच अभियान चलाकर बॉर्डर पर वाहनों की जांच कर रहे हैं ।ताकि कोई भी किसी भी प्रकार से चुनाव को प्रभावित न कर सके।विशेष कर पश्चिम बंगाल से सटे बॉर्डर मैथन चेक पोस्ट में विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को मैथन पुलिस के सब इंस्पेक्टर दिलशाद अली के नेतृत्व में पुलिस बल और सीआईएसएफ पश्चिम बंगाल से आने वाली सभी गाड़ियों का जांच की जा रही है।इधर मीडिया से बातचीत में मैथन थाना के सब इंस्पेक्टर दिलशाद अली ने बताया कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद सभी वाहनों की जांच की जा रही है। ताकि किसी भी तरह का मादक पदार्थ हथियार एवं 50000 से ज्यादा की राशि कोई ले जा ना सके ।साथ ही उन्होंने बताया कि अभी तक जांच में किसी भी तरह का नगद रूपया,मादक पदार्थ एवं हथियार बरामद नहीं हुआ है। एमडी अली ने कहा कि मतदान संपन्न होने तक यह जांच अभियान जारी रहेगा।

कलियसोल प्रखंड के अंतर्गत ए एस एस क्लब द्वारा आयोजित चार दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट शुभारंभ

धनबाद, चिरकुंडा के फुटबॉल मैदान में ए एस एस क्लब द्वारा आयोजित चार दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का शुभारंभ गुरुवार की दोपहर पूर्व मुखिया पदों सिंह ने फिता काट कर किया।उक्त अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि हर साल की भांति इस साल भी खेल का आयोजन किया गया है। सभी खिलाड़ियों से श्री सिंह ने कहा जिला से लेकर राज्य तक अपना पंचम लहराये उक्त खेल में कुल 28 टीमों के खिलाड़ी भाग लेंगे। जिसमें चार महिला टीम भी फाइनल के दिन रविवार को अपनी खेल का प्रदर्शन दिखलाएंगे । खेल को सफल बनाने में कप्तान बलराम हांसदा, उप कप्तान सरकार मरांडी, टीम मैनेजर नागेश्वर मोदी, सचिव महावीर मोदी अध्यक्ष, विष्णु हांसदा, मुकेश हेंब्रम आदि का सराहनीय योगदान रहा ।

सिंह नेचुरल प्राइवेट लिमिटेड आउटसोर्सिंग कंपनी के नये पैच का हुआ भूमिपूजन

तेतुलमारी।तेतुलमारी कोलियरी के बेलदरिया में आई नाई आउटसोर्सिंग सिंह नेचुरल प्राइवेट लिमिटेड आउटसोर्सिंग कंपनी के नया पैच का भूमि पूजन किया गया। जिससे लोगो में खुशी की लहर दौड़ गई।बताया जाता है कि सिजुआ एरिया पांच के अंतर्गत तेतुलमारी कोलियरी परियोजना के नया पैच सिंह नेचुरल प्राइवेट लिमिटेड आउटसोर्सिंग कंपनी का भूमि पूजन गुरुवार को पुरोहित संतोष शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार का उच्चारण कर विधि विधान पूर्वक कराया गया। जिसमे मुख्य यजमान के रूप में आउटसोर्सिंग कंपनी के मालिक हर्ष सिंह,आउटसोर्सिंग कंपनी के डायरेक्टर आदर्श सिंह,कुश सिंह, जितेंद्र सिंह,प्रमोद सिंह, अनिल सिंह, श्रीराम पाण्डे,समेत अन्य पूजा में बैठ कर विधिवत पूजा अर्चना किये।जहां वहां के बेरोजगारों में एक नई रोजगार मिलने की आशा झलकी जिससे स्थानीय लोगों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। कंपनी का नया पैच का भूमि पूजन के मौके पर अजय चौहान सोनू चौहान, दिलीप चौहान, राजकुमार चौहान, नितेश चौहान, बाबू चौहान,आदि आउटसोर्सिंग कंपनी के पदाधिकारी मौजूद थे।

ईसीआरकेयू ने शुरू किया जनसंपर्क अभियान

धनबाद आई ओ डब्लू वन के प्रांगण में किया गया आम सभा

धनबाद, आगामी तीन चार और पांच दिसंबर 2024 को रेलवे में मान्यता प्राप्त के लिए होने वाला रेलवे यूनियन का चुनाव को देखते हुए आज ईसीआरकेयू अपना जनसंपर्क अभियान,आम सभा और गेट मीटिंग का शुरू किया । इसके तहत आज आई ओ डब्लू धनबाद वन मे एक आम सभा भी आयोजित किया गया।यूनियन के मीडिया प्रभारी एनके खवास ने बताया कि उपस्थित सभी वक्ताओं ने एक-एक कर एआईआरएफ और ईसीआरकेयू द्वारा किए गए रेल मजदूर का हितकारी कार्यों पर प्रकाश डालें और यूनियन का उपलब्धियां को रेल कर्मचारियों का समक्ष रखें साथ ही साथ यूपीएस में जो भी खामियां हैं, उसे आने वाले दिनों में दूर करने के लिए संघर्ष नियंत्रण जारी रखने का भी भरोसा दिया।सभा में धनबाद शाखा वन के संयोजक, चमारी राम केंद्रीय संगठन मंत्री नेता, सुभाष,मंडल चुनाव प्रभारी, राजेश कुमार धनबाद शाखा दो के अध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी एन के खवास के अलावे उपेंद्र मंडल, पिंटू नंदन, आरएन विश्वकर्मा, रतन शंकर, विद्याभूषण, रंजीत कुमार , विश्वजीत मुखर्जी, पी बनर्जी, जे के साव, परमेश्वर कुमार, राकेश प्रसाद, अजय कुमार सिंह, गुड्डु कुमार, राघवेन्द्र, शशांक कूमार अस्विनी, संजय शर्मा, जयदेव प्रमाणिक, रीतलाल, प्रभाकर कुमार, राज कुमार, अमित रंजन,बिनोद गोप,भीखन महतो,राजीव कुमार सिंह,बीबी आजाद,राजीव कुमार, कृष्णा रज्जक, सुरेंद्र चौहान,बासु, वीरेंद्र, नारायण महतो, शुभाष महतो, राजकुमार, मुकेश कुमार,पवन कुमार, बीरेंदर कुमार, गोबिन्द चौरसिया, अंकित कुमार, हबिब, दिलीप कुमार, नित्यानंद गिरी और धनबाद आई ओ डब्लू वन के सभी कर्मचारीगण भी उपस्थित थे ।

राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

दुमकाःविधानसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनजर राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।बैठक में चुनाव व्यय से संबंधित जानकारी दी गई मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपायुक्त ने चुनाव से संबंधित विविध प्रक्रियाओं से अवगत कराया।उन्होंने चुनाव व्यय से संबंधित निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रचार-प्रसार, पब्लिक मीटिंग्स, स्टार कैंपेन, रैली, मनी ट्रांसफर, मीडिया एवं सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, आदर्श आचार संहिता, सहित कई अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी।उपायुक्त ने सभी राजनीतिक पार्टियों से कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश अनुसार पार्टी अभ्यर्थी का ससमय बैंक अकाउंट खुलवाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के अभ्यर्थी द्वारा फ्लैक्स, पंपलेट, पोस्टर की छपाई करवाते हैं तो नीचे में प्रिंटर्स का नाम, प्रकाशित सामग्री की संख्या अवश्य अंकित होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेशों का पालन करें।किसी भी परिस्थिति में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं हो,इसका ध्यान रखें। इस दौरान सीविजिल एप्प एवं सुविधा पोर्टल से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई।सी-विजिल एप के क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। मौके पर आदर्श आचार संहिता के उल्लघंन के मामले पर सी-विजिल एप के द्वारा दर्ज किए गए ऑनलाईन शिकायतों के निष्पादन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन से संबंधित शिकायतों / जानकारी का सीविजिल एप्प में कैसे देनी है इसकी जानकारी दी गयी।इस दौरान सुविधा पोर्टल के उपयोग करने का तरीका व कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी गई। पी.पी.टी. के माध्यम से राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को सुविधा पोर्टल का उपयोग की जानकारी दी गयी।चुनाव के दौरान विभिन्न तरह के अनुमति प्राप्त करने हेतु सुविधा पोर्टल की कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया।सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से चुनाव कार्यों के लिए सुविधा पोर्टल का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की गई।

किसानों के समक्ष आ रही समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा

दुमकाः भाजपा जिला कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष भृगुनाथ यादव ने की। बैठक में प्रमुख रूप से किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री रामनरेश तिवारी, प्रदेश मंत्री कमलेश मंडल, और दुमका भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत की उपस्थिति रही।बैठक में किसानों के समक्ष आ रही समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री रामनरेश तिवारी ने केंद्र सरकार की किसान कल्याण योजनाओं पर प्रकाश डाला और किसानों से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का कृषि क्षेत्र लगातार मजबूत हो रहा है और किसानों के सशक्तिकरण के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है।प्रदेश मंत्री कमलेश मंडल ने राज्य स्तर पर चल रही योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी और किसानों को आश्वस्त किया कि भाजपा किसान मोर्चा उनके हर संघर्ष में उनके साथ खड़ा है। उन्होंने किसानों को जागरूक करने और संगठन को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।दुमका भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा किसानों के हितों की रक्षा के लिए कार्य करती रही है, और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने जिले के किसानों से अपील की कि वे एकजुट होकर भाजपा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करें।बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल, जिला महामंत्री मनोज पांडे,पवन केसरी,जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह बिट्टू,मार्शल ऋषिराज टुडू,पिंटू साह,बबलू मंडल,नवल किस्कू,अमिता रक्षित,प्रवीण सिंह,सुजीत यदुवंशी,चंदन यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

मतदान के प्रति जागरूकता के लिए मतदाता शपथ कार्यक्रम का आयोजन

दुमकाःविधानसभा आम निर्वाचन 2024 के मद्देनजर दुमका जिला के सभी प्रखंड कार्यालय में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान के प्रति जागरूकता के लिए मतदाता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस दौरान प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों समेत आमजनों ने आगामी चुनाव में मतदान करने का शपथ लिया। इस दौरान चुनाव से सम्बंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए वोटर हेल्पलाइन एप्प एवं चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराने को लेकर सीविजिल एप्प के इस्तेमाल से सम्बंधित भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि दुमका जिला में 20 नवंबर को मतदान की तिथि निर्धारित है । लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में अवश्य अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई ।

नाबालिग किशोरी ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

दुमकाःरामगढ़ थाना क्षेत्र के भातुडिया बी पंचायत के सारमी गांव में 17 वर्षीय नाबालिक किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना बुधवार देर रात की है। मृतका सारमी ग्राम निवासी पुतुल पंडा की पुत्री नीतू कुमारी है। बुधवार को सारमी गांव में दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन एवं मेला था। कुछ महीने पूर्व ही मृतका की मां का निधन लंबी बीमारी से हो गया था। तभी से किशोरी काफी परेशान रहती थी। परिजनों एवं पड़ोसियों के अनुसार बुधवार की रात में मेले के बाद नीतु अपने कमरे में जाकर सो गई थी। गुरुवार को सुबह जब काफी देर तक उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों की मदद से परिजनों ने कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। कमरे में नीतू का शरीर फंदे के सहारे छप्पर से लटका हुआ था। फंदे के सहारे शरीर को लटकता देख परिजनों ने रामगढ़ थाना में सूचना दी। इसके बाद एएसआई राम लखन पाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा शव को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल दुमका भेजा। मृतका नीतु के पिता तथा बड़ी बहन के अनुसार मां की मौत के बाद से ही नीतू परेशान रहती थी। साथ ही परिवार में आर्थिक परेशानी भी थी। इस वजह से पहले भी उसने कई बार आत्महत्या का प्रयास किया था।

कुलाधिपति से मिलकर अपनी समस्याओं को रखा

दुमकाःसिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के चहुमुखी विकास को लेकर एसकेमुटा के प्रवक्ता डॉ शंभु कुमार सिंह ने झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति से भेंटकर विस्तृत चर्चा की। श्री सिंह ने कुलाधिपति से अपनी बातों को रखते हुए कहा कि सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय झारखंड के सुदूर इलाके में बसा है इसीलिए इस पर सरकार की विशेष दृष्टि की आवश्यकता है। उन्होंने कुलाधिपति का इस ओर भी ध्यान आकर्षित किया कि विश्वविद्यालय में सीनेट और सिंडीकेट के सदस्यों का भी मनोनयन बहुत दिनों से नहीं हो सका है जिस कारण से अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर ससमय कार्यवाही नहीं हो पाती है। विश्वविद्यालय के विकास के लिए एक विशेष कार्य पदाधिकारी के पदस्थापन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। पिछले दिनों विश्वविद्यालय के शिक्षकों के आवश्यक अवकाश को भी कम कर दिया गया है जिससे उनके अकादमिक गतिविधियों में शिथिलता आई है।

डॉ विनोद कुमार शर्मा को मिला इंटरमीडिएट में प्रभारी प्राचार्य का दायित्व

दुमकाःसंताल परगना कॉलेज के प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव ने मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष सह मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केन्द्र के निदेशक डॉ विनोद कुमार शर्मा को नैक कोऑर्डिनेटर, असिस्टेंट एकेडमिक डीन, के अतिरिक्त कॉलेज के अकादमिक कार्य के निर्वहन करने हेतु इंटरमीडिएट प्रभारी प्राचार्य का दायित्व देते हुए उन्हें स्वागत के साथ प्राचार्य के कुर्सी पर बैठाया। प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद कुमार ने उम्मीद जताया कि डॉ विनोद कुमार शर्मा अपने दायित्व निर्वहन में खरा उतरेंगे एवं इंटरमीडिएट की अपेक्षित सभी कक्षाएं सुचारू रूप से एवं अनुशासनात्मक तरीके से रूटीन के तहत नियमित चलेगी। प्रभार ग्रहण करने के बाद डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि गत दिनों में कॉलेज से लेकर यूनिवर्सिटी तक जो भी दायित्व सौंपा गया उसे उन्होंने सफलतापूर्वक निभाया है। इस कार्य को भी जमीनी हकीकत बनाने का प्रयास करेंगे। साथ ही कॉलेज में उत्तम शैक्षणिक वातावरण बनाने में अहम योगदान देंगे। मौके पर पूर्व इंटरमीडिएट प्रभारी प्राचार्य डॉ शंभु कुमार सिंह ने भी बधाई देते हुए कार्य सफलता की शुभकामनाएं भी दिए। इस अवसर पर डॉ पूनम बिंझा, डॉ सुमित्रा हेंब्रम, डॉ कुमार पियूष, डॉ रूपम कुमारी, डॉ अनिता चक्रवर्ती, डॉ कुमार सौरभ, डॉ चंद्रशेखर रजक, डॉ बिनीता रानी टोप्पो, डॉ यदुवंश, डॉ पुष्पा कुमारी, डॉ सैमुएल किस्कू, डॉ वेद प्रकाश सहाय, डॉ रवि शंकर कुमार, डॉ अजित सिंह, डॉ सुजीत कुमार, डॉ त्रिजा जेनिफर टोप्पो, डॉ किलिश मरांडी, डॉ उपेंद्र कुमार, डॉ मनीष कुमार, आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिए।

विजयपुर में स्थित मुक्तिधाम की समस्या को लेकर सिविल सोसायटी के सदस्यों ने नप के कार्यपालक पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

दुमकाःदुमका विजयपुर अवस्थित मुक्तिधाम में निम्नलिखित असुविधा को दूर करने के लिए कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद को एक ज्ञापन तथा इसकी प्रतिलिपि उपायुक्त, दुमका के कार्यालय में दिया। ज्ञापन में नवनिर्मित विद्युत शवदाह गृह जिसका कार्य पूर्णरुपेण हो चुका है किंतु अब तक उसे चालू नहीं किया गया है। जिसके चलते दुमका के जनमानस को काफी कठिनाई हो रही है,साथ ही मुक्तिधाम में लगे हाईमार्क्स लाइट खराब पड़ा हुआ है इसकी भी मरम्मती आवश्यक है और पूरे परिसर में जंगल झाड़ी उग गए हैं। इसकी सफाई के साथ-साथ अंतिम संस्कार में लाने समय लोग शव के साथ कपड़े,चादर,गद्दा,तकिया और दवाइयां ले आते हैं। और जहां-तहां फेंक कर चले जाते हैं, इसको फेंकने का एक समुचित व्यवस्था बड़ा सा कुड़ादान लगाकर और समयानुसार इन सामग्रियों को नष्ट कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए आवश्यक है ताकि यें गंदगी मयुराक्षी नदी में न जाएं। मुक्तिधाम से महज 100 मीटर पर ही हिजला ग्रामीण जलापूर्ति योजना का इंटकवेल स्थापित है जहां से लोगों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यें अलग बात हैं कि इंटकवेल से जल उठाव के बाद फिल्टर किया जाता है किंतु जितना संभव है हमें सफाई पर ध्यान देना जरूरी है।प्रतिनिधि मंडल में सिविल सोसायटी दुमका के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा उपाध्यक्ष प्रेम केसरी,सचिव संदीप कुमार जय बमबम,कार्यकारिणी सदस्य रामाकांत साह,अधिवक्ता संजीव कुमार दास,लक्ष्मी नारायण साह, अरुण कुमार गुप्ता,सोनू कुमार शामिल थे।

नेस्ले इंडिया के दूसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट में मामूली गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। एफएमसीजी सेक्टर की प्रमुख कंपनियों में से एक नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के अपने नतीजों को ऐलान किया। 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में कंपनी के नेट प्रॉफिट में मामूली गिरावट हुई है। तिमाही के दौरान कंपनी को वस्तुओं की ज्यादा कीमतों सामना करना पड़ा, और इसके कुछ प्रमुख ब्रांडों की उपभोक्ता मांग में कमी देखी गई। नेस्ले इंडिया का नेट प्रॉफिट 0.94 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 899.49 करोड़ पर आ गया। कंपनी ने एक साल पहले की समान अवधि यानी दूसरी तिमाही 24 में 908.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। हालांकि, सितंबर तिमाही में नेस्ले इंडिया का उत्पादों की बिक्री से रेवेन्यू 1.3 प्रतिशत बढ़कर 5,074.76 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 5,009.52 करोड़ रुपये था। नेस्ले इंडिया का ऑपरेशन से रेवेन्यू, जिसमें अन्य ऑपरेशन रेवेन्यू भी शामिल है, 1.33 प्रतिशत बढ़कर 5,104 करोड़ रुपये था। पिछली सितंबर तिमाही में यह 5,036.82 करोड़ पर था। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ने कहा, खासकर कॉफी और कोको जैसी वस्तुओं की उच्च कीमतों के साथ चुनौतीपूर्ण मौहाल के बावजूद, नेस्ले इंडिया ने विकास प्रदान करने की अपनी कोशिश में मजबूती बनाए रखी। उन्होंने कहा, "इस तिमाही में, हमारे टॉप 12 ब्रांडों में से 5 ने दो अंकों की वृद्धि दर्ज की। हालांकि, कुछ प्रमुख ब्रांडों पर कमजोर उपभोक्ता मांग का दबाव रहा, और हम उन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और उनके लिए मजबूत कार्य योजनाएं तैयार की हैं। यह देखकर खुशी होती है कि पिछले 9 महीनों में हमारे टॉप 12 ब्रांडों में से 65 प्रतिशत, जिसमें मैगी नूडल्स भी शामिल हैं, ने सकारात्मक वॉल्यूम वृद्धि दर्ज की है।"

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 494 , निफ्टी 221 अंक गिरा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे भारतीय बाजार पर दबाव पड़ा है और वह नीचे आया । आज कारोबार के दौरान । रियल्टी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयरों में भारी बिकवाली से भी बाजार गिरा । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 0.61 फीसदी तकरीबन 494.75 अंक नीचे आकर 81,006.61 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी पकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.89 फीसदी तकरीबन 221.45 अंक फिसलकर 24,749.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 41 कंपनियों के शेयर नीचे आये जबकि केवल 9 के शेयर ही लाभ में रहे। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में नेस्ले इंडिया का शेयर 3 फीसदी से ज्यादा गिरा । सितम्बर तिमाही का लाभ भी 0.94 फीसदी नीचे आकर 899.49 करोड़ रुपये रहने से एफएमसीजी कंपनी के शेयर में यह गिरावट आई है। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टाटा स्टील, मारुति, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स के शेयर भी नीचे आये। वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस, टीसीएस (टीसीएस

), टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक जैसी आईटी कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, एल एंड टी के शेयर भी लाभ पर बंद हुए। जानकारों के अनुसार बाजार में गिरावट का एक बड़ा कारण बजाज ऑटो के शेयरों का नीचे आना रहा। बजाज ऑटो के शेयर आज 12 फीसदी तक नीचे आये। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 3,435.94 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए जबकि यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार पॉजिटिव दायरे में बंद हुए थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई। अमेरिकी शेयर बाजार की तेजी से उत्साहित होकर बाजार में लगातार दो दिन से जारी गिरावट पर ब्रेक लग गया। बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी ने हरे निशान पर कारोबार की शुरुआती की। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 192 अंक की बढ़त लेकर 81,693 पर खुला।

वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 0.06 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 4,986 पर खुला। विदेशी बाजारों की बात करें तो एशिया-पैसिफिक बाजारों में वॉल स्ट्रीट की बढ़त के बाद तेजी देखी जा रही है। जापान का निक्की 225 इंडेक्स 0.27 फीसदी बढ़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.85 फीसदी चढ़ा। कोरिया का कोस्पी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

हल्दीराम की प्रमोटर फैमिली का फैसला अब 10 से 15 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे

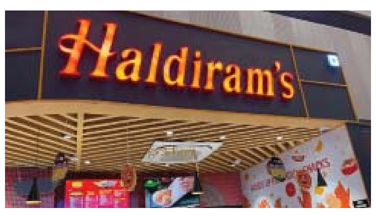

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के प्रमुख नमकीन और मिठाई ब्रांड हल्दीराम को खरीदने के लिए दुनिया की बड़ी कंपनियां दिलचस्पी ले रही हैं। हल्दीराम की प्रमोटर फैमिली ने पहले मैज्योरिटी हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उन्होंने योजना में बदलाव किया है। कंपनी अब 10 से 15 फीसदी हिस्सा ही बेचेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बेन कैपिटल, ब्लैकस्टोन, और टेमासेक होल्डिंग्स जैसी प्राइवेट इक्विटी फर्मों ने हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने में रुचि है। हालांकि, इन कंपनियों ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। हल्दीराम का बिजनेस मुनाफे में है और स्नैक्स मार्केट में इसका प्रदर्शन मजबूत है। 2032 तक भारतीय स्नैक्स मार्केट के दोगुना होकर 95,521.8 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है, जो इसे निवेश के लिए आकर्षक बनाता है। इससे पहले मई में खबरें आई थीं कि ये कंपनियां हल्दीराम की 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 8-10 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर बातचीत कर रही थीं लेकिन वैल्यूएशन को लेकर मतभेदों के चलते यह सौदा टल गया। हल्दीराम ने आईपीओ लाने पर भी विचार किया था, लेकिन इस पर बात नहीं बनी। हल्दीराम का बिजनेस नागपुर और दिल्ली गुटों के मर्जर के बाद एकीकृत हो चुका है। हल्दीराम स्नैक्स फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड की 56फीसदी और हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की 44फीसदी हिस्सेदारी है। बता दें हल्दीराम की शुरुआत 1937 में गंगा बिसन अग्रवाल ने की थी और आज यह कंपनी 100 से ज्यादा देशों में 400 से ज्यादा फूड आइटम्स बेच रही है। हल्दीराम का मुख्य मुकाबला बालाजी वैफर्स, बीकानेरवाला, आईटीसी, पार्ले प्रॉडक्ट्स, और पेप्सिको जैसी कंपनियों से है। हल्दीराम की भारतीय स्नैक्स मार्केट में 21फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि पेप्सिको की 15फीसदी है।

केंद्रीय कैबिनेट से गुहार.......रॉकेट हो गए रेलवे से जुड़ी कंपनियों के शेयर

मुंबई (ईएमएस)। गुरुवार को शेयर बाजार में रेलवे से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में भारी उछाल देखा गया और बीएसई पर इनकी कीमतों में 7.27 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, इस दौरान बाजार रुक्षान कमजोर रहा। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन (आईआरएफसी), इरकोन इंटरनेशनल, आरआईटीईएस, रेल विकास निगम (आरवीएनएल), और टीटागढ़ रेल सिस्टम्स (टीआरएसएल) के शेयरों में 2.45 प्रतिशत से लेकर 7.27 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। वहीं, बीएसई सेंसेक्स 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,083.05 पर कारोबार कर रहा था। इन शेयरों में तेजी का कारण केंद्रीय कैबिनेट द्वारा उत्तर प्रदेश में रेल मंत्रालय के लिए एक मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलना है। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 2,642 करोड़ रुपये है। रियोजना से रेलवे

की माल ढुलाई क्षमता में बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिसमें करीब 2.8 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई का अनुमान है। केंद्रीय कैबिनेट ने कहा कि "प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना रेलवे ऑपरेशन को आसान बनाएगी और भीड़भाड़ को कम करेगी, इससे भारतीय रेल के सबसे व्यस्त हिस्सों में जरूरी सुविधाओं का विकास होगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के वाराणसी और चंदौली जिलों में फैली हुई है। कैबिनेट ने कहा, इस परियोजना के तहत भारतीय रेलवे के नेटवर्क में करीब 30 किलोमीटर का विस्तार होगा और इसके साथ ही 149 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, जो छह करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। व्यक्तिगत शेयरों में, रेल विकास निगम (आरवीएनएल) 7.27 प्रतिशत उछलकर 514.40 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। इरकोन इंटरनेशनल 3.58 प्रतिशत बढ़कर 231.35 रुपये, तितागढ़ रेल सिस्टम्स 7.10 प्रतिशत बढ़कर 1,212.90 रुपये, आरआईटीईएस 4.30 प्रतिशत बढ़कर 318.45 रुपये और आईआरएफसी 2.45 प्रतिशत बढ़कर 154.40 रुपये पर कारोबार कर रहा था। टेक्समा को रेल एंड इंजीनियरिंग भी 2.35 प्रतिशत बढ़कर 215.35 रुपये पर पहुंचा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ ही 84.05 रुपये पर बंद हुआ । आज सुबह रुपया गुरुवार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले हल्की बढ़त लेकर 83.77 पर खुला । बाजार के जानकारों का कहना है कि विदेशी मुद्रा में कमजोरी की वजह से रुपया को बल मिला है। वहीं बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया सीमित दायरे में कारोबार के बाद दो पैसे की बढ़त के साथ 84.02 प्रति डॉलर पर बंद हुआ । कच्चे तेल की घटती कीमतों से निवेशकों की कारोबारी धारणा को समर्थन मिला । विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि मजबूत डॉलर और घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के कारण रुपये पर दबाव पड़ा, जबकि कमजोर कच्चे तेल की कीमतों और भारतीय रिजर्व बैंक के किसी भी संभावित हस्तक्षेप से रुपये को निचले स्तर पर समर्थन मिला।

टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट से विशेष इकाई प्राप्त की

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा पावर ने आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से एक विशेष इकाई (एसपीवी) ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड हासिल कर ली है। टाटा पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, उसे ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड से आशय पत्र (एलओआई) मिला है। इसका वार्षिक पारेषण शुल्क 289.729 करोड़ रुपये है।कंपनी सूचना के अनुसार, परियोजना एसपीवी ईआरईएस-एक्सएक्सएक्सआईएक्स को निर्माण-स्वामित्व-संचालन-हस्तांतरण के आधार पर विकसित किया जाएगा। यह वाणिज्यिक संचालन की निर्धारित तारीख 31 दिसंबर 2027 से 35 वर्षों के लिए पारेषण सेवा प्रदान करेगा।

अमेरिका में 43 फीसदी छोटी कंपनियों का बुरा हाल

उच्च ब्याज दरों के कारण ब्याज चुकाना भी हो रहा मुश्किल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में छोटी कंपनियों का बुरा हाल है। रसेल 2000 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से 43 फीसदी घाटे में चल रही हैं। यह साल 2020 की महामारी के बाद सबसे अधिक है। यह 2008 के वित्तीय संकट से भी अधिक है तब 41 फीसदी छोटी कंपनियां घाटे में चल रही थीं। इतना ही नहीं इन कंपनियों का ब्याज के भुगतान पर भारी रकम खर्च करनी पड़ रही है। यह 2003 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। उच्च ब्याज दरों के कारण इन कंपनियों के लिए ब्याज चुकाना भी मुश्किल हो रहा है। अमेरिका में छोटी कंपनियां ही नहीं बल्कि बड़ी कंपनियां भी मुश्किल में हैं। इस साल अब तक 512 बड़ी कंपनियां खुद को दिवालिया घोषित कर चुकी हैं। यह 2020 की महामारी के दौरान से बस 6 कम है। महामारी के दौर को हटा दिया जाए तो यह 14 साल में सबसे बड़ी संख्या है। सितंबर में जहां 59 कंपनियां दिवालिया हुईं, वहीं अगस्त में 63 कंपनियों ने खुद को बैंकरप्ट घोषित किया। सबसे ज्यादा 81 कंपनियां कंज्यूमर सेक्टर में बैंकरप्ट हुई हैं। इंडस्ट्रियल में 60 और हेल्थकेयर में 48 कंपनियां इस साल बैंकरप्ट हुई हैं। इस बीच अमेरिका का कर्ज तेजी से बढ़ता जा रहा है। यह 35.7 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जो उसकी इकॉनम का करीब 125 फीसदी है। साल 2000 में अमेरिका पर 5.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो साल 2010 में 12.3 ट्रिलियन डॉलर और 2020 में 23.2 ट्रिलियन डॉलर पहुंचा था। यूएस कांग्रेस के बजट दस्तावेजों के मुताबिक अगले दशक तक देश का कर्ज 54 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। पिछले तीन साल में ही देश का कर्ज 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक बढ़ चुका है। स्थिति यह हो गई है कि अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर ब्याज के भुगतान में खर्च करने पड़ रहे हैं।

भारत बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था......लेकिन यहां चिंता

मुंबई (ईएमएस)। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने गुरुवार जारी अपनी रिपोर्ट में बताया कि भारत बेशक सबसे तेज अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या और पर्यावरण को लेकर चुनौतियां भी दरकिनार नहीं की जा सकती है। रिपोर्टों का कहना है कि भारत में कार्बन-उत्सर्जन संबंधी चुनौतियां बड़ी बाधाओं के रूप में उभर सामने आ रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि भारत 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर (30 लाख करोड़ डॉलर) की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है, अभी फिलहाल यह 3.6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले तीन सालों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। एक अन्य रेंटिग एजेंसी ने कहा कि 2035 तक, उभरते बाजार ग्लोबल इकनॉमिक ग्रोथ का

लगभग 65 प्रतिशत योगदान देगा, जिसमें भारत, चीन, वियतनाम और फिलीपींस जैसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देश प्रमुख भूमिका निभाएंगे। रेंटिग एजेंसी ने कहा, इस दौरान, भारत के तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। 2035 तक, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा,वहीं इंडोनेशिया आठवें और ब्राजील नौवें स्थान पर होगा। एजेंसी ने कहा 2035 तक एमर्जिंग देशों की औसतन जीडीपी ग्रोथ 4.06 प्रतिशत होगी, जबकि एडवांस अर्थव्यवस्थाओं यानी विकसित देशों के लिए यह 1.59 प्रतिशत होगी। रेंटिग एजेंसी को उम्मीद है कि 2024 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत और 2025 में 6.6 प्रतिशत रहेगी। इसके साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। एजेंसी की रिपोर्ट ने गुरुवार कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर और बढ़ती आबादी से उत्पन्न कार्बन-उत्सर्जन एक गहरी चिंता की बात है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और औद्योगीकरण से एनर्जी और कार्बन-उत्सर्जन वाले प्रोडक्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा होगा। 2022 में भारत का ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन 7.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, और यह अगले कुछ वर्षों में और बढ़ सकता है। जबकि 2019 में यह 6.7 प्रतिशत पर था। गौरतलब है कि भारत ने 2070 तक जीरो उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2030 के अंतरिम डिकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों की दिशा में कुछ प्रगति की है। हालांकि, देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को बढ़ाने का काम करेगी।

सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन को लेकर परामर्श प्रक्रिया अभी जारीः ट्राई प्रमुख

दूरसंचार नियामक सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले सभी सुझावों पर गौर करेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सैटकॉम स्पेक्ट्रम आवंटन के तौर-तरीकों को लेकर खींचतान के बीच ट्राई के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि परामर्श प्रक्रिया अभी जारी है और दूरसंचार नियामक सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले सभी सुझावों पर गौर करेगा। नियामक की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब स्टारलिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क और भारतीय दिग्गजों के बीच सैटेलाइट स्पेक्ट्रम को लेकर गतिरोध जारी है। ट्राई के चेयरमैन लाहोटी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के अवसर पर पत्रकारों से कहा कि हमें दूरसंचार विभाग से संदर्भ मिला है। हमने दूरसंचार विभाग से प्राप्त

संदर्भ के प्रत्युत्तर में परामर्श प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसमें उन मुद्दों को शामिल किया गया है जिन्हें दूरसंचार विभाग द्वारा ट्राई को भेजा गया है, परामर्श प्रक्रिया जारी है हम परामर्श प्रक्रिया के दौरान प्राप्त सभी विचारों पर गौर करेंगे और अपनी सुविचारित सिफारिशें प्रस्तुत करेंगे। रिलायंस जियो की स्थलीय तथा उपग्रह कंपनियों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए ट्राई परामर्श पत्र को संशोधित करने की मांग पर ट्राई के चेयरमैन ने कहा कि विभिन्न हितधारक परामर्श प्रक्रिया पर अलग-अलग मांग उठाते हैं। हम इन सभी दृष्टिकोणों तथा विचारों पर गौर करते हैं और एक सुविचारित दृष्टिकोण अपनाते हैं। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने उपग्रह-आधारित संचार में इस्तेमाल होने वाले स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिये किए जाने की भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी और सुनील भारती मित्तल की मांग को अभूतपूर्व बताते हुए निशाना साधा है। अंबानी की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो पुराने दूरसंचार परिचालकों को समान अवसर देने के लिए नीलामी के जरिये ऐसे स्पेक्ट्रम आवंटित करने की जरूरत पर बल दे चुकी है। भारती एयरटेल के प्रमुख मित्तल ने भी हाल ही में ऐसे आवंटन के लिए बोली लगाने की वकालत की। हालांकि मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक वैश्विक रुख के अनुरूप उपग्रह-आधारित संचार के लिए लाइसेंसों का प्रशासनिक आवंटन किए जाने की मांग कर रही है। स्टारलिंक दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते मोबाइल टेलीफोन और इंटरनेट बाजार भारत में कदम रखने की योजना बना रही है। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी इस रुख से सहमति जताते हुए कहा कि दूरसंचार तरंगों को नीलामी के बजाय प्रशासनिक आवंटन के जरिये दिया जाएगा। सिंधिया ने कहा कि दूरसंचार अधिनियम, 2023 ने इस मामले को अनुसूची एक में रखा है, जिसका मतलब है कि उपग्रह संचार स्पेक्ट्रम को प्रशासनिक रूप से आवंटित किया जाएगा। इसका मतलब यह नहीं है कि स्पेक्ट्रम बिना लागत के आता है। वह लागत क्या होगी और उस लागत का फॉर्मूला क्या होगा, यह ट्राई तय करेगा।

डिजिटल अर्थव्यवस्था 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में एआई निभाएगा अहम भूमिका

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को 2028 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह खुलासा गूगल की रिपोर्ट से हुआ है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 20 फीसदी होगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि एआई न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर उभरने में भी मदद करेगा।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक भारत में एआई के व्यापक उपयोग से कम से कम 33.8 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक मूल्य हासिल हो सकता है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अपनी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, उत्कृष्ट तकनीकी प्रतिभा, युवा जनसंख्या और जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ एआई से मिलने वाले लाभों का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में कहा गया है एआई पहले से ही कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। एआई-संचालित प्लेटफ़ॉर्म एग्रोस्टार किसानों को सशक्त बनाकर फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद कर रहा है। इसी तरह स्वास्थ्य सेवा में, एआई निदान में सुधार कर रहा है और वंचित समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ा रहा है। भारत में एआई के संभावित लाभों को बढ़ावा देने के लिए रिपोर्ट ने तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया है- जिसमें बुनियादी ढांचे और नवाचार में निवेश, मानव पूंजी और एआई-सशक्त कार्यबल का निर्माण एआई के व्यापक अपनाने और सार्वभौमिक पहुंच को प्रोत्साहित करना शामिल है। गूगल का लक्ष्य है कि वह भारत में 10 मिलियन लोगों को एआई डिजिटल साक्षरता से सशक्त बनाए, जिसमें छात्र, नौकरी चाहने वाले, शिक्षक, स्टार्टअप, डेवलपर्स, और सिविल अधिकारी शामिल हैं। यह प्रयास भारत को एक वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

इंटेग्रम एनर्जी ने आईपीओ लाने के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता इंटेग्रम एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज जमा कर दिए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष जमा किए दस्तावेजों के अनुसार आईपीओ 49.50 लाख के ताजा शेयर और निर्गम तथा प्रवर्तकों द्वारा 5.40 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। बयान में कहा गया कि कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। नए निर्गम से हासिल राशि का इस्तेमाल अनुषंगी कंपनी इंटेग्रम ग्रीन एसेट्स में निवेश के लिए किया जाएगा, ताकि दो मेगावाट पीक (एमडब्ल्यूपी) सौर संयंत्र की स्थापना के लिए वित्तपोषण किया जा सके और कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

संक्षिप्त ख़बरें

ईरान के बॉर्डर गार्ड्स ने 250 अफगान नागरिकों को मौत के घाट उतारा

तेहरान (ईएमएस)। ईरान के बॉर्डर गार्ड्स की ओर से अफगानिस्तान सीमा पर की गई गोलीबारी में 250 अफगान नागरिकों की मौत हुई है। ईरान मानवाधिकार संगठन (हलवाश) ने ये दावा किया है। संगठन के मुताबिक ये लोग अफगान शरणार्थी थे, जो ईरान की सीमा में प्रवेश कर रहे थे।संगठन ने पीड़ितों के शवों को दिखाते हुए एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें बताया गया है कि इन व्यक्तियों को सीमावर्ती क्षेत्र में मार दिया गया। खुलासा हुआ है कि प्रवासियों के समूह में 300 से ज्यादा लोग शामिल थे। इस समूह में से 50 ही जिंदा बच सके। इस गुट के बाकी लोग गोलीबारी में मारे गए।यह रिपोर्ट ईरानी बलों के अफगान शरणार्थियों के उत्पीड़न, यातना और दुर्व्यवहार की खबरों के बीच आई है। ईरानी सीमा रक्षकों की कार्रवाई पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी तीखी प्रतिक्रिया हुई है। हालांकि अभी तक अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के अधिकारियों की ओर से मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।ईरान में बड़ी संख्या में अफगान शरणार्थी हैं लेकिन इनकी स्थिति काफी गंभीर है। ईरान में अफगान शरणार्थियों को मानवीय और बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका का नामो-निशान मिटने तानाशाह की सेना में शामिल हो रहे युवा

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया में एक हफ्ते में 14 लाख मिलियन युवाओं ने सेना में शामिल होने या फिर से फौज में लौटने का आवेदन किया है। ये तब हुआ है, जब उत्तर कोरिया की ओर से दक्षिण कोरिया पर ड्रोन घुसपैठ का आरोप लगाया गया था। इसके बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ा और स्थिति युद्ध जैसी बन गई थी।सरकारी मीडिया के मुताबिक, लाखों छात्रों, युवा लीग कार्यकर्ताओं और युवाओं ने सेना में शामिल होने के लिए याचिका पर हस्ताक्षर किए। इन लोगों ने दुश्मन को खत्म करने के लिए लड़ने की कसम खाई है। मीडिया रिपोर्ट में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें युवाओं की भीड़ किसी अज्ञात स्थान पर याचिकाओं पर हस्ताक्षर कर रही है।तानाशाह की सरकार का दावा है कि कोरियाई पीपुल्स आर्मी में भर्ती होने के लिए लाखों युवा अपनी मर्जी से सामने आकर आवेदन कर रहे हैं।यह तब है, जब कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव चरम पर है। उत्तर कोरिया पहले भी अपनी सेना के बारे में इस तरह के दावे करता रहा है।पिछले साल दावा किया गया था कि उसके आठ लाख युवा अमेरिका के खिलाफ लड़ने के लिए स्वेच्छा सेना में शामिल हुए हैं। 2017 में भी 35 लाख युवाओं के सेना में शामिल होने की बात कही गई थी। हालांकि उत्तर कोरिया के दावों की कभी भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

इमरान खान को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में चांसलर पद पर कोई चांस नहीं, रेस से बाहर

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई नेता इमरान खान को एक और झटका लगा है। ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने जेल में बंद पाकिस्तानी नेता का नाम चांसलर पद की रेस से हटा दिया है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने चुनाव के लिए योग्य उम्मीदवारों की सूची जारी की है, इसमें इमरान का नाम शामिल नहीं है। इसके पहले पाकिस्तान की जेल से ही इमरान ने यूनिवर्सिटी के चांसलर पद के लिए आवेदन करके सभी को चौंका दिया था।इमरान की भले ही चांसलर की रेस से छुट्टी हुई है, लेकिन भारत के लिए अच्छी खबर है। इस बार चांसलर की रेस में तीन भारतीय शामिल हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने नए चांसलर की दौड़ में शामिल 38 आखिरी नामों में घोषणा की। इसमें बर्कशायर में ब्रैकनेल फॉरेस्ट के पहले भारतीय मूल के मेयर अंकुर शिव भंडारी, अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता के प्रोफेसर निरपाल सिंह पॉल बंघाल और मेडिकल प्रोफेशनल प्रतीक तरवडी का नाम शामिल है।इसके अलावा कंजर्वेटिव पार्टी के पूर्व नेता लॉर्ड विलियम हेग और पूर्व लेबर नेता लॉर्ड पीटर मैंडेलसन चांसलर की रेस में शामिल वरिष्ठ राजनेताओं में शामिल हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कहा कि पहली बार खुले आवेदन आमंत्रित किए गए थे और चांसलर चुनाव समिति ने नियमों के अनुसार सभी आवेदनों की समीक्षा की।इसके पहले इमरान की पार्टी पीटीआई ने उनके ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का चांसलर बनने के लिए आवेदन की जानकारी दी थी। पीटीआई नेता जुल्फिकार बुखारी ने कहा था, इमरान के निर्देशानुसार, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी चांसलर चुनाव 2024 के लिए उनका आवेदन पत्र जमा किया गया है।अब यूनिवर्सिटी से जारी की सूची से साफ हो गया है कि इमरान इस रेस से बाहर हो गए हैं। ऑक्सफोर्ड ने कहा है कि सभी आवेदकों को इसके फैसले के बारे में जानकारी दे दी गई है। हालांकि, ऑक्सफोर्ड ने नाम खारिज किए गए जाने का कोई कारण नहीं बताया, लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने संकेत दिया था कि खान को अपने देश में आपराधिक मामलों में दोषसिद्धि के चलते पद के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है।

तानाशाह ने आधिकारिक तौर पर माना दक्षिण कोरिया शत्रु राष्ट्र

प्योंगयान (ईएमएस)। सनकी तानाशाह के देश उत्तर कोरिया ने हाल में संशोधित किए गए अपने संविधान में दक्षिण कोरिया को पहली बार ''शत्रु राष्ट्र माना है। उत्तर कोरिया ने इसकी पुष्टि की है। उ.कोरिया की संसद ने संविधान में परिवर्तन करने के लिए पिछले सप्ताह दो दिन तक बैठक की थी, लेकिन मीडिया को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।दरअसल किम जोंग उन ने जनवरी में द.कोरिया को देश का मुख्य शत्रु घोषित करने, शांतिपूर्ण कोरियाई एकीकरण के लक्ष्य को समाप्त करने तथा उत्तर कोरिया की संप्रभुता एवं क्षेत्र को परिभाषित करने के लिए संविधान में बदलाव का आह्वान किया था। हाल में उ.कोरिया ने उन सड़कों और रेल संपर्क सुविधाओं को ध्वस्त कर दिया जो अब उपयोग में नहीं हैं और जो कभी उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया से जोड़ती थीं।

अमेरिका का हूती चरमपंथियों पर हमला पहली बार बी-2 स्टील्थ बॉम्बर का इस्तेमाल

सना,(ईएमएस)। अमेरिकी ने यमन में हूती चरमपंथियों पर हमला किया है। एक रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों ने बताया है कि हमले में हूतियों के बमों के जखीरे को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड फोर्स ने यमन के हूती नियंत्रित क्षेत्रों में ईरान समर्थित हूती हथियार भंडारण सुविधाओं पर कई हवाई हमले किए।अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि जिन सुविधाओं को निशाना बनाया गया, उनमें लाल सागर और अदन की खाड़ी में सैन्य और नागरिक जहाजों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार रखे गए थे। यह पहली बार है जब अमेरिका ने यमन में हूतियों के खिलाफ स्टील्थ बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। ये हमला यमन में स्थानीय समयानुसार गुरुवार सुबह किया गया।बी-2 स्पिरिट बॉम्बर फाइटर जेट की तुलना में बहुत बड़ा स्टील्थ प्लेटफॉर्म है। यह फाइटर जेट की तुलना में काफी ज्यादा मात्रा में बमों को ले जाने में सक्षम है। खास बात ये है कि गुरुवार का हमला अमेरिका ने अकेले किया है, जबकि इसके पहले वह ब्रिटेन के साथ यमन में कार्रवाई करता रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने अनुमान लगाया है कि 5 नवम्बर को होने वाले अमेरिकी चुनाव से पहले इजराइल ईरान के मिसाइल हमले का जवाब देगा। इस बीच लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और गाजा में हमास के साथ उसका संघर्ष जारी है।

चीन ने की चांद पर बेस बनाने की घोषणा

बीजिंग(ईएमएस)। चीन ने सिर्फ बेस ही नहीं बल्कि अगले कुछ दशकों में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार करने के लिए मानवयुक्त चंद्र मिशन शुरू करने, चंद्र अंतरिक्ष स्टेशन बनाने तथा रहने योग्य ग्रहों और अन्य ग्रहों पर जीवन की खोज का प्लान बनाया है। चीन ने कहा कि अगले कुछ दशकों में ये काम भी पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान चीन ने अंतरिक्ष मिशन को लेकर 2050 तक की अपनी पूरी प्लानिंग बताई।अंतरिक्ष जगत में चीन और अमेरिका अक्सर एक दूसरे को टक्कर देते रहते हैं। नासा और सीएनएसए के बीच एक दूसरे से आगे रहने की होड़ मची रहती है। नासा को टक्कर देने के लिए चीन की अंतरिक्ष एजेंसी सीएनएसए ने 2050 तक की पूरी प्लानिंग कर ली है और आने वाले कुछ सालों में चीन अंतरिक्ष पर अपना बेस भी तैयार कर लेगा।चीन के शीर्ष अंतरिक्ष निकायों ने अंतरिक्ष विज्ञान के लिए दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम का अनावरण किया, जो 2024 से 2050 तक देश के अंतरिक्ष विज्ञान मिशन और अंतरिक्ष अनुसंधान की योजना का मार्गदर्शन करेगा।कार्यक्रम के अनुसार, चरम ब्रह्मांड का विषय ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास की खोज, चरम ब्रह्मांडीय परिस्थितियों के तहत भौतिक नियमों का खुलासा, डार्क मैटर और ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास, साथ ही ब्रह्मांडीय बारियोनिक पदार्थ का पता लगाने पर केंद्रित है।

एससीओ बैठकः पाकिस्तान-भारत ने एक दूसरे पर सीधा हमला बोलने से किया परहेज

दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने का पहला संकेत

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने के बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत लौट गए हैं। जयशंकर ने स्वागत करने के लिए पाकिस्तान को धन्यवाद दिया। पाकिस्तानी मीडिया ने एक वीडियो जारी करके दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच खाने की मेज पर अनौपचारिक बातचीत हुई। भारत के किसी विदेश मंत्री की एक दशक के बाद यह पहली पाकिस्तान यात्रा थी। इस दौरे पर पाकिस्तान और भारत दोनों ने एक-दूसरे पर सीधा हमला बोलने से परहेज किया।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय विदेश मंत्री ने इस्लामाबाद आने से पहले साफ कर दिया था कि वह कोई भी द्विपक्षीय बातचीत नहीं करेंगे। इसके बाद जयशंकर और पाकिस्तानी डेप्युटी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार के बीच खाने की मेज पर बातचीत हुई। वहीं नवाज शरीफ ने एससीओ समिट शुरू होने से ठीक पहले एक इंटरव्यू में भारत से रिश्ते सुधारने की बात कही है। विश्लेषकों का कहना है कि नवाज शरीफ के अनुरोध और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के तीखे बयान नहीं देने के बाद यह अनौपचारिक बातचीत संभव हुई।रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बातचीत भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते में जमी बर्फ को पिघलने का पहला संकेत है। पाकिस्तान सरकार के सूत्र ने दावा किया कि शहबाज शरीफ ने जब कोई तीखा बयान नहीं दिया तो जयशंकर ने भी इससे परहेज किया। शहबाज ने एससीओ चार्टर के मुताबिक भाषण दिया। यही नहीं भारतीय विदेश मंत्री ने बिलावल भुट्टो से इतर जैसा कि वादा किया था, अपने पूरे दौरे में गरिमापूर्ण व्यवहार किया। इससे पहले जब पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो गोवा में एससीओ की बैठक में आए थे तब उन्होंने भारत के खिलाफ जहरीला बयान दिया था। इसको लेकर पाकिस्तानी विश्लेषकों ने भी बिलावल की आलोचना की थी।जयशंकर ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार का आभार जताया। उन्होंने एक दिवसीय दौरे के समापन के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए उनको धन्यवाद दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट में लिखा-इस्लामाबाद से प्रस्थान कर रहा हूं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार तथा पाकिस्तान सरकार को आतिथ्य और शिष्टाचार के लिए धन्यवाद।

ट्रंप की चुनावी रैली में गानों पर नाच रहे लोग

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी ताकत झोंक दी है। ट्रंप लगातार रैलियां और प्रचार करने में व्यस्त हैं लेकिन इस बीच उनका एक ऐसा वीडियो सामने आया है जो वायरल हो गया है। दरअसल, पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की एक चुनावी रैली थी। रैली देखते ही देखते संगीत समारोह में बदल गई। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने भी भीड़ के सामने डांस मूव्स किए। अब उनके डांस का यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।रैली के दौरान ट्रंप हल्के फुल्के मूड में दिखाई दिए। इस दौरान उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या कोई और बेहोश होना चाहेगा। चलो अब और सवाल नहीं करते। चलो बस संगीत सुनते हैं। चलो इसे संगीत में बदल देते हैं। कौन सवाल सुनना चाहता है, है न? इसके बाद पूरा माहौल ही बदल गया, आधे घंटे से अधिक समय तक ट्रंप की प्लेलिस्ट जोर-जोर से बजती रही, जबकि वे ज्यादातर समय मंच पर खड़े होकर उसे सुनते रहे और धीरे-धीरे डांस करते रहे।यह पहला मौके नहीं है जब ट्रंप ने अपने डांस मूव्स दिखाए हैं। इससे पहले अगस्त में मॉम्स फॉर लिबर्टी प्रोग्राम में उन्होंने डांस किया।

गांव में फोटोकॉपी मशीन को लेकर आमने सामने हुए कमला हैरिस और एलन मस्क

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अब फोटोकॉपी मशीन की एंट्री हो गई है। मात्र दो सप्ताह चुनाव के बचे हैं और दोनो प्रत्याशी मतदाताओं को रिझाने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं। लेकिन कई बार दांव उल्टा भी पड़ जाता है। बीते रोज राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने गांव में फोटोकॉपी मशीन की उपलब्धता का सवाल उठाया तो टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क भड़क गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि इन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार किसने बना दिया। एक शख्स ने एक्स पर लिखा, 'कमला हैरिस ने बेतुके ढंग से कहा कि ग्रामीण अमेरिकियों के लिए अपने पहचान पत्र की फोटोकॉपी करना लगभग असंभव है।' जिसके बाद एलन मस्कर ने इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए जोर-जोर से हंसने वाली इमोजी शेयर की। इसके साथ मस्कर ने कैप्शन में लिखा, 'यह कैसे संभव है कि यह व्यक्ति किसी तरह यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार हो?' दरअसल, कमला हैरिस ने अमेरिका के गांवों में फोटोकॉपी मशीन की उपलब्धता का मुद्दा उठाया था।उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने शनिवार को वोटर आईडी कानून पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि ग्रामीण अमेरिकी अपने वोटर आईडी की फोटोकॉपी तक नहीं करवा सकते। मुझे नहीं लगता कि हमें इस बात को कम आंकना चाहिए कि वोटर आइडी कार्ड कानून पर समझौता क्या मायने रखता है। कुछ लोगों के दिमाग में इसका मतलब यह है कि आपको यह साबित करने के लिए अपनी पहचान की जेरॉक्स या फोटोकॉपी करवानी होगी, ताकि आप यह बता पाएं कि आप कौन हैं।कमला हैरिस ने आगे कहा, खैर बहुत सारे लोग हैं, खासकर ग्रामीण समुदायों में रहने वाले लोग, जो ऐसा नहीं करते। उनके आस-पास कोई किंको नहीं है, कोई ऑफिसमैक्स नहीं है। बेशक लोगों को यह साबित करना होगा कि वे कौन हैं, लेकिन इस तरह से नहीं कि उनके लिए यह साबित करना लगभग असंभव हो जाए कि वे कौन हैं। अमेरिका की उपराष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बाद पूरे देश में वोटर आईडी कानून को लेकर बहस छिड़ गई। इसी बीच एलन मस्क भी इसमें कूद गए।

बेहद अनोखी नौकरियां भी युवाओं के बीच आकर्षण का केंद्र

वॉशिंगटन (ईएमएस)। वर्तमान दौर में पारंपरिक नौकरियों के साथ-साथ कुछ बेहद अनोखी नौकरियां भी युवाओं के बीच आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। ये नौकरियां आपको हंसाने या रुलाने के लिए पैसे देती हैं। इस नए ट्रेंड का मुख्य कारण सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का विकास है, जिन्होंने लोगों को अपनी प्रतिभा को प्रकट करने और उससे अच्छा खासा पैसा कमाने का मौका दिया है। ऐसा ही एक पेशा है लाफ्टर थेरेपिस्ट। इस पेशे में व्यक्ति का मुख्य काम दूसरों को हंसाना होता है। लाफ्टर थेरेपिस्ट्स मानसिक तनाव और चिंता से निपटने के लिए हंसी का उपयोग करते हैं। यह एक प्रकार की चिकित्सा है, जिससे लोगों के मूड को बेहतर किया जाता है। यदि आपके पास लोगों को हंसा सकने की कला है, तो आप कॉमेडियन बन सकते हैं। स्टैंड-अप कॉमेडी, सोशल मीडिया पर जोक्स और कैप्शन शेयर करना, या लाइव शो करना, ये सभी तरीके हैं जिससे कॉमेडियन पैसा कमाते हैं। हास्य अभिनेता फिल्म और टीवी शो में अपनी अभिनय कला से दर्शकों को हंसाते हैं। इनका काम दर्शकों को मनोरंजन और हंसी का अनुभव कराना होता है, जिसके लिए उन्हें बहुत अच्छा भुगतान मिलता है। स्टैंड-अप कॉमेडियन का पेशा पूरी तरह से लाइव परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। स्टैंड-अप कॉमेडियन एक स्टेज पर अपने जोक्स और स्टोरी टेलिंग के जरिए लोगों को हंसा कर अपना शो पेश करते हैं। फिल्म और टीवी शोज में भावनात्मक दृश्यों में अभिनय करना किसी के लिए आसान नहीं होता। कुछ अभिनेता और अभिनेत्री अपने अभिनय के जरिए दर्शकों को भावुक कर देते हैं और इस कला के लिए उन्हें अच्छी कमाई होती है। थेरेपिस्ट्स लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर काम करते हैं। वे उन्हें अपनी भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त करने में मदद करते हैं और जीवन के मुश्किल समय में साथ देते हैं। शोक काउंसलर्स ऐसे पेशेवर होते हैं जो लोगों को उनके निजी नुकसान के बाद मानसिक और भावनात्मक सपोर्ट प्रदान करते हैं। इस कार्य में उन्हें पैसे मिलते हैं, जबकि वे लोगों को उनके दुख से उबारने का काम करते हैं।अंतिम संस्कार के दौरान शोक व्यक्त करना और परिवार वालों के साथ संवेदना दिखाना फ्यूनरल डायरेक्टर पेशे का हिस्सा होता है। फ्यूनरल डायरेक्टर्स लोगों के अंतिम संस्कार के समय उनके साथ होते हैं और उन्हें सांत्वना देते हैं। अब जब लोग अपनी क्रिएटिविटी और स्किल्स के दम पर खुद को स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, तब यह अजीबोगरीब नौकरियों की मांग भी बढ़ी है। इन नौकरियों के माध्यम से लोग अपनी पसंद और शौक को पेशेवर रूप में बदल रहे हैं और अच्छा पैसा कमा रहे हैं। हंसने और रोने के लिए पैसे देना एक नए दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिससे यह सिद्ध होता है कि व्यक्ति अपनी कला और जुनून से किसी भी कार्य को करियर में बदल सकता है।

लाहौर में दुष्कर्म की वारदात को लेकर भड़की हिंसा, एक सुरक्षाकर्मी की मौत

पाकिस्तान : पाकिस्तान के लाहौर में कथित दुष्कर्म की घटना के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कई शहरों में सार्वजनिक और निजी संस्थानों में हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी की कई घटनाएं सामने आईं। वहीं पाकिस्तान के पंजाब के गुजरात जिले में एक सुरक्षा गार्ड की हत्या कर दी गई और संबंधित निजी कॉलेज के कई परिसरों में तोड़फोड़ की गई और आग लगा दी गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों पर कानून प्रवर्तन एजेंटों के साथ झड़प और पंजाब ग्रुप ऑफ कॉलेज की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा है। जबकि गार्ड की मौत के बाद हत्या का मामला दर्ज किया गया। जानकारी के मुताबिक लाहौर में, छात्र पंजाब कॉलेज के कैंपस 11 में एकत्र हुए, इस दौरान उन्होंने पार्किंग क्षेत्र में आग लगाई, खिड़कियां तोड़ दीं और बड़े स्तर

पर कॉलेज को नुकसान पहुंचाया। एक स्थानीय समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, लाहौर में बुर्की रोड पर भी विरोध प्रदर्शन हुए, जहां छात्रों ने यातायात को बाधित कर दिया और कथित तौर पर घटना को छिपाने के लिए कॉलेज प्रशासन से जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शनकारियों के जुटाने में सोशल मीडिया का भी इस्तेमाल किया गया, क्योंकि अराजकता के वीडियो काफी ज्यादा प्रसारित किया गया। वहीं इस्लामी जमीयत तलबा (आईजेटी), रेड वर्कर्स फ्रंट और प्रोग्रेसिव स्टूडेंट्स कलेक्टिव समेत कई छात्र संगठनों ने भी प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता व्यक्त की। बता दें कि गुजरात में, हिंसा बढ़ने के बाद पीजीसी छात्रों के परिसर में टकराव के दौरान एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई और कई छात्र घायल हो गए। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय और बाहरी छात्रों से मिलकर बने आक्रामक प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने विरोध रैली शुरू की और शुरू में रहमान शहीद रोड पर लड़कियों के परिसर पर हमला किया, जिससे काफी नुकसान हुआ। इसके बाद प्रदर्शनकारी छात्रों के परिसर और कुंजाह में पंजाब कॉलेज में चले गए, जहां 50 वर्षीय सुरक्षा गार्ड अजहर हुसैन की हत्या कर दी गई।फिलहाल मामले में गार्ड के बेटे की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने 35 पहचाने गए संदिग्धों समेत लगभग 185 व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा, कम से कम तीन छात्र घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है, जब पुलिस से भागते समय उनकी मोटरसाइकिल एक मीडियन से टकरा गई। घायल छात्र को इलाज के लिए गुजरांवाला के आयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खालिस्तानियों को सपोर्ट कर रहा है पाकिस्तान

ओटावा(ईएमएस)। हाल ही में कनाडा की सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस की डायरेक्टर वानेस्सा लॉयड ने माना था कि पाकिस्तान, कनाडा की राजनीति को प्रभावित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान खालिस्तानियों को सपोर्ट करने के लिए यह कदम उठा रहा है। वानेस्सा ने पिछले महीने देश के विदेशी हस्तक्षेप आयोग के सामने दिए अपने भाषण में पाकिस्तानी भूमिका पर यह खुलासा किया था। वानेस्सा का यह भाषण अब सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। उन्होंने 27 सितंबर को कहा, पाकिस्तान के साथ संवाद लगातार भारत के प्रभाव को कम करने की कोशिश के साथ संतुलन में है। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो के भारत के खिलाफ बिना किसी सबूत के आरोप लगाने के बाद पाकिस्तान को लेकर दिया गया बयान वायरल हो गया है। इस बीच कनाडा की धरती पर हुए हिंसा के मामले में भारत सरकार का संबंध होने के आरोपों की जांच कर रहे देश के राष्ट्रीय पुलिस बल रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के प्रमुख ने यहां के सिख समुदाय से आगे आने और जांच में सहयोग का अनुरोध किया है।

क्या चीन ताइवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है?

ताईपे (ईएमएस)। चीन के ताइवान के पास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास करने और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के फुजियान प्रांत के उस इलाके में पहुंचने से यह सवाल उठ रहा है कि क्या चीन ताइवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। चीनी सेना की हाल की गतिविधियों और सैन्य ड्रिलों को देखकर यह संभावना जताई जा रही है कि चीन ताइवान पर दबाव डालने की कोशिश कर रहा है। इस संदर्भ में चीनी सेना ने सोमवार को ज्वाइंट स्वॉर्ड-2024बी नामक एक बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास किया, जिसमें नेवी और एयरफोर्स दोनों शामिल थे। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य ताइवान के प्रमुख बंदरगाहों को घेरना और नाकाबंदी करना था। इसके अलावा, चीन ने अपनी जंगी वॉरशिप लियाओनिंग को भी इसमें शामिल किया। इस सैन्य अभ्यास को ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वालों के लिए चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग का फुजियान प्रांत में अचानक पहुंचना, जो ताइवान से काफी नजदीक है, इसे सैन्य तैयारियों की जांच के रूप में देखा जा रहा है। इस क्षेत्र में पहले भी चीन की सेना ने ताइवान को धमकाने के लिए सैन्य ड्रिल की थीं। इन गतिविधियों को देख कर यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि चीन ताइवान पर अधिक दबाव डालने की तैयारी कर रहा है। इस बीच ताइवान के नेता विलियम लाई चिंग-ते ने हाल ही में एक भाषण में कहा था कि ताइवान किसी का गुलाम नहीं है और यह स्वतंत्र देश है। ताइवान की स्वतंत्रता की इस घोषणा के बाद से चीन की प्रतिक्रिया में तीव्रता आई है। चीन ने कई बार ताइवान को अपना हिस्सा मानते हुए बलपूर्वक कब्जा करने की धमकी दी है। कई अमेरिका लगातार ताइवान की सहायता करता आ रहा है, जिससे स्थिति और भी तनावपूर्ण होती जा रही है। इन सभी घटनाक्रमों को देखते हुए, चीन और ताइवान के बीच संघर्ष की स्थिति की आशंका बढ़ रही है, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस पर नजर बनाए हुए है।

सालों पहले हुई बेटी की मौत, एआई से पिता को दिखाई हमशक्ल

लंदन,(ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल चैटबॉट के लिए किया जा रहा है। कई ऐसी कंपनियां हैं, जो लोगों को एआई बॉट्स की सुविधा दे रही है। हाल में एक चौकाने वाली बात सामने आई है जिसमें करुणा ने मृतक के परिजनों की जानकारी के बिना एक पिता को उसकी मरी हुई बेटी की हमशक्ल दिखा दी, जो कोई इंसान नहीं बल्कि एक एआई चैटबॉट है। मृतक लड़की के पिता को एक नोटिफिकेशन मिला था।इस नोटिफिकेशन के सहारे वह एक वेबसाइट पर पहुंचे। चैटबॉट ने ना सिर्फ जेनिफर लड़की का नाम इस्तेमाल किया था, बल्कि उसकी फोटोज का भी इस्तेमाल किया और खुद को एक नॉलेजेबल एआई कैरेक्टर के रूप में पेश किया। लड़की की हत्या 2006 में हो गई थी।

बांग्लादेश के न्यायाधिकरण ने शेख हसीना के खिलाफ वारंट जारी किया

बांग्लादेश :बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने गुरुवार को देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 45 अन्य लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। जिन लोगों के खिलाफ वारंट जारी किया गया है, उनमें आवामी लीग के कई शीर्ष नेता शामिल हैं। इन पर हाल ही में हुए छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ कथित तौर पर अपराध का आरोप है। जस्टिस मोहम्मद गोलम मुर्तजा मजूमदार की अध्यक्षता वाले न्यायाधिकरण ने अभियोजन पक्ष की ओर से आरोपियों के खिलाफ दायर गिरफ्तारी की मांग वाली दो याचिकाओं को लेकर यह आदेश जारी किया। मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने यह जानकारी दी। न्यायाधिकरण ने

अफसरों को शेख हसीना समेत सभी 46 लोगों को 18 नवंबर तक गिरफ्तार करने और पेश करने का आदेश दिया। गौरतलब है कि बांग्लादेश में छात्र आंदोलन में जबरदस्त हिंसा हुई थी। शेख हसीना सरकार पर इस हिंसा के दौरान छात्र आंदोलन को दबाने की कोशिशों के आरोप लगे थे। इस आंदोलन में हिंसा के चलते सैकड़ों लोगों की जान भी गई थी। हालांकि, प्रदर्शनों के बढ़ने के बाद हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और वे भारत रवाना हो गई थीं। मौजूदा समय में शेख हसीना भारत में ही हैं।

शेख हसीना को लेकर क्या रहा है अंतरिम सरकार का रुख?

शेख हसीना के भारत रवाना होने के बाद बांग्लादेश में नोबेल विजेता और अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। इस सरकार ने छात्र आंदोलन के दौरान हिंसा फैलाने और हत्या के आरोपियों के खिलाफ अदालत में मामले चलाने का दावा किया था।

हड्डियां गलाने वाले सागर में 67 दिन फंसा रहा एक व्यक्ति

मास्को (ईएमएस)। रूस के एक शख्स, मिखाइल पिचुगिन की कहानी सचमुच एक चमत्कारी जीवित रहने की मिसाल है। वह ओखोटस्क सागर में 67 दिनों तक एक छोटी सी नाव पर फंसा रहा, जहां उसे और उसके परिवार को जीवन और मौत के बीच संघर्ष करना पड़ा। इस घटना में पिचुगिन के भाई और बेटे की मृत्यु हो गई, लेकिन पिचुगिन ने अपनी जान बचा ली। यह कहानी उस कहावत को सही साबित करती है, ईश्वर जिसे बचाना चाहे, वह लाख मुसीबतों में फंसकर भी जिंदा बच जाता है। 9 अगस्त को पिचुगिन, उनका 15 वर्षीय बेटा और उनका भाई एक कटमरैन पर सवार हुए थे, लेकिन कुछ समय बाद उनका संपर्क टूट गया। ओखोटस्क सागर, जो पूर्वी साइबेरिया और कामचटका प्रायद्वीप से घिरा है, अक्टूबर से मार्च तक बर्फ से ढक जाता है, जिससे इस क्षेत्र में जीवन और मृत्यु की लड़ाई और भी कठिन हो जाती है।

भारतीय टीम के नाम रहा अनचाहा रिकार्ड

ओवरऑल तीसरा सबसे छोटा स्कोर बनाया

बेंगलुरू (ईएमएस)। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में केवल 46 रनों पर ही सिमट गयी। इसी के साथ ही भारतीय टीम के नाम अपनी ही धरती पर सबसे कम स्कोर का एक रिकार्ड जुड़ गया है। यह भारतीय टीम का घरेलू टेस्ट मैचों में सबसे छोटा और ओवरऑल तीसरा सबसे छोटा स्कोर और स्कोर है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और विलियम ओरूक के सामने भारतीय बल्लेबाज टिक नहीं पाये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना भी भारतीय टीम के कप्तान रोहत शर्मा को भारी पड़ा क्योंकि मैदान में नमी थी। रोहित ने टॉस जीतते ही साफ कर दिया था कि वे पहले बल्लेबाजी क्यों करना चाहते थे पर अगर टीम इंडिया की अंतिम ग्यारह को देखें तो पहले बल्लेबाज के अलावा उसके पास विकल्प भी नहीं था। भारतीय टीम इंडिया इस मैच में 3 स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरी है। इससे तय है कि भारतीय कप्तान और कोच ने बेंगलुरू की पिच के बारे में गलत अनुमान लगाया। जब मैच के शुरुआती 4 दिन बारिश का अनुमान हो और पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद हो, तब प्लेइंग इलेवन से तेज गेंदबाज को बाहर कर स्पिनर को शामिल करना सही फैसला नहीं कहा जा सकता।

न्यूज़ीलैंड ने भारत पर शिकंजा कसा, 134 रनों की बढ़त हासिल की

भारत पहली पारी 46 , न्यूज़ीलैंड 180/3

बेंगलुरु (ईएमएस)। न्यूजीलैंड ने यहं के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में वर्षा प्रभावित पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खिलाफ बढ़त बना ली है। वर्षा प्रभावित इस मैच में आज सुबह टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 46 रनों पर ही आउट हो गयी। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 5 जबकि विलियम ओरोर्के ने 4 विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए मेहमान कीवी टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 180 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय रचिन रविन्द्र 22 और डेरिच मिचेल 14 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं डेवोन कॉनवे 91) रन बनाकर आउट हुए। इस प्रकार पहले पारी के आधार पर मेहमान टीम ने 134 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम पहली पारी में 46 रनों पर ही आउट हो गयी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी कितनी खराब रही उसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विराट कोहली सहित टीम के पांच बल्लेबाज शून्य पर ही आउट हो गये। युवा सरफराज खान को काफी समय बाद टेस्ट खेलने का अवसर मिला पर वह भी अपना खाता नहीं खोल पाये। मेहमान टीम न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 5 जबकि विलियम ओरोर्के ने 4 विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी को ध्वसत कर दिया। विराट ओर सरफराज के अलावा, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन भी अपना खाता नहीं खोल पाये। कप्तान रोहित शर्मा ने केवल 2 रन बनाए जबकि यशस्वी जायसवाल ने 13 रन वह ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाये। भारत ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को टॉस जीतकर न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी से शुरुआत करने का फैसला किया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टॉस के बाद रोहित ने कहा कि पिच शुरु में गेंदबाजो के लिए मददगार साबित हो सकती है लेकिन विकेट के नेचर को देखते हुए उनकी टीम स्कोरबोर्ड पर अधिक से अधिक रन का स्कोर खड़ा करना चाहती है इसलिए उन्होंने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया है। रोहित ने दूसरे दिन गुरुवार टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ और टीम ने शुरुआत में ही विकेट खो दिये। रोहित ने कहा कि पिच शुरू में गेंदबाजों के लिए सहायक साबित हो सकती है पर विकेट को देखते हुए उनकी टीम पहले बल्लेबाजी कर अधिक से अधिक रन का स्कोर खड़ा करना चाहती है इसलिए उन्होंने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। वहीं किवी टीम के कप्तान टॉम लेथम ने कहा कि खराब मौसम के कारण उनकी टीम को तैयारी करने का पर्याप्त मौका नहीं मिल पाया लेकिन विकेट काफी समय तक ढका रहा है और बारिश भी हुई है तो ऐसे में उन्हें उम्मीद थी कि सतह से उन्के तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी जो सही निकली। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपना खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं घरेलू क्रिकेट में जमकर रन बनाने वाले युवा सरफराज खान भी यहां असफल रहे और शून्य पर ही आउट हो गये। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के पिच पर नमी के बाद भी पहले बल्लेबाजी करने का फैसला बेहद गलत साबित हुआ न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विकेट पर छाये रहे।

अंजुम ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिटनेस और फील्डिंग पर उठाये सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने टीम की फिटनेस और फील्डिंग पर सवाल उठाये हैं। अंजुम ने कहा कि टीम के टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन पर किससे सवाल करें से समझ नहीं आ रहा। विश्व कप से पहले फिटनेस और फील्डिंग को बढ़ाने के लिए भारतीय टीम के थिंक-टैंक ने काफी तैयारी की थी पर परिणाम शून्य रहा। भारतीय टीम ग्रुप-स्टर से ही बाहर हो गयी। फील्डिंग का स्तर इतना खराब था कि खिलाड़ियों ने 4 मैचों में नौ कैच छोड़े। इसके अलावा कई मिसफील्ड भी हुए। ऋचा घोष भी विकेटकीपर के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई और उन्होंने कई बार रन दे दिये। इस को लेकर अंजुम ने कहा कि मैं पिछले 35 सालों से यह सुन रही हूं कि फिटनेस और फील्डिंग पर काम चल रहा है। यदि आपने अभी तक इसमें सुधार नहीं किया है, तो मुझे नहीं पता कि किससे पूछताछ करने की जरुरत है। इस बार में जब भी पूछा जाता है तो जवाब मिलता है कि हमें सीमित सुविधाएं मिली हैं और हम अभी भी अपनी फिटनेस और क्षेत्ररक्षण में सुधार कर रहे हैं। फिर, हम सुन रहे हैं कि हम विश्व कप से पहले एक फिटनेस और फील्डिंग कैंप आयोजित कर रहे हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि आप अपने बड़े होने के दौरान फिटनेस सीखते हैं और जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं आप बेहतर होते जाते हैं। वास्तव में यही रास्ता होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि जब आप 20 साल के होते हैं तो आप सबसे फिट हो जाते हैं और जब आप 30 या उसके आसपास के होते हैं तो आप अपनी फिटनेस खो देते हैं। इसके अलावा स्टार खिलाड़ियों के लिए फिटनेस के अन्य मानक नहीं होने चाहिये और उन्हें भी अपनी फिटने पर पूरा ध्यान देना चाहिये।

ऋषभ की जगह अक्षर बन सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में ऋषभ पंत शायद ही दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहें। एक रिपोर्ट के अनुसार फ्रैंचाईजी ऋषभ को सबसे अधिक रकम पर रिटेन तो करेगी पर कप्तानी उनसे वापस ली जा सकती है। मेगा नीलामी से पहले ही कैपिटल्स ये बदलाव कर सकती है। आईपीएल 2024 में ऋषभ टीम के कप्तान रहे थे। दिल्ली कैपिटल्स उन्हें 18 करोड़ रुपये में रिटेन कर सकती है, लेकिन कप्तानी की जिम्मेदारी अक्षर पटेल को सौंपी जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल को टीम की कमान सौंप सकती है या फिर आईपीएल 2025 मेगा नीलामी से पहले किसी और खिलाड़ी को कप्तान के तौर पर जोड़ सकती है। ये भी कहा जा रहा है कि अक्षर नए कप्तान की जिम्मेदारी संभालते हैं तो ठीक नहीं तो फ्रेंचाइजी देख सकती है कि नीलामी में कौन खिलाड़ी कप्तानी के योग्य है और उसे खरीद लिया जाएगा। फ्रेंचाइजी का मानना है कि ऋषभ दिल्ली के लिए टॉप रिटेंशन हैं पर कप्तानी का भारत हटने पर वह और बेहतर खेल सकेंगे।

कप्तान के तौर पर ऋषभ का कार्यकाल कुछ खास नहीं रहा। दिल्ली की टीम ने एक बार ही आईपीएल फाइनल खेला है, जो साल 2021 में था। उस समय श्रेयस अय्यर कप्तान थे। इसके अगले साल अय्यर चोटिल हो गए तो फिर ऋषभ को दिल्ली की कप्तानी सौंप दी गई पर टीम को सफलता नहीं मिली।

एशेज सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाली 2025-26 की एशेज सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। अगले साल 21 नवंबर से शुरु होने वाली इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) इस सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें पर्थ 21 नवंबर को पर्थ में पहला मैच होगा। वहीं ब्रिस्बेन के गाबा में 4 दिसंबर से दिन-रात का दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं एडिलेड ओवल में तीसरा टेस्ट होगा। तीसरा टेस्ट प्री-क्रिसमस टेस्ट होगा, जो अगले दो टेस्ट, बॉक्सिंग डे टेस्ट, 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में सीरीज का चौथा मैच और 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में नए साल का सीरीज का अंतिम मैच होगा।

एडिलेड ऑस्ट्रेलिया में सबसे पहले दिन-रात का पहला टेस्ट पहला मैच 2015 में हुआ था। इसके अलावा इस मैदान में साल 2017-18 और 2021-22 सीरीज में दो दिन-रात के टेस्ट हुए थे। गाबा ने पहले तीन दिन-रात टेस्ट की मेजबानी की थी जिसमें इस साल की शुरुआत में जनवरी में वेस्टइंडीज की प्रसिद्ध जीत भी शामिल थी।

यह पहली बार है जब ब्रिसबेन को 1982-83 के बाद से एशेज सीरीज के पहले मैच की मेजबानी नहीं मिली है। पर्थ पहला टेस्ट आयोजित करेगा और दूसरा टेस्ट ब्रिसबेन में होगा। इस बात की अच्छी संभावना है कि एशेज 2025-26 गाबा टेस्ट स्टेडियम में आखिरी टेस्ट होगा क्योंकि 2026-27 और उसके बाद वहां कोई टेस्ट निर्धारित नहीं है। स्टेडियम अपनी मौजूदा स्थिति में 2030 तक उपयोग करने योग्य नहीं होगा।

सीए के कार्यकारी महाप्रबंधक (कार्यक्रम और संचालन) जोएल मॉरिसन ने पर्थ में कहा, 2025-26 एशेज की तिथियां हमारे हाल ही में जारी सात साल के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ हैं और हम राज्य और क्षेत्रीय सरकारों द्वारा हमारे प्रमुख आयोजनों को बढ़ाने और विकसित करने के लिए दिए जा रहे समर्थन के लिए आभारी हैं।

चीन में विश्व टूर के दूसरे दौर के विजेता बेल्जियम के वारे वेनघवेलीवेक जीत के बाद उत्साहत होते हुए।

नीतू आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली दूसरी क्रिकेटर बनी

पुरुष वर्ग में डिविलियर्स और कुक को मिला अवार्ड

दुबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। नीतू यह सम्मान हासिल करने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। नीतू के नाम टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 53 रन देकर आठ विकेट लेने का रिकार्ड है। इससे पहले पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को भी आईसीसी हॉल ऑफ फेम से सम्मानित किया गया था। वहीं पुरुष वर्ग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स और इंग्लैंड के एलिस्टेयर कुक को भी हॉल ऑफ फेम का अवार्ड मिला है।

भारतीय महिला टीम की चयन समिति की मौजूदा अध्यक्ष नीतू को पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को शामिल किए जाने के एक साल बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। बाएं हाथ की स्पिनर नीतू ने भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच (10 टेस्ट और 97 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय) खेले। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 47 साल की नीतू 141 विकेट के साथ भारत की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह 50 ओवर के प्रारूप में 100 विकेट के आंकड़े को छूने वाली देश की पहली महिला गेंदबाज भी रहीं। अवार्ड मिलने से उत्साहित नीतू ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बेहद सम्मान की बात है जिसे मैं राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सम्मान मानती हूं। उन्होंने कहा, 'यह इस महान खेल के लिए जीवन भर के समर्पण के बाद आता है और यह मेरे लिए यहां तक पहुंचने की एक बहुत ही विशेष यात्रा है। नीतू ने कहा, 'अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों के साथ हॉल ऑफ के विशिष्ट क्लब का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं।

गौरतलब है कि नीतू ने 1995 में 17 साल की उम्र में नेल्सन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। उन्होंने 1995 में ही जमशेदपुर में इंग्लैंड के खिलाफ आठ विकेट लिए थे जो आज भी महिला टेस्ट में एक पारी में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत गेंदबाजी प्रदर्शन है। नीतू ने 10 टेस्ट में 41 विकेट लिए जबकि 97 एकदिवसीय मुकाबलों में 16.34 के औसत से 141 विकेट हासिल किए। नीतू ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया लेकिन दो साल बाद अपना फैसला बदलते हुए एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप और भारत के इंग्लैंड दौरे पर खेलीं। वहीं कुक ने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में इंग्लैंड की ओर से खेला है। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक टेस्ट रन और शतक बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। वह कप्तान के रूप में भी काफी सफल रहे जबकि डिविलियर्स ने 14 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में तीनों प्रारूपों में 20 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। मैदान के चारों तरफ शॉट खेलने की क्षमता के लिए डिविलियर्स को 'मिस्टर 360 भी कहा जाता है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की ओर से एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक, शतक और 150 रन का रिकॉर्ड बनाया और उन्हें खेल के इतिहास के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शामिल किया जाता है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम जनवरी 2009 में शुरू किया गया जो वैश्विक संचालन संस्था के शताब्दी समारोह का हिस्सा था।

भारतीय टीम की डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह आसान नहीं

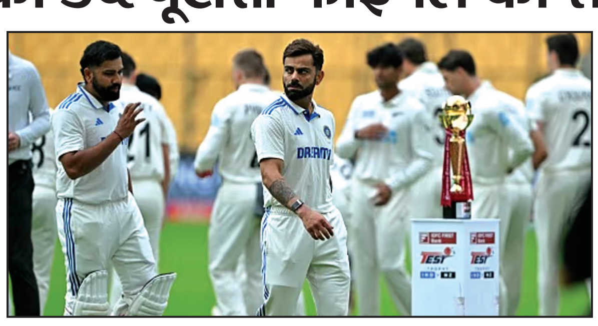

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचाना है। इसके लिए भारतीय टीम को अब तीन मैचों में जीत चाहिये। भारतीय टीम को हालांकि पिछले दो अवसरों पर उसे खिताबी हार का सामना करना पड़ा। पहली बार फाइनल में उसे न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। भारत इस समय आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर है पर फाइनल की राह अभी आसान नहीं है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत प्रकार टीम पहली पारी में 46 रनों पर सिमटी है उससे पहला टेस्ट उसके हाथ से निकलता जा रहा है।

भारतीय टीम के पास अभी 11 टेस्ट खेलने के बाद 74.24 अंक फीसदी है। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के 12 टेस्ट के बाद 62.50 अंक जिससे वह और भारतीय टीम फाइनल में पहुंचने के लिए पसंदीदा बन गए हैं जबकि श्रीलंका 9 टेस्ट के बाद 55.56 के साथ तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड 17 के बाद 45.59 के साथ चौथे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका 38.89 के शीर्ष पांच में शामिल है।

भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए तीसरे नंबर की टीम श्रीलंका से भी खतरा है। श्रीलंकाई टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में शानदार जीत हासिल की है। उसे अब दक्षिण अफ्रीका से खेलना है। इंग्लैंड भी अभी पाकिस्तान के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रहा है उसने पहला टेस्ट जीता है अगर वह ये सीरीज और आने वाली सीरीज जीतता है तो वह भी शीर्ष टीमों के लिए खतरा बन सकता है।

बॉर्डर गावस्कर सीरीज में बुमराह पर अंकुश लगाना होगा : कमिंस

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी टीम को अगले माह भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर अंकुश लगाये रखना होगा। कमिंस ने कहा कि अगर उनकी टीम को इस सीरीज में जीत चाहिये तो उन्हें किसी भी हाल में बुमराह को रोकना होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के अनुसार बुमराह अभी लय में हैं और हमारी उछल भरी पिचों पर उनकी गेंदों को खेलना आसान नहीं रहेगा। भारत ने साल 2014-15 से यह ट्रॉफी लगातार जीती है। उसने दो बार ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर हराया। कमिंस ने कहा, ''मैं बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह एक शानदार गेंदबाज हैं। अगर हम उस पर अंकुश कसने में सफल रहते हैं तो इससे हमें सीरीज जीतने में काफी सहायमता मिलेगी।''

कमिंस ने कहा कि उनकी टीम रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप की जीत से प्रेरित होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, ''हमने उनके खिलाफ जो पिछली दो सीरीज खेली थी उन्हें काफी समय हो गया है। हम उससे उबर चुके हैं।'' कमिंस ने कहा,''मैं उनके रोहित शर्मा साथ एक टीम में कभी नहीं खेला इसलिए मैं उन्हें बहुत अच्छी तरह से नहीं जानता पर मुझे पता है कि भारतीय टीम काफी संगठित हैं और उनकी रणनीति सटीक है।''

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा,'' हम पिछले कुछ साल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल और एकदिवसीय विश्व कप में जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। हम इनसे प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे जैसे कि उनकी टीम यहां अपनी पिछली कुछ सफलताओं से प्रेरणा लेने के प्रयास करेगी।'' कमिंस ने कहा कि भारतीय टीम में इस बार चेतेश्वर पुजारा नहीं रहेंगे जिससे भी हमें लाभ होगा। पिछल सीरीजों में भारतीय टीम की जीत में पुजारा की अहम भूमिका रही थी। वह एक छोर संभाले रखते थे और उन्हें आउट करना कठिन होता था।

एमबाप्पे के प्रतिनिधियों ने स्वीडिश मीडिया के आरोपों को आधारहीन बताया

स्टॉकहोम (ईएमएस)। फ्रांस के फुटबॉल स्टार काइलियान एमबाप्पे के प्रतिनिधियों ने कहा है कि उसके खिलाफ बलात्कार के जो भी आरोप लगाये गये हैं वह गलत और आधारहीन हैं। स्टार स्ट्राइकर एमबाप्पे के प्रतिनिधियों ने स्वीडन के मीडिया में छपी उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया है कि उनके खिलाफ बलात्कार के एक मामले में जांच चल रही है।

इससे पहले स्वीडन के मीडिया ने आया था कि एमबाप्पे के खिलाफ बलात्कार के मामले की जांच चल रही है। वहीं अभियोजकों ने मंगलवार को छोटा सा बयान जारी किया कि पुलिस के पास बलात्कार की एक शिकायत आई है पर इसमें किसी का नाम नहीं लिया गया है। इस बयान में कहा गया, 'रिपोर्ट के अनुसार यह घटना स्टाकहोम के एक होटल में 10 अक्टूबर 2024 की है। दूसरी ओर एमबाप्पे की मीडिया टीम ने कहा, 'ये आरोप बिल्कुल झूठे और फर्जी है। एमबाप्पे का इस प्रकार से अपमान सहन नहीं किया जाएगा।

आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच नहीं रहेंगे स्टेन

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच नहीं रहेंगे। स्टेन ने कहा कि वह अपने देश की एसए 20 लीग में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ ही कोच के तौर पर रहना चाहते हैं, इसलिए आईपीएल में नहीं रहेंगे। स्टेन ने यह जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट से दी है। स्टेन ने कहा, "आईपीएल में गेंदबाजी कोच के रूप में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ रहा समय काफी अच्छा रहा जिसके लिए मैं आभारी हूं पर मैं आईपीएल 2025 के लिए वापसी नहीं कर पाउंगा क्योंकि मैं दक्षिण अफ्रीका में एसए 20 लीग में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ काम करना जारी रखूंगा।"

स्टेन ने इससे पहले निजी कारणों से आईपीएल 2024 से भी अपना नाम वापस ले लिया था। तब सनराइजर्स ने न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फ्रैंकलिन को अपना गेंदबाजी कोच बनाया था। स्टेन ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, सनराइजर्स का प्रतिनिधित्व किया था। साल 2022 सत्र से पहले सनराइजर्स का गेंदबाजी कोच बनने से पहले उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2020 में आरसीबी के लिए खेला था। उन्हें उमरान मलिक और सनराइजर्स के कई अन्य तेज गेंदबाजों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है।

शतक लगाकर बोले डकेट हम मैच में बने हुए , पाक पर रहेगा दबाव

मुल्तान (ईएमएस))। इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार शतक लगाने के बाद कहा कि उनकी टीम को तेज शुरुआत नहीं मिली पर इसके बाद भी उनकी टीम ही हावी रहेगी। मेजबान पाकिस्तान ने पहली पारी में 366 रन बनाये थे जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम अपने अंदाज में आक्रामक शुरुआत नहीं कर पायी। डकेट ने हालांकि 114 रन बनाए। डकेट ने मैच के दौरान इंग्लैंड की धीमी बल्लेबाज को लेकर कहा कि ये हालातों के अनुसार होता है। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 6 विकेट पर 239 रन बनाये। दिन का खेल खत्म होने के बाद, डकेट ने कहा कि तीसरे दिन के खेल में दबाव पाकिस्तान पर रहेगा। डकेट ने बताया कि खेल के हालातो चाहे जो भी हो, हम हमेशा मानते हैं कि हम जीत सकते हैं। कल पहला सत्र बहुत बड़ा होने वाला है। यदि हम अधिक से अधिक रन बनाये तो मेजबानों पर दबाव बना सकते हैं। हम जानते हैं कि वे ढह सकते हैं और इसलिए उन पर दबाव खत्म हो गया है। हम सीरीज में 1-0 से आगे हैं, पिछली सीरीज हमने 3-0 से जीती थे और हम जानते हैं कि वे इसे क्या कर सकते हैं। हम हमेशा मानते हैं कि हम खेल में हैं। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज़ी के बेहतर प्रदर्शन से अपनी वापसी कर मेहमान टीम के 6 विकेट 239 रन गिरा दिये। पाकिस्तान के लिए गेंदबाज साजिद खान ने तीन अहम विकेट लिए। ।डकेट ने कहा कि यदि हम कोशिश कर सकें और उनके लक्ष्य के जितना करीब पहुंच सकें, खेल आगे बढ़ेगा और यह एक अच्छा खेल होगा। हम देख सकते हैं कि उन्होंने कैसी गेंदबाजी की।

पीसीबी प्रमुख की जयशंकर से अपील, चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजें

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख मोहसिन नकवी ने अब भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाक भेजने की गुहार विदेशमंत्री एस. जयशंकर से लगायी है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आर्थिक बदहाली के बाद भी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारी रकम खर्च की है। ऐसे में अगर भारतीय टीम वहां नहीं जाती तो उसे भारी घाटा होगा जो सहन करना उसके लिए संभव नहीं होगा। पीसीबी तंगहाली के बाद भी किसी प्रकार हजारों करोड़ खर्च करके चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए स्टेडियम तैयार करवा रहा है पर भारतीय टीम के पाक जाने की संभावना बेहद कम है। ऐसे में पूरी संभावना है कि एशिया कप की तरह चैम्पियंस ट्रॉफी भी हाइब्रिड मॉडल से खेला जाए। अगर ऐसा हुआ तो पाकिस्तान को आर्थिक रूप से काफी नुकसान का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में पाक को भारत से क्रिकेट पर बात करने का मौका मिल गया। इसी कारण पाक दौरे में जयशंकर से मिलने के लिए पीसीबी प्रमुख और पाक के गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी पहुंचे। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम को पाक भेजने का अनुरोध किया। रिपोर्ट के अनुसार पाक को उम्मीद है कि जयशंकर के दौरे से दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होंगे।

भारत और पाक के बीच साल 2012-13 में अंतिम बार कोई सीरीज खेली गई थी, लेकिन उसके बाद से उनके बीच क्रिकेट के रिश्ते खत्म हो गए थे। इसका कारण पाकिस्तान का आतंकी गतिविधियों में शामिल होना और कश्मीर में लगातार आतंकियों की घुसपैठ रही है। इसके अलावा पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में भारत की पाक में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के बाद भी दोनों देशों में तनाव रहा है। ऐसे में सुरक्षा कारणों से भारतीय टीम पाक नहीं भेजी गयी है। दरअसल, अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करती है तो उसे अरबों का आर्थिक घाटा हो सकता है। उसके प्रायोजक, क्रिकेट प्रशंसक चाहते हैं कि टीम इंडिया पाकिस्तान आए। मौजूदा दौर में पाकिस्तान में कितना भी बड़ा मैच हो क्रिकेट स्टेडियम में दर्शक नहीं रहते। पीएसएल की हालत खराब रही तो इंटरनेशनल किक्रेट भी संघर्ष रहा है। एशिया कप के दौरान खाली स्टेडियमों से पीसीबी को भारतीय टीम की ताकत का अंदाज हो गया था। इसके अलावा इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी कहा है कि भारतीय टीम के बिना चैंपियंस ट्रॉफी का मतलब नहीं रह जाएगा।

तिहाड़ में दुर्दांत बदमाशों से दोस्ती निभा रहे कई कर्मचारियों का हुआ स्थानांतरण

नई दिल्ली(ईएमएस)। जेल मुख्यालय द्वारा अक्टूबर के पहले सप्ताह में जारी आदेश में विभिन्न जेलों के 55 जेलकर्मियों का स्थानांतरण किया गया। इनमें 10 हेडवार्डर व शेष वार्डर थे। 55 जेलकर्मियों में 24 जेलकर्मी सिर्फ जेल संख्या 15 के हैं। इनमें तीन हेड वार्डर शामिल हैं। हालांकि स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन भीतरखाने से जो खबरें आ रहीं हैं उसमें यही बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ कर्मचारी कैदियों के साथ गहरी दोस्ती निभाने लगे थे। इसलिए स्थानांतरण किया गया है। जेल प्रशासन औपचारिक तौर पर इन तबादलों को रूटीन में किया गया तबादला बता रहा है, लेकिन सूत्रों की मानें तो प्रशासन को इस बात की भनक कहीं से लगी कि जेल के अंदर कुछ कैदियों व जेलकर्मियों के बीच संबंध कुछ ज्यादा ही प्रगाढ़ बनने लगे थे।

देश की सबसे बड़ी जेल तिहाड़ की एकमात्र हाई सिक्योरिटी जेल (जेल संख्या 15) में बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं। इस जेल के कुल स्वीकृत पदों के करीब एक तिहाई जेलकर्मियों को तबादले की जद में लाते हुए दूसरे जेलों में भेजा गया है। इससे पहल कि प्रगाढ़ हो रहा यह संबंध कैदियों को कानून के दायरे से बाहर की सहूलियतें उपलब्ध कराने का जरिया बनता, जेलकर्मियों का तबादला कर दिया गया। तबादले की जद में अधिकांश जेलकर्मियों का न सिर्फ जेल बदला गया है, बल्कि परिसर भी बदल दिया गया है।

24 जेलकर्मियों में अधिकांश के न सिर्फ जेल बदले गए हैं, बल्कि इनके परिसर भी बदल दिए गए हैं। जिस मंडोली परिसर में ये तैनात थे, वहां 10 का तबादला तिहाड़ परिसर की विभिन्न जेलों में, छह को रोहिणी व शेष को मंडोली परिसर की दूसरी जेलों में डयूटी मिली है।जेल संख्या 15 दिल्ली का एकमात्र हाई सिक्योरिटी जेल है। कहने को इसके अलावा भी अन्य जेलों में हाई सिक्योरिटी वार्ड हैं, लेकिन उन जेलों में सामान्य कैदियों को भी जगह मिलती है।जेल संख्या 15 में केवल और केवल दुर्दांत बदमाशों जिनमें अधिकांश गैंगस्टर हैं, उन्हें ही रखा जाता है। इन कैदियों को बिल्कुल अलग थलग रखा जाता है। इस जेल का पूरा ढांचा ही किले की तरह है, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। प्रशासन की कोशिश रहती है कि इस जेल में बंद प्रत्येक कैदी की प्रत्येक गतिविधि पर प्रशासन की सीधी नजर रहे। यही कारण है कि इस जेल में कैदियों की संख्या अन्य जेलों के मुकाबले काफी कम है। इस जेल की कुल क्षमता करीब 250 कैदियों की है, लेकिन अभी यहां केवल 117 कैदी ही हैं।

संक्षिप्त खबरें

प्रियंका चोपड़ा जोनस मुंबई में एक इवेंट के लिए पहुंची

मुंबई (ईएमएस)। इन दिनों वैश्विक स्ट्रीमिंग सीरीज सिटाडेल के दूसरे सीजन की शूटिंग में व्यस्त अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस मुंबई में एक इवेंट के लिए पहुंची। अभिनेत्री को सफेद कार्गो, सफेद टी-शर्ट और ग्रे बेसबॉल कैप पहने देखा गया। अभिनेत्री छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट मुंबई के टर्मिनल 2 पर पपराजी को हाथ हिलाकर अभिवादन करते नजर आई। एक सूत्र के मुताबिक अभिनेत्री एक ब्रांड एंगेजमेंट के लिए मुंबई में हैं। यह भी पता चला है कि अभिनेत्री इस महीने शहर में होने वाले फेस्टिवल की अध्यक्ष होने के बावजूद मामी फिल्म फेस्टिवल में शामिल नहीं होंगी। इससे पहले अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ अपना रूटीन शेयर किया था। इसके साथ ही उन्होंने कई सारी तस्वीरें शेयर की थी। तस्वीरों में उन्हें सिटाडेल की शूटिंग में व्यस्त दिखाया गया था, उनकी बेटी शो के सेट पर उनसे मिलने आई थी, अभिनेत्री अपनी बेटी के साथ खेल रही थी। पिक्स और शॉट्स ज्यादातर सिटाडेल के लोकेशन से हैं। प्रियंका ने बताया है कि इस बार कैसे उनका किरदार नादिया कुछ अलग होगा। प्रियंका ने 1 से लेकर 15 तक तस्वीरें और छोटे वीडियो शेयर किए हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने अपने बचपन की तस्वीर और अपने करियर के शुरुआती दौर की एक तस्वीर का एक थ्रोबैक कोलाज साझा किया था।

दिल्ली के चिड़ियाघर में सफेद मोरनी की मौत

नई दिल्ली(ईएमएस)। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में वन्यजीवों के प्रति बढ़ती लापरवाही का खामियाजा ये है कि पांच महीने के अंदर ही यहां चौथे वन्यजीव की मौत हो गई है। चिड़ियाघर के सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को यहां बीमारी के चलते सफेद मोरनी की मौत हो गई है।मोरनी को तीव्र आंत्रशोथ (एक्यूट इंटेराइटिस) था। आंत्रशोथ का तात्पर्य आंत की सूजन से है। कई जीवाणु, प्रोटोजोअल और वायरल रोग संक्रामक आंत्रशोथ का कारण बनते हैं। लगभग छह वर्ष की उम्र के इस मोरनी की आंख के पास भी घाव था, जिसे ठीक नहीं किया गया था।सूत्रों के मुताबिक वन्यजीव को देखने के लिए डॉक्टर आते हैं, लेकिन कुछ समय से डॉक्टर भी नहीं आ रहे हैं और न ही वन्यजीव की बीमारी या अन्य कोई रिपोर्ट उनकी कीपर या इंचार्ज के जरिये दी जा रही है। मोरनी की मौत की सूचना मिलने के बाद चिड़ियाघर प्रबंधन ने मोरनी का पोस्टमार्टम भी कराया है। मोरनी का 19 नंबर बाड़ा था।

सौतेली मां ने दिखाया सौतेलापन, पत्थर बांधकर बच्चे को कुएं में फेंका

सुंदरगढ़,(ईएमएस)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक महिला ने अपने पांच साल सौतेले बेटे की आंखों पर पट्टी और हाथ बांधकर कुएं में फेंककर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि महिला ने बच्चे को कुएं में फेंकने से पहले उसके शरीर पर एक बड़ा पत्थर बांधा दिया था जिससे बच्चा पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गई। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि महिला इस बात से दुखी थी उसका पति उस लड़के को उसके बच्चे से भी ज्यादा प्यार करता था। यह घटना राउरकेला शहर के पास रघुनाथपल्ली थानाक्षेत्र के एक गांव में हुई। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार महिला मृत बच्चे के पिता की दूसरी पत्नी है।

हत्या का आरोपी पैरोल पर आया बाहर, पत्नी से हुआ विवाद तो मार दी गोली

लातूर,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में जेल से पैरोल पर बाहर आए हत्या के दोषी व्यक्ति ने उदगीर में अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति अमित नटकारे उर्फ सोनू फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि नटकारे पर पहले भी दो हत्या के मामले दर्ज हैं और उनमें से एक में उसे आजीवन कारावास की सजा मिली हुई है। पुलिस ने बताया कि पैरोल पर बाहर आने के बाद वह अपनी पत्नी भाग्यश्री को परेशान कर रहा था और मांग कर रहा था कि वह अपने माता-पिता से पैसे लेकर आए ताकि वह अपनी सजा के खिलाफ अदालत में अपील दायर कर सके। उन्होंने बताया कि विगत देर रात इसको लेकर दंपति के बीच झगड़ा हो गया और नटकारे ने अपनी पत्नी पर दो फायर कर दिए जिससे उसकी मौत हो गई। पत्नी की हत्या कर आरोपी नटकारे वहां से फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

भीषण सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार की मौत, चार घायल

मथुरा (ईएमएस)। यूपी के मथुरा जिले के कोसीकलां क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुये एक सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुये घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिये हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डे ने बताया कि हरियाणा के पलवल जिले के होडल कस्बे की ओर जा रही पिकप गाड़ी कोसी शेरगढ़ मार्ग पर नगला सातबिसा के पास एक बिजली के खंभे से टकरा गई जिससे बिजली का तार टूट गया। इससे घबड़ाकर सभी अपने बच्चों को लेकर पिकप के नीचे कूद पड़े। इसी बीच पिकप चालक ने दुर्घटना बचाने के लिए गाड़ी को पीछे की ओर चला दिया जिससे आठ लोग मैक्स पिकप से घायल हो गए तथा कुछ समय बाद चार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में गौरीदेवी (35), कोमल (2), कुंतीदेवी (28), प्रियंका (2) की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि घायल काजल (17), जीरा (19), माना (21), गगन (3) को गंभीर हालत में सीएचसी कोसीकलां में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार सभी हताहत बिहार के गया जिले से रेलगाड़ी से चलकर अलीगढ़ तक आए थे। वे किराये की एक मैक्स पिकप गाड़ी कर होडल जिला पलवल, हरियाणा के एक भट्ठे में मजदूरी करने के लिए जा रहे थे।

विस्तारा और इंडिगो की फ्लाइट्स में बम की धमकी, मुंबई में आपात लैंडिंग

मुंबई (ईएमएस)। बीते 4 दिनों से भारतीय विमानों में बम होने की धमकी मिल रही है। गुरुवार को विस्तारा और इंडिगो की फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली धमकी के बाद विस्तारा की फ्रैंकफर्ट-मुंबई फ्लाइट मुंबई में आपात लैंडिंग कराई गई। यह धमकी सोशल मीडिया के दवारा दी गई। अधिकारियों ने बताया कि जब बम की धमकी की सूचना क्रू मेंबर्स को दी, विमान पाकिस्तान के एयर स्पेस में उड़ान भर रहा था। फ्लाइट में 147 यात्री सवार थे। लैंडिंग के बाद विमान को आइसोलेशन में ले जाया गया, जहां सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। इसके बाद तुर्किये से मुंबई आ रहे एक फ्लाइट में धमकी दी गई। ये धमकी भी सोशल मीडिया पर दी गई। जांच में इन सभी फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली। हालांकि सभी एयरपोर्ट्स पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में तैनात रहने वाले है। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है। उडान मंत्रालय ने एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया। मिनिस्ट्री ने कहा कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक्शन लिया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा, याचिका पर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर को दो महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार है। वकील गोपाल शंकर नारायण ने जहूर अहमद भट और खुर्शीद अहमद मलिक की ओर से इसकी याचिका लगाई है। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सुनवाई पर अपनी सहमति दे दी है। याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जम्मू-कश्मीर को जल्द ही पूर्ण राज्य का दर्जा देने का आश्वासन दियपा था। हालांकि, मामले में फैसला आने के 10 माह बाद भी केंद्र ने अब तक इस पर कोई कदम नहीं उठाया। अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 11 अगस्त, 2023 को आया था।

निज्जर मामले में अमेरिका के बयान पर भारत देगा जवाब?

कनाडा और भारत के बीच संबंध चल रहे खराब

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में अमेरिका ने भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि निज्जर मामले में भारत कनाडा की जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह गंभीर आरोप है और हम चाहते हैं कि भारत इस मामले में कनाडा को सहयोग करे, लेकिन भारत ने वह रास्ता नहीं चुना है। इस आरोप और अमेरिका के रुख को लेकर दुनियां भारत के जवाब का इंतजार कर रही है। खास बात यह है कि अमेरिका ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जबकि कनाडा और भारत के बीच कूटनीतिक तनाव अपने चरम पर पहुंचा हुआ है। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि जून 2022 में सरे, ब्रिटिश कोलंबिया में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के अधिकारी शामिल थे। ट्रूडो ने दावा किया कि कनाडा की राष्ट्रीय पुलिस, रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस के पास इसके पुख्ता सबूत हैं कि भारत सरकार के एजेंटों ने इस हत्या को अंजाम दिया है। वैसे इन आरोपों को भारत सिरे से खारिज करता रहा है, लेकिन अब जबकि अमेरिका ने इस पर बयान दे दिया है तो पुख्ता सबूतों के साथ भारत को अपना पक्ष रखना होगा। ताकि झूठ को आईना दिखाया जा सके। एक तरफ भारत ने तमाम आरोपों को खारिज किया और कनाडा से अपने उच्चायुक्त को वापस बुला लिया। यही नहीं भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को भी निष्कासित कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि सितंबर 2023 में पीएम ट्रूडो द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद से कनाडा सरकार ने हमारे अनुरोधों के बावजूद कोई सबूत नहीं दिए हैं। यह भारत को बदनाम करने की एक सोची-समझी रणनीति है, जो कनाडा की आंतरिक राजनीतिक स्थिति से प्रेरित है।

भारत ने कनाडा पीएम ट्रूडो पर आरोप लगाया कि उनके मंत्रिमंडल में ऐसे व्यक्ति शामिल हैं जो सिख अलगाववादी आंदोलन का समर्थन करते हैं। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि ट्रूडो सरकार जानबूझकर खालिस्तानी चरमपंथियों को शरण दे रही है, जो कनाडा में भारतीय राजनयिकों और नेताओं को निशाना बना रहे हैं। इस विवाद के बीच अमेरिका ने कूटनीतिक रूप से संतुलन बनाए रखते हुए भारत और कनाडा से मामले को गंभीरता से लेने को कहा है। वैसे अमेरिका कह तो यही रहा है कि वह भारत और कनाडा के बीच चल रहे इस विवाद में सीधे हस्तक्षेप नहीं करेगा, लेकिन बयान देकर इस मामले को तूल जरुर दे दिया है। इसलिए विश्लेषकों का कहना है कि भारत को अब सबूतों के साथ जवाब देना चाहिए ताकि आगे इस तरह की कोई बात न होने पाए।

पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुजरात के इन जिलों में शुरू होगा जंगल सफारी

अहमदाबाद (ईएमएस)| राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जंगल सफारी शुरू करने की योजना है और इसे लेकर वन विभाग द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है| गुजरात के देवभूमि द्वारका और पोरबंदर जिले में फैले बरडा जंगल में पर्यटकों के लिए बरडा जंगल सफारी शुरू की जाएगी। बरडा डूंगर में शुरू होने वाली इस जंगल सफारी से देवभूमि द्वारका और पोरबंदर जिले के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा| फिलहाल इस जंगल सफारी की काफी चर्चा हो रही है और हर कोई इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा है कि यह कब शुरू होगी| जानकारी है कि गुजरात वन विभाग द्वारा देवभूमि द्वारका और पोरबंदर के बरडा डूंगर में दिवाली से पहले ही बरडा जंगल सफारी शुरू की जा सकती है। सफारी के दौरान पर्यटकों को बरडा की प्राकृतिक सुंदरता, किलगंगा नदी के मनोरम दृश्य देखने को मिलेंगे। बरडा सफारी का रूट लगभग 27 किमी होगा| इसकी शुरुआत द्वारका जिले के कपूरडी नाका से की जाएगी और उसके बाद चारणुआई बैरियर से अजमापट से भुखबरा तक का क्षेत्र कवर किया जाएगा। इस सफारी दर्शन के लिए 6 यात्रियों की क्षमता वाली एक खुली जिप्सी रखी जाएग, जिसमें गाइड की व्यवस्था भी होगी। हांलाकि इस जंगल सफारी की शुरुआत के लिए अभी कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई है| लेकिन वन विभाग की ओर से दिवाली से पहले जंगल सफारी शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है| यह जंगल सफारी सर्दी के मौसम में दो भागों में सुबह 6-45 से 9-45 तक और दोपहर में 3-00 से 6-00 बजे तक और गर्मी के मौसम में सफ़ारी दो भागों में की जा सकती है, सुबह 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक और दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक की जा सकती है|

भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच व्यापारिक संबंध जारी

नई दिल्ली (ईएएमस)। भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंध 2019 से आधिकारिक तौर पर बंद हैं, जब भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 खत्म कर दी थी। इस फैसले के बाद पाकिस्तान ने भारत से होने वाले सभी आयातों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके जवाब में भारत ने भी सामान पर 200फीसदी आयात शुल्क लगा दिया और पाकिस्तान का मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) दर्जा भी रद्द कर दिया। इन कूटनीतिक और व्यापारिक कदमों ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों पर गहरा प्रभाव डाला है। भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंध पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। 2022 में दोनों देशों के बीच करीब 2.5 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था। यह व्यापार अधिकतर तीसरे देशों और अनौपचारिक चैनलों के जरिए से हुआ था। भारत अभी भी कुछ जरुरी वस्तुओं के लिए पाकिस्तान पर ही निर्भर है। इनमें सेंधा नमक, ड्राई फ्रूट्स, मुल्तानी मिट्टी, सल्फर, और चमड़े का सामान शामिल हैं। सेंधा नमक, जिसका भारत में व्यापक रूप से उपयोग होता है, यह सबसे बड़ा स्रोत पाकिस्तान का खेवड़ा स्थित नमक खदान है, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी नमक है। पाकिस्तान से भारत आने वाली अन्य वस्तुओं में फल, प्लास्टिक का सामान, तांबा, और ऊन शामिल हैं। भारत ने 2019 के बाद पाकिस्तान से आयात में कमी की है, लेकिन संबंध पूरी तरह खत्म नहीं किए हैं। पाकिस्तान के व्यापारी और जनता व्यापार बंद होने से ज्यादा परेशान हैं, जबकि भारत ने अपनी जरूरतों को अन्य स्रोतों से पूरा करने के लिए कदम उठाए हैं। पाकिस्तान भी भारत से कुछ वस्तुओं का आयात करता है, कपास, ऑर्गेनिक केमिकल, पशुओं का चारा, चाय, मसाले, और दवाइयां। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध फिर से बहाल होते हैं, तो इससे दोनों देशों को आर्थिक लाभ होगा।

नशे के कारोबार पर हुए चौंकाने वाले खुलासे मिली भगत से 7 राज्यों में फैला नेटवर्क

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली और गुजरात से 13 हजार करोड़ रुपये की ड्रग्स पकड़े जाने के बाद जो खुलासे हो रहे हैं वो चौंकाने वाले हैं। आरोपियों से पूछताछ और जांच एजेंसियों की जांच में जो भी सामने आ रहा है वो काफी डरावना है। बताया जा रहा है कि इस नशे के कारोबार में ऐसे ऐसे दिग्गजों का संरक्षण है जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती है। तस्करों का नेटवर्क दिल्ली, पंजाब, कश्मीर, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध प्रदेश तक फैला था। 'भारत की बर्बादी का सामान सबसे पहले गुजरात पहुंचता था।इस नेटवर्क में अंतरराष्ट्रीय से लेकर स्थानीय तस्कर शामिल हैं। दुबई से सरगना वीरेंद्र बसोया उर्फ वीरू के निर्देश पर यूके का तस्कर सतविंदर इसे समुद्री मार्ग के जरिए गुजरात तक पहुंचाता था, जहां फार्मास्यूटिकल कंपनी में कच्चे माल को रिफाइन कर इसे तस्करी के ट्रांजिट प्वाइंट के रूप में इस्तेमाल की जा रही दिल्ली भेजा जाता था। इसके बाद अन्य प्रदेशों में इसकी सप्लाई होती थी। कोकीन की खेप गुजरात पहुंचाने वाले कई फरार पूछताछ में आरोपियों ने यह भी खुलासा किया है कि अबतक बरामद करीब 1,300 किलो कोकीन की खेप दक्षिण अमेरिकी देशों से तस्करों द्वारा गुजरात की ड्रग्स कंपनी तक पहुंचाई गई थी। हालांकि, गिरोह का पर्दाफाश होते ही नेटवर्क से जुड़े कई बड़े खिलाड़ी खासतौर से यूके नागिरक और उसके नेटवर्क से जुड़े तस्कर भूमिगत हो गए हैं। गुजरात में पुलिस के हत्थे चढ़े पांच आरोपियों में विजय भेसनिया, अश्वनी रमानी, ब्रिजेश कोठिया, मयूर देसले और वड़ोदरा निवासी अमित के यूके स्थित हैंडलर्स के साथ करीबी रिश्ते थे।गिरोह में किसके जिम्मे किस काम की जिम्मेदारी थी, इस बात की जानकारी किसी को नहीं होती थी। दरअसल, इस नेटवर्क का संचालन मुख्य रूप से दुबई से वीरेंद्र बसोया, यूके से सतविंदर और भारत से तुषार गोयल मिलकर करते थे। इन तीनों का अपना अलग नेटवर्क था। तीनों स्थानीय नेटवर्क से जुड़े लोगों से कोड वर्ड में बात करते थे। तस्करी को छिपने के लिए बातचीत का इसे ही माध्यम बना रखा था।

आचार संहिता क्या है और इसके नियम क्या

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाली विधानसभा चुनाव के तारीखों की घोषणा कर दी है। चुनाव की घोषणा के साथ ही महाराष्ट्र और झारखंड में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है।

लेकिन क्या आपको पता हैं कि आचार संहिता क्या है और इसके नियम क्या हैं?

दरअसल देश के किसी भी राज्य या क्षेत्र में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा चुनाव का आयोजन होता है, तब चुनाव की तारीख की घोषणा के साथ ही उस राज्य या क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है। इसका मकसद देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव करना होता है। इसके तहत कुछ नियमों को भी तय किया जाता है, जिसका पूरे चुनाव के दौरान सभी राजनीतिक पार्टियों को पालन करना होता है।

आचार संहिता के उल्लंघन पर क्या होता है?

लेकिन यदि किसी राजनीतिक दल या किसी उम्मीदवार द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता है, तब चुनाव आयोग उसके खिलाफ कार्रवाई करती है। उदाहरण के तौर पर उम्मीदवार को चुनाव लड़ने से भी रोका जा सकता है। इसके अलावा यदि जरूरत पड़ने पर खिलाफ आपराधिक मुकदमा भी दर्ज हो सकता है और नियमों के उल्लंघन पर जेल जाना भी पड़ सकता है।

आचार संहिता के राजनीतिक सभाओं से जुड़े नियम?

किसी भी स्थान पर सभा करने से पहले सभा और उसके समय की जानकारी पुलिस अधिकारियों को दी जाए। सभा में अगर लाउडस्पीकर का इस्तेमाल होता हैं, तब उसके लिए पुलिस अधिकारियों से पहले अनुमति लेनी होगी। दल या अभ्यर्थी पहले ही सुनिश्चित कर लें कि जो स्थान उन्होंने चुना है, वहां निषेधाज्ञा लागू नहीं है।

आचार संहित में सत्ताधारी दल के लिए नियम?

सरकार के मंत्री शासकीय दौरों के दौरान चुनाव प्रचार का कार्य न करें। शासकीय दौरों में शासकीय मशीनरी और कर्मचारियों का इस्तेमाल न करना। राजनीतिक दल के हितों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी विमान या गाड़ियों का प्रयोग न करना। हेलीपैड पर एकाधिकार न जताएं। विश्रामगृह, डाक-बंगले या सरकारी आवासों पर एकाधिकार न जमाना। प्रचार और राजनैतिक दल के हितों के साधने के लिए इन स्थानों का प्रयोग न करना। सरकारी पैसे पर विज्ञापनों के जरिए सरकार की उपलब्धियां न बताना। शासकीय दौरे पर जब मंत्री सर्किट हाउस में ठहरें हों, तब उनके साथ गार्ड लगाए जाएंगे।

आदर्श आचार संहिता के सामान्य नियम क्या हैं?

आचार संहिता के दौरान कोई भी राजनैतिक दल ऐसा काम न करे, जिससे जातियों और धार्मिक या भाषाई समुदायों के बीच मतभेद या घृणा फैले। राजनीतिक दलों की आलोचना कार्यक्रम नीतियों तक सीमित हो, आलोचनाएं व्यक्तिगत नहीं होनी चाहिए।

धार्मिक स्थानों का उपयोग चुनाव प्रचार के मंच के रूप में नहीं होना चाहिए। वोट पाने के लिए भ्रष्ट आचरण जैसे, रिश्वत देना, मतदाओं को परेशान करना या धमकी देना या किसी तरह का लालच देना पर पांबदी रहती है। जिस व्यक्ति की संपत्ति है उसकी सहमति के बिना उसकी दीवार, अहाते या भूमि का प्रयोग न करें। किसी भी दल की सभा या जुलूस में बाधा न डालें। राजनीतिक दल ऐसी कोई भी अपील न करें, जिससे किसी की धार्मिक या जीतीय भावनाएं आहत होती हों।

आचार संहिता में जुलूस संबंधी नियम क्या हैं?

जुलूस का समय, शुरू होने का स्थान, मार्ग और समाप्ति के समय की सूचना पहले से पुलिस अधिकारियों को देनी होती है। यातायात प्रभावित न हो, इसे ध्यान में रखकर ही जुलूस किया जाए। जुलूस और राजनैतिक सभाओं को लेकर पुलिस अधिकारियों को पहले जानकारी दी जाए और अनुमति ली जाए। सड़क के दायीं ओर से जुलूस निकाली जाए। राजनैतिक जुलूस में किसी ऐसी चीजों का प्रयोग न करें, जिनका दुरुपयोग उत्तेजना के क्षणों में हो सके।

बीसीसीएल में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया गया

कोयला नगर के सभी क्षेत्रों में कुल मिलाकर 2550 पौधे लगाए गए

धनबाद । बीसीसीएल के सभी क्षेत्रों और मुख्यालय में आज विशेष अभियान 4.0 के तहत बड़े पैमाने पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत कुल 2550 पौधे लगाए गए, जो पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार के प्रति बीसीसीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।"एक पेड़ मां के नाम" पहल के तहत पौधारोपण कार्यक्रम में कार्मिकों ने अपनी माता के सम्मान में पौधे लगाए। इस विशेष पहल का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण है, बल्कि पारिवारिक मूल्यों और मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना भी है। कोयला नगर में आज विशेष अभियान 4.0, और "एक पेड़ मॉं के नाम" अभियानों के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) श्री मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (वित्त) श्री राकेश कुमार सहाय, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अमन राज, महाप्रबंधक (पर्यावरण) श्री राजीव चोपड़ा, महाप्रबंधक (असैनिक) कमर किशोर झॉ, तथा महाप्रबंधक (झरिया मास्टर प्लान) विद्युत साहा ने विशेष रूप से पौधारोपण किया।कार्यक्रम के दौरान गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत पौधा देकर किया गया। महाप्रबंधक (पर्यावरण) श्री राजीव चोपड़ा ने स्वागत भाषण दिया और उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। निदेशक (कार्मिक) श्री मुरली कृष्ण रमैया नेस्नेक प्लांटके पर्यावरणीय लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा, "स्नेक पौधा अत्यधिक ऑक्सीजन उत्सर्जन करता है, इसलिए इसे बीसीसीएल के विभिन्न कार्यक्रमों में उपहार के रूप में दिया जाना चाहिए।"मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अमन राज ने अपने संबोधन में कहा कि, "यह कार्यक्रम मॉं के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। इससे विश्व में हरियाली बढ़ाने में मदद मिलेगी और पर्यावरण संतुलन कायम रहेगा। निदेशक (वित्त) श्री राकेश कुमार सहाय ने अपने उद्बोधन में कहा कि विशेष अभियान के चौथे चरण तक की प्रगति इतनी हर्षवर्धक है, और इसी गति से अगर हम दसवें चरण तक पहुँचते हैं, तो हरियाली में अत्यधिक वृद्धि देखने लायक होगी। कार्यक्रम में कम्पनी के विभिन्न अधिकारीगण, कर्मचारी और श्रमिक भी उपस्थित रहे और पौधारोपण में हिस्सा लेकर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में अपना योगदान दिया।इस अवसर पर सभी ने अपने प्रयासों से एक हरित भविष्य का संकल्प लिया। बीसीसीएल द्वारा इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी जारी रहेंगे, जिससे पर्यावरण की सुरक्षा और हरित विकास को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन उदयवीर सिंह, विभागाध्यक्ष (जन संपर्क) ने किया।

पहला कदम में दीपावली के लिए निर्मित सजावट के सामग्रियों की प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

धनबाद, नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चो की विशेष स्कूल पहला कदम में प्रकाश और दीपों के पर्व दीपावली के लिए दिव्यांग बच्चो द्वारा निर्मित दीप ,मोमबत्ती , तोरण , बास्केट इत्याद डेकोरेटिव सामग्रियों की प्रदर्शनी का शुभारंभ गुरुवार को अनुपमा सिंह पूर्व लोक सभा प्रत्याशी कांग्रेस तथा क्षेत्रीय श्रमायुक्त मनीष शंकर के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मनीष शंकर ने पहला कदम के बच्चो के हुनर को देख कहा इनके इस कला को समाज के हर वर्ग को मिलकर प्रोत्साहित कर उन्हें आगे बढ़ाना होगा। अनुपमा सिंह ने कहा कि दिव्यांग बच्चो की साल भर की मेहनत तभी रंग लाएगी, जब आप सभी समाज के हर वर्ग के सम्मानित जन उनका हौसला बढ़ाने हेतु उनके द्वारा निर्मित दीप और हस्तकला से अपने घर को जगमगाएंगे। अनुपमा सिंह ने स्कूल के बच्चो द्वारा बनाए दीपक, बास्केट वंदनवार आदि सामग्रियों को खरीदकर उनका मनोबल बढ़ा उनका मान बढ़ाया। अनुपमा ने कहा ये उनके जीवन का एक खूबसूरत और भावनात्मक पल है। जो उनके जीवन का सबसे अविस्मरणीय पल होगा। उन्होंने सचिव अनिता अग्रवाल और पूरी टीम को इस नेक कार्य के लिए बधाई दी। स्कूल में दोनों अतिथिगण को सम्मान स्वरूप मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सभी ने बच्चो के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी।

न्यू चेतन आर्नामिंट्स में धनतेरस एवं दीपावली के उपलक्ष्य में 18 से 20 अक्टूबर तक दी जा रही हैं भारी छूट

22 कैरेट हॉलमार्क सोने के आभूषण प्रत्येक दिन के भाव पर प्रति 10 ग्राम पांच हजार रुपयों की भारी छूट

धनबाद । बैंक मोड़, राठौर मेंशन व शिव शंभू प्लाजा गोविंदपुर स्थित न्यू चेतन ऑर्नामिंट्स के दोनों शाखाओं में धनतेरस एवं दीपावली के उपलक्ष्य में 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक धमाका ऑफर की घोषणा की गई है । इस ऑफर के तहत 22 कैरेट हॉलमार्क सोने के आभूषण प्रत्येक दिन के भाव पर प्रति 10 ग्राम 5000/- रूपये की भारी छूट यानि आज का भाव 72500/- रूपये प्रति 10 ग्राम ऑफर रेट 67500/- रूपये प्रति ग्राम। सार्टिफायड डायमंड के आभूषण एवं नामी-गिरामी कम्पनियों के आकर्षक डिजाइन के गहने उपलब्ध कराये गये। न्यू चेतन आर्नामिंट्स में भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 100% हॉलमार्क सोने के गहने आकर्षक डिजाइनों के साथ विशाल रेंज में उपलब्ध है।न्यू चेतन आर्नामिंट्स अब गोविन्दपुर में भी जहां कैरेटोमीटर द्वारा अपने आंखों के सामने सोने की शुद्धता मात्र 30 सेकन्ड में जांच सकते हैं। संचालक आयुष गोयनका ने कहा कि न्यू चेतन ऑरनामेन्टस देता है आपको 22 कैरट हॉलमार्क शुद्ध सोने के आभूषण जो आपको पूरे भारतवर्ष में इसकी पूरी कीमत दिलाता है। न्यू चेतन ऑरनामेन्टस की शाखा शिवशम्भु प्लाजा, जी. टी. रोड, गोविन्दपुर, धनबाद में स्थित है।

न्यू चेतन ऑरनामेन्टस के संचालक चेतन गोयनका ने हिंदी दैनिक समाचार पत्र कोयलांचल संवाद के पत्रकार, आर एन चौरसिया को बताया की आभूषण बेचना ही नहीं, बल्कि रिश्तों को कायम रखना एवं ग्राहकों की संतुष्टि ही न्यू चेतन ऑरनामेन्टस का मुख्य उद्देश्य रहा है। शुद्ध सोने आभूषण का मतलब का हॉलमार्क सोने के आभूषण, क्योंकि शुद्ध सोने के आभूषण को हॉलमार्क ही प्रमाणित करता है। चूंकि सोना सुख-दुःख का साथी है। इसलिए उसे खरीदते समय अच्छी तरह समझें, जाँचें, परखें तभी खरीदें। साथ ही उन्होंने बतलाया की इस ऑफर के साथ चांदी का आभूषणों के मेकिंग चार्ज में 50 प्रतिशत की छूट दीं जा रही है। ग्रह रत्न पर 20 प्रतिशत की छूट। इस चार दिवसीय ऑफर में सोने की आभूषणों का बुकिंग भी एडवांस पेमेंट में किया जा सकता हैं।

झारखंड विधानसभा निर्वाचन-2024 के तहत

उपायुक्त ने पोस्टल बैलेट से मतदान कराने को लेकर की बैठक

एसेंशियल सर्विसेज श्रेणी में आने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों का शत प्रतिशत मतदान कराएं सुनिश्चित : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

धनबाद, विधानसभा आम चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में पोस्टल बैलेट से मतदान कराने को लेकर समाहरणालय सभागार में एसेंशियल सर्विसेज श्रेणी मे आने वाले कार्यालयों के कार्यालय प्रधानों बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने पोस्टल बैलेट के माध्यम से होने वाले मतदान को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी से सभी को अवगत कराया। साथ ही एसेंशियल सर्विसेज श्रेणी में आने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियोंका मतदान विधानसभा आम निर्वाचन के दौरान सुनिश्चित कराने को लेकर सभी अधिकारियों एवं कार्यालय प्रधानों को संबंधित आवश्यक प्रक्रिया से अवगत कराया। इसके अलावा बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने एसेंशियल सर्विसेज श्रेणी में आने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची पोस्टल बैलेट कोषांग को तय समय अनुसार उपलब्ध करने की बात कही। आगे उन्होंने जानकारी दी कि रिटर्निंग अधिकारी द्वारा फॉर्म 12 डी जारी किया जाएगा, जिसमें आवश्यक जानकारी भरकर डाक मतपत्र शाखा में जमा किया जायेगा। इसके आधार पर पोस्टल बैलेट से मतदान करने के लिए पात्र हो पाएंगे। बैठक में उपायुक्त ने एसेंशियल सर्विसेज श्रेणी मे आने वाले कार्यालयों के कार्यालय प्रधानों से कहा की वे अपने सभी कर्मचारियों का नाम मतदाता सूची में शामिल होना सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त, माधवी मिश्रा, डाक मतपत्र कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह सहायक नगर आयुक्त, प्रसन्न कौशिक, सहायक पदाधिकारी डाक मतपत्र कोषांग सह आपदा पदाधिकारी, संजय झा समेत एसेंशियल सर्विसेज श्रेणी मे आने वाले कार्यालयों के सभी कार्यालय प्रधान मौजूद थे ।

शहीद मनींद्र नाथ मंडल के 30वें शहादत दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद। शहीद मनींद्र नाथ मंडल मेमोरियल सोशल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से गुरुवार को शहीद स्मारक सरायढेला में शहीद मनींद्र नाथ मंडल की 30वें शहादत दिवस मनाई गई। सर्वप्रथम शहीद मनींद्र नाथ मंडल की धर्मपत्नी रेखा मंडल ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की।

रेखा मंडल ने कहा शहादत दिवस पर सारे विधि विधान व नियमों का पालन करते हुए सुबह प्रभात फेरी की गई एवं महिलाओं द्वारा पंच भद्राण किया गया। साथ ही भारत सेवा आश्रम के द्वारा वेद पाठ किया गया। उन्होंने कहा शहीद मनींद्र नाथ मंडल के अधूरे सपने को पूरा करेंगे। उनके झारखंड के विकास के विचारों का अनुसरण करेंगे। सारे झारखंड वासियों को हक अधिकार के लिए जागृत किया जाएगा। झारखंड के आंदोलनकारियों , दलितों पीड़ितों और शहीदों के परिवार का कैसे उत्थान हो, इस पर सभी की ओर से गंभीरता से विचार किया जाएगा। शहादत दिवस पर उपस्थित हुए पूर्व मंत्री दुलाल भूइंया ने वर्तमान झारखण्ड सरकार को आड़े हाथों लेते हुए मिडिया से कहा कि जो शहीद के परिवार को सम्मान देगा, वही असली झारखंडी कहलायेगा। वही झारखण्ड का सीएम होगा। इसबार का झारखण्ड विधानसभा चुनाव निर्णायक होगा। मौके पर सिंदरी के पूर्व विधायक आनंद महतो, आशीष मंडल,सूड़ी समाज की महिला जिला अध्यक्ष, रीना मंडल, जगत महतो, संतोष महतो, नारायण मंडल,अशोक मंडल, डॉक्टर माधव चंद्र मंडल, गौतम मंडल, जिला अध्यक्ष, प्रफुल्ल मंडल, महासचिव, हिरेन मंडल, सुबल मंडल, राजेंद्र मंडल, सनातन मंडल,दिजैन मंडल, सुधीर कुमार दास,खिरोधर मंडल, राहुल साव,इंद्रजीत मंडल, राजेश मंडल झामुमो जिला अध्यक्ष लखी सोरेन, गौर मंडल, लक्ष्मी कांत मंडल, धनंजय मंडल गणेश मंडल, शंभू मंडल,बबलू मंडल, रांची वैश्य समाज के महेश्वर साहू, पप्पू मंडल, राजकुमार मंडल,आकाश मंडल मुकेश महतो, मुकेश मंडल, मिथिलेश गुप्ता, राजा दास,मिथुन मंडल,अमित मंडल, अनिल मंडल, वैभव सिन्हा, योगेंद्र यादव,दामोदर प्रसाद, गोपाल यादव, सुदीस्ट कुमार, जय हिंद यादव,खेदन महतो,बलियापुर से नमन प्रमाणिक शकुंतला देवी, राधिका देवी, शीतल देवी, लक्ष्मी देवी, चंपा देवी,मंजू देवी, सीमा देवी, शिवानी देवी, बबलू मंडल, वंदना देवी, अनाड़ी मंडल, राष्ट्रीय सुढ़ी समाज के परितोष मंडल, रणवीर मंडल, विकास मंडल, प्रकाश मंडल, पंकज मंडल, हिमांशु मंडल, मयूर मंडल, नविक मंडल, विकास मंडल समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

आनंद मंगल का सिद्धिविनायक होटल में दीपोत्सव कार्यक्रम 18 व 19 अक्टूबर को होगा भव्य आयोजन

विभिन्न प्रांतो के आकर्षक प्रोडक्ट्स के 80 स्टाल लगेंगे : नीतू कानोरिया

धनबाद। आनंद मंगल का वार्षिक कार्यक्रम दीपोत्सव शुक्रवार 18 से शनिवार 19 अक्टूबर तक सुबह 11.00 बजे दिन से सायं 8.00 बजे तक सिद्धि विनायक रिसोर्ट, धनसार में आयोजित किया जा रहा है। उक्त जानकारी संस्था नें गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी । आनंद मंगल की अध्यक्ष, नीतू कानोरिया ने बताया कि कोलकाता, रांची, मुंबई समेत विभिन्न प्रांतों से आये 80 से ज्यादा उत्पादों के स्टालों के माध्यम से आने वाले त्यौहार को और आकर्षक ढंग से मनाने हेतु और स्वरोजगार को बढ़ावा देनें के लिए हमारी संस्था आनंद मंगल का मुख्य उद्देश्य है। इसमे विशेष आकर्षण के रूप में हमारी आनंद सखियाँ जो हमारे द्वारा संचालित निःशुल्क सिलाई केंद्रों से जुड़ी हुई है, उनके स्वरोजगार कार्यक्रम के अंतर्गत नीतू कनोरिया, स्वेता, पायल, सोनल, रेवा, सपना, संगीता अग्रवाल, दीप्ती गर्ग, मीनू खेतान, सीमा मित्तल, बरखा लोहारीवाल, संगीता ड्रोलिया, रिद्धि गोड्डा, रेखा रूंगटा, रंजना दुधानी, अनीता गुटगुटिया, विजेता ईत्यादि शामिल है। दीपोत्सव कार्यक्रम में दीपक और भगवान की हस्तनिर्मित पोषाक का भी एक स्टाल लगाया गया है। पिछले 20 सालों से स्थापित संस्था आनंद मंगल की प्रेसिडेंट नीतू कानोरिया ने बताया कि यह दीपावली की शॉपिंग को देखते हुए दीपोत्सव स्टॉल लगाया गया है। जिसमें सभी आय वर्ग की महिलाएं खरीददारी कर सकती है। उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान वरिष्ठ पत्रकार आर एन चौरसिया को बताया कि इस संस्था द्वारा मेले की आय से सामाजिक कल्याण एवं जरूरतमंदों के उत्थान के लिए विभिन्न कार्य किए जाते हैं। आगे उन्होंने कहा की वर्तमान में बारामुड़ी एवं झरिया में महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाई केंद्र संचालित हो रही है। साथ ही शीघ्र ही दोनों केंद्रों में कंप्यूटर क्लासेस भी शुरू की जाएगी। मौके पर संगीता अग्रवाल, सपना, स्वेता, नीतू कनोरिया, पायल, सीमा मित्तल, बरखा लोहारीवाल, रंजना दुधानी, अनीता गुटगुटिया आदि मौजूद थी।

तनिष्क ने त्यौहारी सीजन के अवसर पर सबसे नया मास्टरपीस नवरानी कलेक्शन प्रस्तुत की

धनबाद। भारत का सबसे बड़ा आभूषण ब्रांड और टाटा समूहका सदस्य, तनिष्क ने त्यौहारी सीजन के अवसर पर अपना सबसे नया मास्टरपीस नव-रानी कलेक्शन पेश किया। ज्ञात हो की यह शानदार कलेक्शन आधुनिक रानियों के सम्मान में प्रस्तुत किया गया है। आकर्षक आधुनिकता और भावनाओं का सही संतुलन बनाते हुए यह कलेक्शन उत्सवों की शाही भावना का जश्न मनाता है।

महारानियों के दरबारों, शाही महलों और ऐतिहासिक विरासत से प्रेरित, नव-रानी कलेक्शन हाथों से बनाए गए, आधुनिक प्रकार के पारंपरिक आभूषणों की नयी परिभाषा रचता है। यह कलेक्शन सर्वश्रेष्ठ कुशल कारीगरों की कला को प्रदर्शित करता है, बधरूम सेटिंग काजर में उच्च चमक वाले कुदन और मिरर फिनिश ग्लास इनेमल काम और ओम्बे प्रभाव के साथ रंगीन कुंदन का सुंदर उपयोग किया गया है। नाजुक जाली पैटर्न, कालातीत राम रावा और परताज तकनीक, साथ ही आकर्षक चदक और कलगी मोटिफ्स, इन तकनीकी का उपयोग करके शाही और आधुनिक आभूषण बनाए गए हैं। उडी लेजर-कट बीड्स और कास्टेड स्टैम्प्स ने इन आभूषणों को बेजोड सुंदरता प्रदान की है। ये आभूषण राजसी वैभव का आविष्कार बन गए हैं। चाहे वह स्टेटमेंट नेकवियर हो या नाजुक ढंग से डिजाइन किए गए झुमके, हर आभूषण राजसी है और आधुनिक महिला की पसंद के अनुरूप तैयार किया गया है।

वास्तव में यह कलेक्शन सिर्फ सजावट के बारे में नहीं है, बल्कि हर महिला के राजसी सार का सम्मान करता है। कोई भी महिला हर दिन रानी भले ही न दिखती हो, लेकिन साल का सबसे बड़ा त्यौहार दिवाली उनकी आंतरिक शाही चमक को सामने लाता है, ऐसे विशेष अवसर पर 'नव-रानी' आभूषण शाश्वत सुंदरता प्रदान करने में सक्षम है। यह कलेक्शन ऐसे विशेष अवसरों पर एक महिला की शक्ति, आत्मविश्वास और आभा का सम्मान बढ़ाता हैं। बैंक मोड़ स्थित तनिष्क शो रूम आयोजित प्रेस वार्ता में टाइटन कंपनी लिमिटेड की चीफ डिज़ाइन ऑफिसर श्रीमती रेवती कांत ने कहा, हमें गर्व है कि हमने शाही विरासत से प्रेरित होकर, नव-रानी कलेक्शन पेश किया है, जो नाजुक शिल्प कौशल को प्रदर्शित करता है। हर आभूषण के बारीकियों पर ध्यान देकर तैयार किया गया है। यह कलेक्शन आधुनिक डिज़ाइन बनाने में कारीगरों के अतुलनीय कौशल को प्रदर्शित करता है, आधुनिक महिलाओं की आधुनिक संवेदनशीलता, शक्ति और सुंदरता की कहानी बयान करता है। उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान हिंदी दैनिक समाचार पत्र कोयलांचल संवाद के वरिष्ठ पत्रकार आर एन चौरसिया को बतलाया की तनिष्क में हमने इन आभूषणों को पुराने जमाने के शाही दरबारों की खूबसुरती को आधुनिक संवेदनाओं के साथ मिलाकर बनाया है। ऐसे आभूषण बनाए है जो आज के दौर की रानियों पर खूब जचेंगे। उन्होंने कहा की नव-रानी कलेक्शन सिर्फ आभूषण नहीं है, यह महिला के उत्साह का सम्मान है, जो त्यौहारों को जिन्दगी भर की यादों में बदल देता हैं। आगे उन्होंने कहा की नव-रानी कलेक्शन उत्सव की भावनाओ को दर्शाता है। यह परंपरा और आधुनिकता दोनों का प्रतीक है, जो दिवाली पर उपहार देने के लिए बेहतरीन है। तनिष्क की पहचान मानी जाने वाली समृद्ध कलात्मकता का अनुभव करने का यह एक सुनहरा अवसर है। शाही आभूषणों से लेकर आधुनिक रानियों के लिए आधुनिक डिजाइन तक, नव-रानी हर आभूषणप्रेमी महिला की पसंद को निश्चित रूप से पूरा करेगी। लक्ज़री आभूषण अब सभी के लिए उपलब्ध हैं। यह कलेक्शन उन लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो अतीत की विरासत की सुंदरता और वर्तमान की भव्यता दोनों को लोग वेहद पसंद करते हैं।

30वें शहादत दिवस पर याद किए गए शहीद मणींद्र नाथ मंडल

धनबाद, गुरुवार को शहीद मणींद्र नाथ मंडल को उनके 30वें शहादत दिवस पर याद किया गया।झामुमो जिला कमिटी के अध्यक्ष लखी सोरेन, जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, मो.शमीम अंसारी प्रखंड सचिव निरसा,उमेश राम, मो. शाहिद खान सुबोर टुडू, राजन आदि ने मेमको मोड़ में शहीद मणींद्र नाथ मंडल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर लखी सोरेन ने कहा कि मणींद्र नाथ मंडल झारखंड आंदोलन के एक अग्रणी आंदोलनकारी थे।आज स्वर्गीय मंडल जैसे वीर शहीदों के वजह से अलग झारखंड राज्य का सपना पूरा हो पाया हैं। मुकेश सिंह ने इस अवसर पर कहा कि शहीद मणींद्र नाथ मंडल ने झारखंड के मजदूरों को उनका हक दिलाने के लिए हमेशा संघर्ष किया।उन्होंने विस्थापितों के हक लिए लड़ाई लड़ी। बीसीसीएल ईसीएल, सीसीएल में मजदूरों की आवाज बने। मनींद्र नाथ मंडल के दिखाए गए मार्ग आज भी युवाओं के लिए आर्दश हैं। अलग राज्य के आंदोलन में भी उनकी अहम भूमिका रही है। समाज के लिए किए गए उनके कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।